राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट, नोटिस, वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-7490923915
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई, उत्तरप्रदेश, बिहार, राजस्थान, मध्यप्रदेश, उत्तरांचल, उत्तराखंड, दिल्ली, हरियाणा में प्रकाशित

सुरत-गुजरात, संस्करण सोमवार 02 जून 2025 वर्ष-8,अंक-103 पृष्ठ-08 मूल्य-01 रूपये

Website : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पहला कॉलम

वे स्वदेशी परियोजनाएं जिनकी देरी से नाराज हुए वायुसेना प्रमुख, देश की सुरक्षा के लिए खतरा

नई दिल्ली।

भारतीय वायुसेना के प्रमुख एयर चीफमार्शल अमर प्रीत सिंह ने रक्षा खरीद परियोजनाओं में देरी पर गहरी नाराजगी और चिंता जाहिर की है। एयर चीफ मार्शल सिंह का इशारा विशेष रूप से स्वदेशी परियोजनाओं की ओर था। उन्होंने कहा कि उनकी जानकारी में एक भी प्रोजेक्ट समय पर पूरा नहीं हुआ है। आइए जानते हैं इन प्रोजेक्ट्स की मौजूदा स्थिति और देरी के कारणज

तेजस एमके-1ए

हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) के साथ फरवरी 2021 में 83 एलसीए एमके-1ए विमानों के लिए 48,000 करोड़ रुपये का समझौता हुआ था। ये 4.5 जेनरेशन के हल्के लड़ाकू विमान हैं, जो भारतीय वायुसेना की स्क्वाड्रन शक्ति बढ़ाने के लिए जरुरी हैं। मुख्य रूप से जनरल इलेक्ट्रिक (जीई) से एफ404 इंजनों की आपूर्ति में देरी के कारण इसका उत्पादन डिले हुआ है। विनिर्माण कंपनी एचएएल ने तकनीकी और सप्लाई चेन की समस्याओं का भी हवाला दिया है। समझौते के अनुसार पहला विमान मार्च 2024 तक डिलीवर होना था, लेकिन अभी तक एक भी विमान नहीं मिला है। एचएएल ने आश्वासन दिया है कि तकनीकी समस्याएं सुलझाई गई हैं और जल्द ही डिलीवरी शुरू होगी। फिलहाल अभी तक करीब 14 महीने से अधिक की देरी हो चुकी है। इसकी वजह से भारतीय वायु सेना की स्क्वाड्रन संख्या में कमी के बीच यह देरी हवाई युद्ध क्षमता पर गंभीर प्रभाव डाल सकती है।

तेजस एमके-2

तेजस एमके-2, एलसीए एमके-1ए का एडवांस एडीशन है। इस अधिक शक्तिशाली जीई एफ414 इंजन और बेहतर एवियोनिक्स के साथ डिजाइन किया गया है। इसका प्रोटोटाइप अभी तक तैयार नहीं हुआ है, जो डिजाइन और विकास में देरी का मुख्य कारण है। प्रोजेक्ट अभी प्रारंभिक डिजाइन और विकास चरण में है। प्रोटोटाइप का निर्माण शुरू नहीं हुआ है और उत्पादन शुरू होने में कई साल लग सकते हैं। इसके लिए कोई स्पष्ट समयसीमा नहीं दी गई थी। लेकिन एयर चीफमार्शल ने इसकी धीमी प्रगति पर निराशा जाहिर की है।

एएमसीए स्टील्थ फाइटर जेट

एएमसीए पांचवीं पीढ़ी का स्टील्थ फाइटर जेट है। इस मोदी सरकार की 'आत्मनिर्भर भारत' पहल के तहत तैयार किया जा रहा है। यह प्रोजेक्ट भारत की एडवांस हवाई युद्ध क्षमता के लिए महत्वपूर्ण है। प्रोटोटाइप का निर्माण अभी तक शुरू नहीं हुआ है। डिजाइन, तकनीकी विकास, और अंतरराष्ट्रीय सहयोग (जैसे इंजन आपूर्ति) में देरी प्रमुख कारण हैं। हाल ही में केंद्र ने एएमसीए के विकास के लिए योजना को मंजूरी दी है, लेकिन प्रोटोटाइप और उत्पादन अभी दूर की बात है। समयसीमा स्पष्ट नहीं है, लेकिन प्रोजेक्ट अपनी शुरुआती योजना से काफी पीछे है। वायुसेना प्रमुख ने कहा कि देरी के कारण वायु सेना की स्क्वाड्रन शक्ति 42 से घटकर करीब 30 तक पहुंच गई है। यह राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा है, खासकर जब पड़ोसी देश जैसे चीन अपनी सैन्य क्षमता बढ़ा रहे हैं। वायुसेना प्रमुख सिंह ने 'मेक इन इंडिया' पहल का समर्थन किया। उन्होंने कहा कि सेना और इंडस्ट्री के बीच बेहतर तालमेल और विश्वास की जरूरत है। लेकिन देरी इस पहल की विश्वसनीयता को प्रभावित कर रही है। वहीं तेजस एमके-1ए की डिलीवरी में हो रही देरी को लेकर रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह की अध्यक्षता में पांच सदस्यीय उच्च स्तरीय समिति का गठन हुआ है। यह समिति उत्पादन में अड़चनों की पहचान करेगी और समाधान बताएगी। वहीं, एचएएल के चेयरमैन डी.के.सुनील ने स्वीकार किया कि देरी हुई है। लेकिन उन्होंने इंडस्ट्री की सुस्ती के बजाय तकनीकी और सप्लाई चेन की समस्याओं का परिणाम बताया। उन्होंने कहा हैं कि सुचारू तौर पर इंजन सप्लाई होने पर डिलीवरी शुरू होगी।

सिक्किम में लगातार बारिश और भूस्खलन से रास्ते बंद करीब

1,500 पर्यटक फंसे

मंगन।

सिक्किम में लगातार बारिश और भूस्खलन के कारण मुख्य मार्ग के बाधित होने से उत्तर सिक्किम के विभिन्न हिस्सों में करीब 1,500 पर्यटक फंस गए। अधिकारियों ने इसकी जानकारी दी।

अधिकारियों ने बताया कि दूसरी ओर भारी बारिश के कारण लापता आठ पर्यटकों की तलाश में बाधा आई और तीस्ता नदी में जलस्तर बढ़ने के बाद अंततः तलाशी अभियान रोकना पड़ा है। मंगन जिले में तीस्ता नदी में एक वाहन के गिर जाने से एक व्यक्ति की मौत हो गई और दो अन्य घायल हो गए, जबकि आठ अन्य लापता हैं। लाचेन-लाचुंग राजमार्ग पर मुन्सिथांग के पास यह वाहन 1,000 फुट से अधिक गहराई में नदी में गिर गया था। मंगन के पुलिस अधीक्षक (एसपी) सोनम देचू भूटिया ने बताया कि लाचेन में 115 पर्यटक और लाचुंग में 1,350 पर्यटक फंसे हुए हैं। उन्होंने कहा, ''कई स्थानों पर भूस्खलन के कारण दोनों ओर से निकलने के रास्ते बंद है, इसलिए पर्यटकों को अपने होटलों में ही ठहरने की सलाह दी गई है और सड़कें पूरी तरह खुल जाने के बाद उन्हें स्थानांतरित कर दिया जाएगा।''

अधिकारियों ने बताया कि रविवार तक पेयजल आपूर्ति बहाल करने के प्रयास जारी हैं। उन्होंने बताया कि करीब 24 घंटे बाद अपराह्न लगभग तीन बजे मोबाइल नेटवर्क सेवाएं बहाल हो सकी।

पुलिस अधिकारी ने बताया कि क्षेत्र में बादल फटने से हुई भारी वर्षा के कारण तीस्ता नदी का जलस्तर बढ़ गया है। उन्होंने कहा, ''आज कोई पर्यटक परमिट जारी नहीं किया गया है और कल भी उत्तर सिक्किम जाने के लिए परमिट जारी नहीं किया जाएगा।''

ममता बनर्जी ने बंगाल को बनाया घुसपैठ, भ्रष्टाचार, स्त्रियों पर अत्याचार का केंद्र, हिंदुओं के साथ हुआ दुराचार : अमित शाह

कोलकाता।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को पश्चिम बंगाल की राजधानी कोलकाता में विजय संकल्प कार्यकर्ता सम्मेलन को संबोधित करते हुए ममता सरकार पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने तृणमूल कांग्रेस पर राज्य में भ्रष्टाचार, हिंसा और घुसपैठ को बढ़ावा देने का आरोप लगाया।

अमित शाह ने कहा कि वर्षों तक बंगाल ने हर क्षेत्र में देश का नेतृत्व किया है। कई वर्षों तक यहां कम्युनिस्टों का भी शासन रहा। उसके बाद ममता दीदी ने आकर इस भूमि को घुसपैठ, भ्रष्टाचार, अपराध और हिंदुओं पर अत्याचार का केंद्र बना दिया।

उन्होंने कहा कि वन्दे मातरम् के रचयिता महान बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय की इस भूमि ने वर्षों तक देश का मार्गदर्शन किया। ज्ञान, धर्म, स्वतंत्रता संग्राम समेत हर क्षेत्र में देश का नेतृत्व करने वाले बंगाल में कई साल तक कम्युनिस्टों का शासन रहा। उसके बाद मां, माटी, मानुष का नारा देकर सत्ता में आने वाली ममता बनर्जी ने महान बंग भूमि को आज घुसपैठ, भ्रष्टाचार, स्त्रियों पर अत्याचार, अपराध, बम धमाकों और हिंदुओं के साथ दुराचार का केंद्र बनाकर रख दिया है।

उन्होंने कहा कि बंगाल की इसी धरती पर चुनाव के दौरान और तृणमूल कांग्रेस के चुनाव जीतने के बाद भाजपा के अनेक कार्यकर्ताओं की हत्या की गई। पूरे देश में चुनाव के दौरान हिंसा खत्म हो गई होगी, लेकिन बंगाल में हिंसा जारी है।

केंद्रीय गृह मंत्री ने तृणमूल सुप्रीमो को चुनौती देते हुए कहा, दीदी, हिंसा करने वालों को आप कब तक बचाती रहेंगी? आपका समय पूरा हो गया है और 2026 में पश्चिम बंगाल में भाजपा की सरकार बनने जा रही है। पिछले 10 वर्षों में पश्चिम बंगाल सरकार को जारी किए गए 8,27,000 करोड़ रुपए यूपीए की तुलना में चार गुना अधिक हैं। हमारा फोकस प्रदेश का विकास है। हमें भरोसा है कि प्रदेश की जनता भारतीय जनता पार्टी को सेवा करने का अवसर जरूर देगी।

उन्होंने मुख्यमंत्री को ललकारते हुए कहा, हिम्मत हो तो बिना हिंसा के चुनाव कराकर देखिए, आपकी जमानत जब्त हो जाएगी। उन्होंने ममता बनर्जी पर ऑपरेशन सिंदूर का विरोध कर देश की करोड़ों माताओं-बहनों के साथ खिलवाड़ करने का आरोप लगाया और राज्य की महिलाओं से चुनाव में तृणमूल कांग्रेस को सिंदूर की कीमत समझा देने की अपील की।

अमित शाह ने ऑपरेशन सिंदूर की सफलता का जिक्र करते हुए कहा कि सेना ने पाकिस्तान में 100 किलोमीटर अंदर जाकर आतंकवादियों के मुख्यालयों पर हमला किया। इसमें कई आतंकवादी मारे गए, लेकिन लगता है कि ममता बनर्जी को इससे परेशानी हो रही है। उन्होंने ऑपरेशन का विरोध एक खेदजनक बयान के माध्यम से न केवल मिशन का विरोध किया, बल्कि देश की महिलाओं की भावनाओं का भी अनादर किया।

केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा कि बंगाल का चुनाव सिर्फ बंगाल के भविष्य को ही नहीं तय करता है, बल्कि यह देश की सुरक्षा से भी जुड़ा हुआ है। उन्होंने आरोप लगाया कि ममता बनर्जी ने अपना वोट बैंक बढ़ाने के लिए बंगाल की सीमाओं को बांग्लादेशियों के लिए खुला छोड़ दिया है। उनके आशीर्वाद से बंगाल में घुसपैठ हो रही है। उन्होंने कहा कि यह घुसपैठ सिर्फ भाजपा की सरकार रोक सकती है क्योंकि मुख्यमंत्री का ध्यान देश की सीमा की सुरक्षा से अधिक अपने भतीजे (अभिषेक बनर्जी) का भविष्य सुरक्षित करने पर है।

अमित शाह ने कहा कि विकास को बढ़ावा देने के अलावा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पश्चिम बंगाल की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। दशकों से पश्चिम बंगाल के लोग बंगाली को शास्त्रीय भाषा के रूप में मान्यता दिलाने की वकालत कर रहे थे। हालांकि ममता बनर्जी ने केंद्र सरकार का समर्थन किया, लेकिन वह बंगाली को लंबे समय से प्रतीक्षित मान्यता दिलाने में असमर्थ रहीं। हालांकि पीएम मोदी के नेतृत्व में बंगाली भाषा को अंततः शास्त्रीय भाषा का प्रतिष्ठित दर्जा दिया गया।

चार प्रमुख प्रवृत्तियों से आकार लेंगे भविष्य के युद्ध : सीडीएस जनरल अनिल चौहान

नई दिल्ली।

भारत के चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (सीडीएस) जनरल अनिल चौहान का कहना है कि भविष्य के युद्ध चार प्रमुख प्रवृत्तियों द्वारा आकार लेंगे। इनमें से एक है सभी क्षेत्रों में सेंसर्स का प्रसार। दूसरा- लंबी दूरी तक मार करने वाली हाइपरसोनिक और सटीक हथियार प्रणालियां। तीसरा, स्वायत्त प्रणालियों के साथ मानव-मानव रहित टीमिंग। चौथा है, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, मशीन लर्निंग और क्वांटम तकनीक द्वारा संचालित युद्धक्षेत्र की बुद्धिमत्ता।

चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (सीडीएस) जनरल अनिल चौहान ने यह जानकारी रविवार को सिंगापुर में दी। वह यहां आयोजित प्रतिष्ठित 'शांगरी-ला डायलॉग 2025' में 'भविष्य की चुनौतियों के लिए रक्षा नवाचार समाधान' विषय पर बोल रहे थे। इस कार्यक्रम में जनरल अनिल चौहान ने बदलते भू-राजनीतिक परिदृश्य और तेजी से हो रहे तकनीकी परिवर्तनों पर प्रकाश डाला।

उन्होंने कहा कि प्रौद्योगिकी के लोकतंत्रीकरण ने गैर-राज्य तत्वों (नॉन स्टेट एक्टर्स) को सशक्त किया है, जिससे प्रॉक्सी युद्धों और अस्थिरता को बढ़ावा मिला है। उन्होंने क्षमताओं के विकास के लिए अनुकूलनशीलता, नवाचार और आत्मनिर्भरता को मूलमंत्र बताया। भारत ने निजी उद्योगों के साथ सहयोग करते हुए एक संयुक्त रक्षा उत्पादन पारिस्थितिकी तंत्र विकसित किया है। उन्होंने

बताया कि भारत ने 'रणनीति-प्रेरित आधुनिकीकरण' को अपनाया है। इससे युद्धक प्रणालियां परिचालन आवश्यकताओं और स्थानीय परिस्थितियों के अनुरूप विकसित की जा सकें।

जनरल चौहान ने कहा कि वर्तमान में चल रहा परिवर्तन सिर्फ हथियारों तक सीमित नहीं है, बल्कि इसमें सिद्धांत, संगठनात्मक संस्कृति और मानव संसाधन का भी कायाकल्प शामिल है। उन्होंने कहा कि भारत की अनूठी भौगोलिक स्थिति, अनुभव और आकांक्षाएं इसके रक्षा दृष्टिकोण को आकार देती हैं। अपने संबोधन के अंत में, जनरल अनिल चौहान ने वैश्विक शांति और उत्तरदायी नवाचार के प्रति भारत की प्रतिबद्धता को दोहराया।

उन्होंने 'शांगरी-ला डायलॉग 2025' को वैश्विक स्थिरता हेतु संवाद और सहयोग को बढ़ावा देने वाला एक महत्वपूर्ण मंच बताया। 'शांगरी-ला डायलॉग 2025' के दौरान भारत और फिलीपींस के रक्षा प्रमुखों के बीच द्विपक्षीय वार्ता भी हुई।

खाने की आजादी का मतलब ये कतई नहीं की आप गौमाता को काट-काट कर खाएं: अविमुक्तेश्वरानंद

वाराणसी।

दिल्ली में एक दुकान पर गौमांस मिलने की घटना पर ज्योतिषपीठ के शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती महाराज ने अपनी प्रतिक्रिया देकर निंदनीय बताया है। उन्होंने कहा गौमाता का मांस दिल्ली में दुकानों पर बिकता हुआ लोगों को मिल रहा है और जब लोग इसके खिलाफ आवाज उठाते है, तब कुछ लोगों के लोग कह रहे है कि अन्याय हो रहा है। उन्होंने कहा ये बिल्कुल गलत बात है गौमाता हम हिंदुओं की आस्था का केंद्र हैं, वहां किसी का भोजन नहीं हो सकती। शंकराचार्य ने कहा कि भोजन की आजादी का मतलब ये नहीं है कि किसी की आस्था जिससे जुड़ी हुई हो आप उस गौमाता को काट काट कर खाने लगे। जब देश में वामपंथी अपनी विचारधारा को प्रकट करने के लिए आगे आ सकते हैं, तब सनातनी

हिंदू और गौमाता के भक्त क्यों चुप बैठे हैं? उन्हें भी आगे आकर बता देना चाहिए कि अब हम गौ माता को बोटी बोटी कटते हुए देखने को तैयार नहीं । उन्होंने दिल्ली और केंद्र सरकार से अपील कर कहा कि सरकारों को भी आगे आना चाहिए और गौ भक्तों की भावनाओं का संरक्षण करना चाहिए अन्यथा पीड़ा गहराती जाएगी जिसका कुफल ही होगा सुफल नहीं होगा।

पाक से 10 बिलियन, तो भारत से 130 बिलियन डॉलर का कारोबार कर रहा यूएस, फिर भी...

नई दिल्ली।

पाकिस्तान और अमेरिका के बीच करीब 10 बिलियन डॉलर का कोराबार होता है। इसमें से भी पाकिस्तान को यहां करीब 5 अरब डॉलर का ट्रेड सरप्लस है। ट्रंप ने पहले पाकिस्तान पर 29 प्रतिशत तक का भारी टैरिफ ठोंकने का चेतावनी दे चुके हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि पाकिस्तान के प्रतिनिधि अगले सप्ताह अमेरिका पहुंच रहे हैं ताकि दोनों देशों के बीच टैरिफ पर समझौता किया जा सके। बता दें कि यह वहीं पाकिस्तान है, जिसे दुनिया भर में आतंकवाद को पनाह देने वाले देश के तौर पर देखा जाता है। दूसरी तरफ भारत है, जो अमेरिका का रणनीतिक, आर्थिक और लोकतांत्रिक साझेदार है। दोनों देशों के बीच व्यापार का आंकड़ा 130 बिलियन डॉलर तक पहुंच चुका है, जबकि पाकिस्तान के साथ यह महज 10 बिलियन डॉलर के आसपास है। फिर भी ट्रंप की पाकिस्तान को लेकर 'नरमी' कई सवाल खड़े कर रही है।

दरअसल ट्रंप ने पत्रकारों से बातचीत करते हुए कहा, पाकिस्तान के प्रतिनिधि अगले सप्ताह आ रहे हैं। और भारत के साथ, जैसा कि आप जानते हैं, हम एक डील के बेहद करीब हैं। उन्होंने यह भी कहा कि अगर पाकिस्तान और भारत युद्ध के रास्ते पर चलते, तो वे किसी भी समझौते में दिलचस्पी नहीं रखते। ट्रंप ने दावा किया कि उनके कार्यकाल की सबसे बड़ी उपलब्धि यह थी कि उन्होंने भारत और पाकिस्तान के बीच संभावित परमाणु युद्ध को टैरिफ डील के जरिये रोका, न कि गोलियों से। ट्रंप ने कहा, 'हमने व्यापार के जरिये इस संघर्ष को टाला। आमतौर पर ये देश गोलियों के जरिये लड़ते हैं, लेकिन हमने व्यापार के जरिये सुलह कराई।

भारतीय वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने हाल ही में वॉशिंगटन का दौरा किया है। इस दौरान भारत और अमेरिका के बीच व्यापार समझौते पर बातचीत को अंतिम रूप देने की कोशिशें हुईं। उम्मीद है कि जुलाई की शुरुआत तक दोनों देश किसी समझौते पर हस्ताक्षर कर सकते हैं। इन तमाम तथ्यों के बावजूद ट्रंप का पाकिस्तान के प्रति उदार रुख भारत में कई लोगों को चौंका रहा है। जिस देश पर अंतरराष्ट्रीय मंचों पर आतंकवाद के खुले समर्थन के आरोप लगते रहे हैं, उसके साथ व्यापार समझौते की संभावनाएं जताना, अमेरिका की प्राथमिकताओं पर सवाल खड़े करता है। तो क्या यह सब सिर्फ कूटनीतिक संतुलन साधने की रणनीति है? या फिर ट्रंप का यह रवैया उनके व्यापारिक नजरिए से जुड़ा है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

रामसेतु राष्ट्रीय धरोहर स्मारक घोषित हो

(लेखक- संजय गोस्वामी)

इसरो के जोधपुर और हैदराबाद राष्ट्रीय अनुसंधान संस्थानों के वैज्ञानिकों ने रामेश्वरम द्वीप और रामसेतु के निर्माण का श्रेय प्राकृतिक भूवैज्ञानिक प्रक्रियाओं को दिया है, जिसमें टेक्टोनिक गतिविधि, वायु क्षरण और समुद्री क्रियाएं शामिल हैं। पैलियोग्राफिक साक्ष्य संकेत देते हैं कि लगभग 6,000 से 7,000 साल पहले, पंबन के पास समुद्र का स्तर अपने वर्तमान स्तर से लगभग 17 मीटर नीचे था; लगभग 10,000 साल पहले, यह लगभग 60 मीटर कम था; और लगभग 20,000 साल पहले अंतिम हिमनद के दौरान, समुद्र का स्तर वर्तमान स्तरों से लगभग 120 मीटर नीचे था। इस सिद्धांत के अनुसार कि रामसेतु प्राकृतिक रूप से बलुआ पत्थर, चूना पत्थर और मिट्टी के अवसादन से उत्पन्न हुआ था, भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) का मानना था कि धनुषकोडी और थलाइमन्नार 2003 में, इसरो के समुद्री और जल संसाधन समूह ने भारतीय रिमोट सेंसिंग उपग्रहों के डेटा का विश्लेषण किया - विशेष रूप से, आईआरएस-पी4 (अप्रैल 2002) से महासागर रंग मॉनिटर डेटा और आईआरएस-1डी (मार्च-मई 2000) से लिस-III डेटा - यह जांचने के लिए कि क्या राम सेतु मानव निर्मित था या प्राकृतिक कोरलीन संरचना थी। यह परिकल्पना की गई थी कि 103 छोटे, रैखिक पैच रीफ से बना यह पुल कार्बनिक कोरलीन जमा को ओवरले करता है। इसका रैखिक आकार बताता है कि भारतीय प्रायद्वीप कभी श्रीलंका से जुड़ा था। हालांकि, नासा की छवियों की वैकल्पिक व्याख्याओं ने राजनीतिक और धार्मिक दृष्टिकोण पेश किए, कुछ लोगों ने अनुमान लगाया कि राम सेतु कृत्रिम रूप से बनाया गया था नासा के अधिकारी मार्क हेस ने कहा कि द्वीपों की श्रृंखला की उत्पत्ति या आयु के बारे में कोई प्रत्यक्ष जानकारी नहीं है, न ही यह कि उनके निर्माण में मनुष्यों की कोई भूमिका थी। नल और नील दोनों रामायण काल के बड़े इंजीनियर थे. उन्होंने जांच मुआयना और सर्वे के बाद समुद्र पर पत्थर बिछाकर ये पुल बांधा था राम सेतु निर्माण में हनुमान ने नल और नील को हर पत्थर पर राम का नाम लिखने में मदद की, ताकि पत्थर आपस में चिपक जाएं और पुल मजबूत रहे. रावण की हार और राम की वानर सेना से जुड़े युद्ध के समापन के बाद, उन्होंने क्या किया? अगर पूछा जाए कि समुद्र पर देश का पहला बड़ा पुल किसने बनाया, तो सबूतों के आधार पर जवाब होगा राम सेतु। अगर वानर सेना के दो इंजीनियर वानरों नल और नील ने रामसेतु नहीं बनाया होता है तो श्रीराम के लिए अपनी सेना को लंका तक पहुंचाना मुश्किल हो जाता. भारतीय न्यायालयों में दायर याचिकाओं के हिस्से के रूप में प्रस्तुत की गई छवियों ने यह सुझाव देते हुए सबूत प्रदान किए कि राम सेतु न केवल एक मानव निर्मित संरचना से बनाया गया है, बल्कि यह लगभग 1.75 मिलियन वर्ष पुराना है, जो कि त्रेता युग में भगवान राम के काल (भारतीय पौराणिक कथाओं के अनुसार) के दौरान हुआ था।यह कोई छोटी संरचना नहीं थी; यह कई किलोमीटर तक फैली हुई थी। हालाँकि उस समय औपचारिक रूप से इंजीनियरिंग नहीं पढ़ाई जाती थी, लेकिन नल और नील ने यह कारनामा कर दिखाया। सैटेलाइट इमेज, वैज्ञानिक अध्ययन और चल रही जांच सभी रामेश्वरम से श्रीलंका तक फैले एक पुल के अस्तित्व का समर्थन करते हैं, जिसमें समुद्र के नीचे पत्थरों की एक स्पष्ट रेखा दिखाई देती है। यह समय-सीमा होमो सेपियंस की उत्पत्ति के साथ मेल नहीं खाती है, जो लगभग 200,000 साल पहले विकसित हुई थी, न ही लगभग 100,000 साल पहले भारतीय उपमहाद्वीप पर पहली बस्तियों के साथ। कई द्वीप श्रृंखलाएँ और समुद्री पहाड़ियाँ - जैसे कि फिलीपींस और जापान में सबडक्शन-ज़ोन ज्वालामुखी के परिणामस्वरूप, हवाई द्वीप लिथोस्फेरिक आंदोलन के कारण, आइसलैंडिक मध्य-महासागर लकीरें, सेंट हेलेना के पास परिवर्तन दोष, और कैरिबियन और लैटिन अमेरिका में समुद्री अवसादन - भूवैज्ञानिक इतिहास में सामान्य विशेषताएं हैं। इनमें से कई समुद्री संरचनाएँ बेसाल्टिक हैं, जो आग्नेय गतिविधि के ठंडा होने से बनी हैं। इसके विपरीत, राम सेतु में किसी भी ज्ञात आग्नेय या ज्वालामुखीय आधार का अभाव प्रतीत होता है। मद्रास विश्वविद्यालय में प्राकृतिक खतरों और आपदा अध्ययन केंद्र के वी. राम मोहन के अनुसार, पुल के लिए भूवैज्ञानिक स्पष्टीकरण परिस्थितिजन्य साक्ष्य पर आधारित हैं, प्रचलित सिद्धांत यह है कि बढ़ी हुई तलछट या समुद्र तल सहसंबंध सबसे प्रशंसनीय स्पष्टीकरण प्रदान करता है। मद्रास विश्वविद्यालय के कुलपति एस. रामचंद्रन ने उल्लेख किया कि राम सेतु में देखी गई गतिशील तलछट प्रक्रियाएँ अटलांटिक तट के साथ आम हैं। इसके अलावा, प्रसिद्ध भूविज्ञानी एन. रामानुजम ने बताया कि पुल का निर्माण भारतीय प्लेट के अपने दक्षिणी क्षेत्रों से अलग होने, यूरेशियन भूभाग से टकराने और उसके बाद टेक्टोनिक गतिविधि और तलछट के कारण हुआ - जिसका एक परिणाम कावेरी बेसिन है। इस प्रक्रिया के कारण रिज संरचनाओं का विकास हुआ, जिसके बाद कोरल और एटोल संरचनाएँ बनीं, जिसने धनुषकोडी और थलाइमन्नार स्पिट्स से जमा को आकर्षित किया, जिससे राम सेतु के लघु द्वीपों जैसे पनडुब्बी शोल का निर्माण हुआ। यह जटिल विद्वत्तापूर्ण व्याख्या भारतीय जनता के लिए काफी पेचीदा थी। 2007 की शुरुआत में, भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) के समर्थन से, भारत सरकार ने सर्वोच्च न्यायालय में एक हलफनामा प्रस्तुत किया जिसमें कहा गया कि रामसेतु अंततः ज्वार की क्रिया और अवसादन के परिणामस्वरूप एक प्राकृतिक संरचना थी। कोरल की उपस्थिति के आधार पर, एएसआई ने तर्क दिया कि संरचना मानव निर्मित नहीं थी और इसलिए, इसे ऐतिहासिक या पुरातात्विक स्मारक के रूप में वर्गीकृत नहीं किया जा सकता है। नतीजतन, इस प्राचीन संरचना को चटर्जी-एडम ब्रिज विनियमों के तहत एक स्मारक के रूप में संरक्षण के लिए अयोग्य माना गया हालांकि, सितंबर में सरकार ने न्यायालय से हलफनामा वापस ले लिया। संस्कृति मंत्रालय ने हलफनामे में कम से कम तीन खंडों को हटाने का सुझाव दिया था, जिन्हें पवित्र हिंदू मान्यताओं के विपरीत माना जा सकता था; लेकिन हलफनामे को प्रस्तुत किए जाने से पहले उनमें से केवल दो को हटाया गया। हटाए नहीं गए खंडों में से एक रामायण की ऐतिहासिकता की कमी से संबंधित था, जिसने जल्द ही विवाद को जन्म दे दिया। संस्कृति मंत्री ने इस मामले पर अपना इस्तीफा दे दिया, जबकि वाणिज्य मंत्री, जो उसी राजनीतिक गुट से हैं, ने कहा कि यदि वे संबंधित विभाग के प्रमुख होते तो वे भी इस्तीफा दे देते। हिंदू मुन्नानी नामक एक धार्मिक समूह सेतुसमुद्रम परियोजना के विरोध में रामसेतु को राष्ट्रीय पुरातात्विक धरोहर के रूप में सूचीबद्ध करने की मांग कर रहा है। 2007 में, मद्रास उच्च न्यायालय ने हिंदू मुन्नानी द्वारा दायर तीन याचिकाओं को सर्वोच्च न्यायालय में स्थानांतरित कर दिया, जिसके परिणामस्वरूप सेतुसमुद्रम परियोजना को स्थगित कर दिया गया। भारतीय पुरातत्व संस्थान (एएसआई), विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय के रूप में, वैज्ञानिक तरीकों की वकालत करता है और पौराणिक मान्यताओं से खुद को दूर रखता है। इसने तर्क दिया कि वाल्मीकि रामायण, तुलसीदास की रामायण और अन्य पौराणिक ग्रंथ निस्संदेह भारतीय साहित्य का एक प्राचीन हिस्सा हैं, लेकिन उन्हें ऐतिहासिक अभिलेख नहीं कहा जा सकता है जो निर्विवाद रूप से पात्रों के अस्तित्व या उनमें घटनाओं की घटना को साबित करते हैं। हालांकि, लीग के सदस्यों और समर्थकों के विरोध के सामने, सरकार ने भगवान राम की धार्मिक ऐतिहासिकता और हिंदू धर्म में उनके महत्व को कायम रखते हुए समझौता करने की कोशिश की। हलफनामा तैयार करने वाले भारतीय सामाजिक अनुसंधान संस्थान के दो सदस्यों को सुप्रीम कोर्ट से वापस लेने के बाद निलंबित कर दिया गया था। धर्मनिरपेक्ष टिप्पणीकार प्रफुल बिदवई उन कई लोगों में से एक थे जिन्होंने सरकार की आलोचना की थी कि यह दृष्टिकोण स्वीकार करना कि आस्था को हमेशा इतिहास, पुरातत्व और यहां तक कि भूविज्ञान पर हावी होना चाहिए - जो एडम ब्रिज जैसी प्राकृतिक संरचनाओं के अस्तित्व की व्याख्या करता है - और यह स्वीकार करना कि परियोजना को तथ्यों के बजाय मिथकों और शास्त्रों के कारण रद्द कर दिया जाना चाहिए। दिसंबर 2008 में, इमेजेस ऑफ इंडिया नामक एक सरकारी प्रकाशन संसद में पेश किया गया था। भारत की राष्ट्रीय सुदूर संवेदन एजेंसी द्वारा प्रकाशित, भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन के अध्यक्ष जी. माधवन नायर की प्रस्तावना के साथ, यह पुस्तक एक अलग दृष्टिकोण प्रस्तुत करती है, जो पिछली ज्ञान-मीमांसा संबंधी विनम्रता को पलटते हुए मौन रूप से इस दावे का समर्थन करती है कि पुल मानव निर्मित हो सकता है।जिसकी प्रतिध्वनि प्राचीन भारतीय पौराणिक महाकाव्य, रामायण में है वाक्यांश महाकाव्य से संबंध दर्शाता है। जब शोध चल रहा था, एक पुस्तक ने दावा किया कि पुल को भारतीय पौराणिक कथाओं से जुड़े प्राचीन इतिहास के उदाहरण के रूप में देखा जाता है । इसके बाद, भाजपा प्रवक्ता प्रकाश जावड़ेकर (बाद में पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्री नियुक्त) ने कहा कि विज्ञान ने कांग्रेस की राजनीति पर विजय प्राप्त की है, और सरकार अब केवल भगवान राम को ही नहीं बल्कि राम सेतु को भी स्वीकार करने के लिए मजबूर है। विवाद पर बाद में टिप्पणी करने वाली निवेदिता मेनन ने इस बात पर प्रकाश डाला कि जबकि भारतीय राज्य लगातार धर्मनिरपेक्षता का हवाला देकर धार्मिक आस्था को वैज्ञानिक तथ्यों के खिलाफ खड़ा करता है, हिंदू दक्षिणपंथी वास्तव में इस बात पर जोर दे रहे थे कि संरचना मानव निर्मित थी और इसलिए ऐतिहासिक साक्ष्य के अधीन थी, ठीक इसलिए क्योंकि यह पौराणिक नहीं थी; यह प्राकृतिक नहीं है, भगवान द्वारा बनाई गई है। धार्मिक प्रदर्शनकारियों और धर्मनिरपेक्षतावादियों दोनों के लिए, मोक्ष विज्ञान पर निर्भर प्रतीत होता था। जबकि भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) ने कहा कि रामायण राम सेतु के प्रमाण के रूप में काम नहीं करती है, भाजपा भगवान के पदचिन्हों पर चलती रही, कभी-कभी विज्ञान का हवाला देती रही, और सरकार ने भी देवता के नाम का जप किया। इस बीच, वैज्ञानिकों और तर्कवादियों के एक नए समूह ने तमिलनाडु तट पर पारिस्थितिक आपदा की आशंका जताते हुए सेतुसमुद्रम परियोजना का विरोध करना शुरू कर दिया। सेतुसमुद्रम और चूना पत्थर के टीलों को ध्वस्त करने के कुछ मुखर समर्थक भी पारिस्थितिक आधार पर परियोजना के खिलाफ चेतावनी दी । एडम्स ब्रिज 2004 की सुनामी के प्रकोप को रोकने के लिए एक किले के रूप में काम कर सकता था, जिसने दक्षिण और दक्षिण पूर्व एशिया के बड़े हिस्से को तबाह कर दिया था। हालाँकि इस समूह ने पुल की पवित्र पौराणिक कथाओं को बड़े पैमाने पर खारिज कर दिया, इसे एक प्राकृतिक संरचना के रूप में देखा और पारिस्थितिक विचारों पर जोर दिया, इस दृष्टिकोण ने पुल के धार्मिक और धर्मनिरपेक्ष दोनों दृष्टिकोणों को प्रभावित किया, जैसा कि अप्रैल 2008 में सुप्रीम कोर्ट के फैसले में परिलक्षित होता है। सेतुसमुद्रम का विरोध करने वाले धार्मिक प्रदर्शनकारियों से अदालत के सवालों ने पुल की पवित्र स्थिति को स्वीकार करने या अस्वीकार करने की जटिलता को उजागर किया। पीठ ने पूछा, समुद्र के बीच में कौन पूजा करता है? इसका तात्पर्य यह है कि यदि यह कभी साबित हो गया - या हो सकता है - कि पुल अनुष्ठानों के लिए इस्तेमाल की जाने वाली एक पवित्र भूमि थी, तो यह रामायण की ऐतिहासिकता के प्रमाण के रूप में भी काम कर सकता है।

संपादकीय

दुखद घटना

हरियाणा के पंचकूला में उत्तराखंड से आए एक परिवार की सामूहिक आत्महत्या ने हर संवेदनशील व्यक्ति को गहरे तक झकझोर कर रख दिया। एक कार में नाकाम बेटे ने मां-बाप,पत्नी, दो किशोर बेटियों व एक बेटे के साथ जहर खाकर आत्महत्या कर ली। पूरे परिवार के खत्म होने के बाद कुछ समय के लिए जीवित बचे व्यक्ति ने चश्मदीद को बताया कि वह कर्ज में डूब गया था, कोई रास्ता नजर न आता देख सामूहिक आत्महत्या का निर्णय लिया। पुलिस के पहुंचने व चिकित्सीय प्रयासों के बावजूद परिवार में किसी व्यक्ति को बचाया नहीं जा सका। निश्चय ही यह दुखद घटना हर इंसान को उद्वेलित करती है। लेकिन यह भयावह घटना तमाम सवालों को जन्म देती है। आखिर इंसान कैसे सोच लेता है कि आत्महत्या कर लेना संकट का अंतिम समाधान है? जब व्यक्ति में जोखिम से उपजे संकट से जूझने का सामर्थ्य नहीं है तो भारी कर्जा उठाना कितना तार्किक है? महत्वपूर्ण सवाल यह भी कर्ज से हारे व्यक्ति को ये अधिकार किसने दे दिया कि वो अपने साथ दो पीढ़ियों को सदा के लिये खत्म कर दे? कैसे कोई व्यक्ति अपनी नाकामी की सजा मां-बाप, पत्नी व बच्चों को दे सकता है? यह कल्पना करनी भी भयावह है कि अपना अधिकांश जीवन जी चुके मां-बाप, तीन बच्चों को जन्म देने वाली मां तथा सुखी भविष्य की कल्पना के साथ जीवन की पारी की शुरूआत करने वाले बच्चों ने जहर खाना सहज स्वीकारा होगा। यदि उन्हें यह जहर बिना बताए भी दिया गया होगा तो भी जहर की पीड़ा ने उन्हें तड़फाया भी होगा। अकसर ऐसे मामलों में पूरे परिवार को मौत की राह में ले जाने वाले आत्मघाती व्यक्ति के मन में यह भय भी होता है कि उसके जाने के बाद उसके परिवार का क्या होगा? कहीं उसके लिये कर्ज की सजा परिवार को तो नहीं मिलेगी? निस्संदेह, एक परिवार का यूं जहर खाकर आत्महत्या करना हमारी सामाजिक व्यवस्था में आई विद्रूपताओं की ओर इशारा करता है। जिस भी बैंक या व्यक्ति से आत्महत्या करने वाले परिवार के मुखिया ने कर्ज लिया था, निश्चय ही वहां से उसे किसी भी तरह की राहत की उम्मीद नजर नहीं आई होगी। लेकिन सवाल उठता है कि क्या उसे अपने मित्रों व रिश्तेदारों से भी किसी राहत की उम्मीद नहीं थी? कहा जाता है कि पड़ोसी व मित्र ही संकट के समय में मददगार होते हैं। तो क्या माना जाना चाहिए कि आज हमारे रिश्ते महज दिखावे के रह गए हैं? आखिर विवाह समारोह समेत तमाम अवसरों पर जुटने वाली लोगों की भीड़ केवल महज खाने-पीने तक की ही दोस्त होती है? क्या नैतिक दायित्व नहीं बनता कि संकट में फंसे व्यक्ति के नाते रिश्तेदार या मित्र मदद करें? बहरहाल, गत सोमवार को घटी घटना के सभी तथ्य सामने आने में अभी वक्त लगेगा और घटनाक्रम से जुड़ी अन्य जानकारियां भी सामने आएंगी। लेकिन यह एक हकीकत है कि एक कर्ज से हारा हंसता-खेलता परिवार हमेशा-हमेशा के लिये चिरनिद्रा में सो गया है। लेकिन यह दुखांत हमें कई सबक दे गया है। पहला तो यही कि हमें कर्ज उसी सीमा तक लेना चाहिए, जिस सीमा तक हम चुकाने की सामर्थ्य रख सकें। कोई भी जोखिम यदि हम व्यापार में उठाएं तो उसके तमाम नकारात्मक पहलुओं पर जरूरी विचार करें। उसके बुरे से बुरे परिणाम के बारे में आकलन करें। दूसरा सबक यह है कि हमारे सामने संकट कितना भी बड़ा क्यों न हो, हमें हार नहीं माननी चाहिए। यह भी कि खुद व परिवार को मौत के मुंह में धकेलना किसी समस्या का समाधान नहीं है। आज की पीढ़ी जल्दी मोटा मुनाफा कमाने की होड़ में बड़े कर्ज लेकर दांव तो खेलती है,लेकिन जरूरी नहीं हर जोखिम लाभदायक ही साबित हो।

बढ़ती आबादी को ताकत बनाने की जरूरत

मोहन गुरुस्वामी

उन्नत देशों की बुजुर्ग आबादी के अनुभवों के आधार पर हम यह अनुमान लगा सकते हैं कि वृद्धों की बढ़ती संख्या के लिए हमें कराधान, सामाजिक सुरक्षा और स्वास्थ्य देखभाल संबंधित अपनी नीतियों में समुचित योजनाएं बनाने की आवश्यकता पड़ेगी। वृद्धों की संभाल पर खर्चा अधिक होता है। चिंता की बात है कि देश में जनसंख्या की विशालता से मिलने वाला लाभ कहीं आबादी से बना दुःस्वप्न बनकर न रह जाए। लंबे समय से जनसंख्या के आंकड़ों के हिसाब से मिलने वाले फायदे-नुकसानों के बारे में बोलता-लिखता आया हूं। राजनेता और उनके दलाल यह जाने बिना कि शब्दों का अर्थ क्या है, इसको लपक कर दोहराने लगते हैं। चुनौतियां हमारे सामने हैं। वह भारत, जिसकी जनसंख्या 134 करोड़ है, अब विश्व में सबसे अधिक आबादी वाला राष्ट्र है। लेकिन भारत हमेशा इतना बड़ा नहीं था, जितना कि आज है, चाहे यह जनसंख्या हो या अर्थव्यवस्था। वर्ष 1921, जिसे 'विभाजन का बड़ा साल' कहा जाता है, भारत के जनसांख्यिकीय इतिहास में सबसे महत्वपूर्ण माना जाता है। इस साल मृत्यु दर में काफी गिरावट आई और जनसंख्या वृद्धि की दर अपेक्षाकृत स्थिर रहने वाली लीक से हटकर तेजी से बढ़ने होने की शुरुआत हुई। वर्ष 1801-1921 के बीच जनसंख्या वृद्धि की रफ्तार काफी धीमी रही, लगभग 20 करोड़ से 22 करोड़ होना। लेकिन 1921 के बाद से हमारी जनसंख्या बढ़ोतरी वास्तव में आज आकाश को छूने की कगार पर है। जनसंख्या में वृद्धि 1981 में 2.22 प्रतिशत की उच्चतम दर को छू गई थी, उसके बाद से बढ़ोतरी दर घटने की ओर है। एक सदी की अवधि के अंदर, भारत की जनसंख्या में छह गुना इजाफा हुआ। अनुमान बताते हैं कि भारत में पिछले सौ वर्षों में लगभग 200 मिलियन लोग जुड़े और वर्तमान सदी के मध्य तक 200 मिलियन और लोग जुड़ने की उम्मीद है। भिन्न अनुमानों का मध्य आंकड़ा बताता है कि वर्ष 2005-50 के बीच, भारत की जनसंख्या में लगभग 45 प्रतिशत की बढ़ोतरी होगी। वृद्ध जनसंख्या (65 वर्ष से अधिक उम्र वाले) का अनुपात 2050 में 5 प्रतिशत से बढ़कर 14.5 प्रतिशत हो जाएगा, संख्या के मुताबिक कहें तो इनकी गिनती 5.7 करोड़ से बढ़कर 24 करोड़ हो जाएगी। उन्नत देशों की बुजुर्ग आबादी के अनुभवों के आधार पर हम यह अनुमान लगा सकते हैं कि वृद्धों की बढ़ती संख्या के लिए हमें कराधान, सामाजिक सुरक्षा और स्वास्थ्य देखभाल संबंधित अपनी नीतियों में समुचित योजनाएं बनाने की आवश्यकता पड़ेगी। वृद्धों की संभाल पर खर्चा अधिक होता है। चिंता का एक अन्य बड़ा पहलू है बढ़ता जनसंख्या घनत्व। अनुमान है कि जहां यह 2005 में 345 व्यक्ति प्रति वर्ग किलोमीटर था, 2050 में बढ़कर 504 प्रति वर्ग किलोमीटर हो जाएगा। बढ़ते शहरीकरण के चलन के साथ इसे जोड़कर देखने पर, आने वाले सालों में समस्याओं में इजाफे का संकेत मिलता है। साल 2000 में, कुल आबादी का केवल 28.7 प्रतिशत या लगभग 30 करोड़ लोग शहरी क्षेत्रों में बसे हुए थे; अब अनुमान है कि 2030 तक यह संख्या कुल आबादी की 40.7 प्रतिशत या लगभग 60 करोड़ हो जाएगी। इस भारी वृद्धि में विशेष रूप से मध्यम और कामकाजी वर्ग की बढ़ती आर्थिक शक्ति की भूमिका है। इसके मद्देनजर, पर्याप्त रूप से उन्नत आवास एवं शहरी बुनियादी ढांचा, मसलन, जल, सीवरेज, जन सुविधाएं, तीव्र गति परिवहन, यातायात प्रबंधन एवं पार्किंग, ऊर्जा और दूध एवं दुग्ध उत्पाद, प्रसंस्कृत खाद्य व बागवानी उत्पाद जैसे भोज्य पदार्थों की अधिक खपत और उनके कुशल वितरण के लिए प्रावधान करने की आवश्यकता पड़ेगी। अनुमान है कि 15-64 वर्ष आयु वर्ग की गिनती जो कि 2005 में कुल आबादी का 62 प्रतिशत थी, 2050 में बढ़कर लगभग 67.3 प्रतिशत हो जाएगी, संख्या के हिसाब से कहें, तो 70 करोड़ से 112 करोड़ होना। फिलहाल भारत में हर साल कामकाजी वर्ग में 1 करोड़ 20 लाख लोग जुड़ रहे हैं। इस आयु वर्ग में वृद्धि 2030 तक तेज रहेगी, जिसके बाद से इसमें शुरू हुई गिरावट इस स्तर पर पहुंच जाएगी कि 2045-50 के बीच शायद ही कोई वृद्धि हो, जो कि 15-64 जनसंख्या समूह की संख्या में स्थिरीकरण और उसके बाद से इसके बढ़ाते जाने का संकेत है।

यह चक्र प्राकृतिक है क्योंकि जनसंख्या वृद्धि में ठहराव आता रहता है। अगले तीन दशकों की तात्कालिक चुनौती है, पहले करोड़ों नौकरियों का सृजन करना और फिर श्रमिकों की उपलब्धता में तेज गिरावट से निपटना। जैसा कि हाल-फिलहाल चीन को अनुभव करना पड़ रहा है। जनसांख्यिकीय परिभाषा में जनसंख्या स्थिरीकरण का अर्थ है एक निश्चित समयावधि में जन्म और मृत्यु दर एक समान रहना। अधिक बारीकी से कहें तो, यदि किसी आबादी की प्रजनन दर 2.1 हो जाए, तो उसे जनसंख्या स्थिर होने की संज्ञा दी जाती है। एनपीपी 2000 में परिकल्पना की गई थी कि वर्ष 2045 तक भारत को जनसंख्या स्थिरीकरण बनाना पड़ेगा। यह लक्ष्य इस धारणा पर आधारित है कि देश को वर्ष 2010 तक जनसंख्या का प्रतिस्थापन स्तर टीएफआर 2.1 तक ले आना चाहिए था। हम यह पाने में चूक गए। हालांकि टीएफआर के हालिया आंकड़े 2045 तक भी इस लक्ष्य की प्राप्ति न हो पाने का संकेत दे रहे हैं। स्वास्थ्य मंत्रालय अब जनसंख्या स्थिरीकरण पाने के वास्ते वर्ष 2060 को एक संभावित लक्ष्य के रूप में देखने लगा है। यहां पर यह उल्लेख करना उचित होगा कि जनसंख्या स्थिरीकरण, प्रतिस्थापन प्रजनन क्षमता (यानी जितने मरें, उतने पैदा हों) बनने के बहुत बाद जाकर बनता है। वर्ष 1996 में योजना आयोग द्वारा गठित 'जनसंख्या पर तकनीकी समिति' द्वारा किए गए एक अध्ययन में अनुमान लगाया गया था कि भारत 2026 तक प्रतिस्थापन स्तर की प्रजनन दर प्राप्त कर पाएगा। लेकिन, हिंदी भाषी राज्यों में यह बिहार में 2039 तक, राजस्थान 2048 तक, मध्य प्रदेश 2060 से आगे और उत्तर प्रदेश में 2100 के बाद ही संभव होगा। हमें 2060 या 2070 से पहले राष्ट्रीय जनसंख्या स्थिरीकरण पाने की उम्मीद नहीं करनी चाहिए। ये क्षेत्रीय असमानताएं इन राज्यों में अनुमानित जनसंख्या में खतरनाक वृद्धि के रूप में फलीभूत होंगी। 1991-2050 के दौरान भारत की जनसंख्या में होने वाली 77.3 करोड़ की वृद्धि में अकेले उत्तर प्रदेश का हिस्सा 19.8 करोड़ रहेगा।

(चिंतन-मनन)

विनम्रता का पाठ

चिंतन मनन

पंडित विद्याभूषण बहुत बड़े विद्वान थे। दूर-दूर तक उनकी चर्चा होती थी। उनके पड़ोस में एक अशिक्षित व्यक्ति रहते थे-रामसेवक। वे अत्यंत सज्जन थे और लोगों की खूब मदद किया करते थे। पंडित जी रामसेवक को ज्यादा महत्व नहीं देते थे और उनसे दूर ही रहते थे। एक दिन पंडित जी अपने घर के बाहर टहल रहे थे। तभी एक राहगीर उधर आया और मोहल्ले के एक दुकानदार से पूछने लगा-भाई यह बताओ कि पंडित विद्याभूषण जी का मकान कौन सा है। यह सुनकर पंडित जी की उत्सुकता बढ़ी। वह सोचने लगे कि आखिर यह कौन है जो उनके घर का पता पूछ रहा है। तभी दुकानदार ने उस राहगीर से कहा-मुझे तो किसी पंडित जी के बारे में नहीं मालूम। तब राहगीर ने कहा-क्या रामसेवक जी का घर जानते हो?

दुकानदार ने हंसकर कहा-अरे भाई उन्हें कौन नहीं जानता। वे बड़े भले आदमी हैं। फिर उसने हाथ दिखाकर कहा- वो रहा रामसेवक जी का घर। फिर दुकानदार ने राहगीर से सवाल किया-लेकिन आपको काम किससे है? पंडित जी से या रामसेवक जी से? राहगीर कहने लगा-भाई काम तो मुझे रामसेवक जी से है। पर उन्होंने ही बताया था कि उनका मकान पंडित विद्याभूषण जी के पास है। यह सुनकर पंडित जी ग्लानि से भर उठे। सोचने लगे कि उन्होंने हमेशा ही रामसेवक को अपने से हीन समझा और उसकी उपेक्षा की पर रामसेवक कितना विनम्र है।

वह खुद बहुत प्रसिद्ध होते हुए भी उन्हें ज्यादा महत्व देता है। उसी रात पंडित जी रामसेवक के घर गए और उससे क्षमायाचना की। फिर दोनों गहरे मित्र बन गए।

विचार मंथन

ब्रह्मपुत्र के बहाव रोकने चीन की भारत को धमकी

(लेखक- सनत जैन)

पाकिस्तान के पक्ष में और भारत के खिलाफ खड़ा हुआ चीन

चीन की ओर से भारत को धमकी दी गई है, वह चीन से भारत जाने वाले ब्रह्मपुत्र नदी का पानी रोक सकता है। यह एक कूटनीतिक चेतावनी नहीं, बल्कि इसे चीन के रणनीतिक हथियार के रूप में देखा जाना चाहिये। यह एक बेहद गंभीर मामला है। ब्रह्मपुत्र का पानी उत्तर-पूर्व भारत के करोड़ों लोगों की जीवन रेखा है। जल जैसे प्राकृतिक संसाधन को राजनीतिक दबाव बनाने के लिए इस्तेमाल करना न केवल अमानवीय है, बल्कि अंतरराष्ट्रीय संधियों और पड़ोसी देशों के प्रति उत्तरदायित्व की भावना का उल्लंघन है। भारत ने पाकिस्तान का पानी रोकने का जो निर्णय लिया है उसके बदले में चीन ने पाकिस्तान के समर्थन में भारत के खिलाफ यह धमकी दी है, वह भी ब्रह्मपुत्र का पानी रोक देगा। पिछले कुछ वर्षों में चीन ने जिस तरह पाकिस्तान को खुला समर्थन दिया है, वह भारत के लिए दोहरी चुनौती बन चुका है। एक ओर लद्दाख और अरुणाचल की सीमा पर चीन की आक्रामकता, दूसरी ओर पाकिस्तान को सैन्य, आर्थिक और कूटनीतिक समर्थन देकर भारत के खिलाफ अप्रत्यक्ष मोर्चा खोलना, भारत के खिलाफ चीन की एक दीर्घकालिक रणनीति का हिस्सा है। ब्रह्मपुत्र का जल प्रवाह रोकने की धमकी उसी रणनीति का विस्तार है, जिसमें चीन जल को भी जियो-पॉलिटिकल हथियार की तरह इस्तेमाल करना चाहता है। भारत को चाहिए वह इस स्थिति से सतर्क होकर बहुपक्षीय मंचों पर चीन की इस आक्रामक नीति को उजागर करे। जलवायु परिवर्तन और सीमा-पार नदियों के जल-संविधान पर आधारित अंतरराष्ट्रीय संधियों का हवाला देते हुए चीन पर कूटनीतिक दबाव बनाया जाए। भारत को अपनी उत्तर-पूर्वी जलनीति को और अधिक सुदृढ़ करना होगा, जिसमें जल संग्रहण, पुनर्चक्रण और स्थानीय जल संसाधनों का दोहन शामिल हो। यह भी आवश्यक है, भारत अपने पारंपरिक सहयोगियों जापान, अमेरिका और एसियान देशों के साथ मिलकर एक व्यापक रणनीति बनाए। जो केवल सीमा सुरक्षा तक सीमित न हो, वरन जल, साइबर और तकनीकी मोर्चों पर भी एक जुटता के साथ तैयार रहें। ब्रह्मपुत्र कोई सामरिक हथियार नहीं, बल्कि प्रकृतिजन्य, सभी जीवों और मानव के लिए प्रकृति का उपहार है। यदि चीन उसे हथियार बनाना चाहता है तो यह केवल भारत ही नहीं बल्कि समूचे एशिया के लिए खतरे की घंटी है। भारत को संयम के साथ ठोस नीति और दृढ़ता से जवाब देना होगा। ताकि जल को हथियार बनाने की इस खतरनाक प्रवृत्ति पर रोक लगाई जा सके। चीन को यह मौका भारत ने ही दिया है। इस दिशा में भारत को भी गंभीरता के साथ चिंतन मनन करना चाहिए। आतंकवाद के खिलाफ भारत में जो लड़ाई शुरू की थी उसमें जल संधि को ना मानते हुए पाकिस्तान का पानी रोकने की पहल भारत ने की थी, परिणाम स्वरुप चीन जैसे देशों को भी भारत के ही निर्णय को आधार मानकर भारत को घेरने की कोशिश की जा रही है। भारत सरकार ने इसकी गंभीरता पर ध्यान ना देते हुए जो निर्णय लिया है वह भी एक तरह से अमानवीय है। कूटनीति और विदेश नीति के मामले में भारत जिस तरीके से बिना सोचे-समझे निर्णय ले रहा है, जिस तरह की धमकियां पिछले कुछ वर्षों में भारतीय मीडिया और भारत के राजनेताओं द्वारा अन्य देशों के बारे में समय-समय पर दी जा रही हैं, उसके कारण भारत के अपने पड़ोसी देशों के साथ भी संबंध खराब हुए हैं। चीन ने इसका लाभ उठाया है। भारत के सभी पड़ोसी देशों के साथ चीन ने व्यापारिक और सामरिक संबंधों को बढ़ाया है। भारत के लिए चुनौतियां बढ़ाई हैं। चीन भारत के कब्जे वाले पूर्वोत्तर राज्यों में लगातार अशांति फैलाने का काम कर रहा है। चीन ने पिछले वर्षों में सीमावर्ती राज्यों में बड़े पैमाने पर अपनी गतिविधियां बढाकर भारत के लिए कड़ी चुनौती पैदा कर दी है। भारत के मीडिया ने तो गजब ही कर दिया है। झूठी और धमकी वाली खबरों को दिखाकर भारत को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कमजोर करने का काम किया है। सूचना प्रौद्योगिकी एवं संचार माध्यम के इस युग में, जिस तरह से भारतीय मीडिया काल्पनिक खबरों को फैलाने का काम करता है, उसको लेकर पड़ोसी देशों के साथ भारत के संबंध पिछले एक दशक में बड़ी तेजी के साथ खराब हुए हैं। भारत को बार-बार विश्व- गुरु के रूप में स्थापित करने और भारत की तीसरी और चौथी अर्थव्यवस्था को लेकर जो दावे भारत सरकार के हवाले से भारतीय मीडिया द्वारा किए जाते हैं, उसके कारण दुनिया के बड़े देशों के साथ भारत ने अपनी प्रतिस्पर्धा को बढ़ा लिया है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

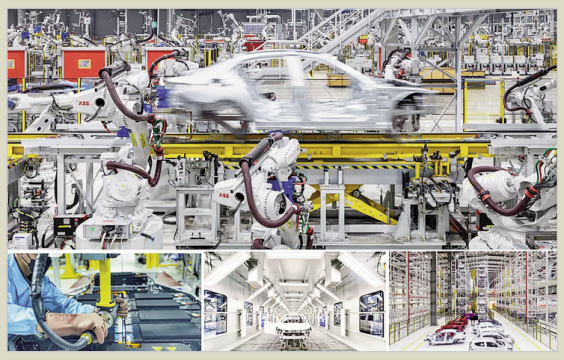

विनग्रुप तमिलनाडु में एक संयंत्र लगाएगी

भारत में परिचालन विस्तार के लिए आंध्र, तेलंगाना सरकार के साथ कर रही बातचीत

हाइ फोंग।

वियतनाम की कंपनी विनग्रुप भारत में अपने परिचालन बढ़ाने के लिए आंध्र प्रदेश और तेलंगाना सरकारों के साथ बातचीत कर रही है। विनग्रुप तमिलनाडु के तुतूकुड़ी में दो अरब डॉलर के निवेश से एक संयंत्र लगा रहा है। विनग्रुप की इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) इकाई विनफास्ट इस साल त्योहारी सीजन से पहले भारत में अपने वीएफ7 और वीएफ6 मॉडल उतारने की योजना बना रही है। विनफास्ट एशिया के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) ने यहां कहा` कि हमने कई राज्यों का दौरा किया और कई स्थानों का निरीक्षण किया, तब हमने तमिलनाडु के तुतूकुड़ी को चुना, क्योंकि यह लॉजिस्टिक लाभ प्रदान करता है और पास में एक बंदरगाह और हवाई अड्डा भी है। उन्होंने कहा कि इस साल त्योहारी सीजन से पहले संभवतः वीएफ7 और वीएफ6 की पेशकश के साथ वियतनाम के एक प्रमुख समूह विनग्रुप का भारतीय बाजार में प्रवेश होगा।

इस साल निर्माण उपकरणों की मांग में बढ़ोतरी की उम्मीद-आईसीईएमए

नई दिल्ली।

उद्योग के हितधारकों को इस साल निर्माण उपकरणों की मांग बढ़ने की उम्मीद है। भारतीय निर्माण उपकरण विनिर्माता संघ (आईसीईएमए) के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने कहा कि उद्योग का यह अनुमान सामान्य से अधिक बारिश और सरकार के बुनियादी ढांचा क्षेत्र पर जोर को देखकर लगाया गया है। उन्होंने कहा` कि भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने देश में सामान्य से अधिक बारिश की भविष्यवाणी की है। इससे ग्रामीण बाजार को फायदा होगा। चूंकि हमारी अधिकांश मशीनें ग्रामीण क्षेत्र में काम करती हैं, इसलिए मुझे उम्मीद है कि हमें फायदा होगा। देश में भारी निर्माण उपकरणों की प्रमुख विनिर्माता और आपूर्तिकर्ता जेसीबी इंडिया के एक अे धिकारी ने कहा` कि सरकार के बुनियादी ढांचा क्षेत्र पर ध्यान देने के साथ मुझे भरोसा है कि इस साल वृद्धि दोहरे अंक में होगी। पिछले कुछ साल में भारतीय निर्माण उपकरण उद्योग ने 26 प्रतिशत की वृद्धि देखी गई है।

महाराष्ट्र में बारिश से प्याज की फसल को नुकसान, मांगा मुआवजा

मुंबई।

महाराष्ट्र में प्याज उत्पादकों के एक संगठन ने पिछले महीने राज्य में भारी बारिश की वजह से किसानों को हुए फसल नुकसान के लिए एक लाख रुपये प्रति एकड़ का मुआवजा मांगा है। महाराष्ट्र देश का सबसे बड़ा प्याज उत्पादक राज्य है। महाराष्ट्र राज्य कांदा उत्पादक संगठन ने मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस को लिखे पत्र में भारतीय राष्ट्रीय कृषि सहकारी विपणन संघ (नेफेड) द्वारा पारदर्शी प्याज खरीद सुनिश्चित करने के लिए भी कहा है। महाराष्ट्र में मई में अभूतपूर्व बारिश हुई है। पत्र में कहा गया है कि जलगांव, धुले, नासिक, अहिल्यानगर, छत्रपति संभाजीनगर, पुणे, सोलापुर, बीड, धाराशिव, सांगली, बुलढाणा, अकोला, परभणी और जालना जैसे प्याज उत्पादक जिले बारिश से बुरी तरह प्रभावित हुए हैं। एसोसिएशन के अध्यक्ष और नासिक जिले के प्रमुख की ओर से मुख्यमंत्री को भेजे गए पत्र में कहा गया है कि छह मई से भारी बारिश के कारण पूरे राज्य में प्याज की फसल को काफी नुकसान हुआ है। एसोसिएशन ने कहा कि कई किसानों ने अपनी पूरी रबी सीजन की फसल कटाई से पहले ही गंवा दी है। उन्होंने इस नुकसान की भरपाई के लिए एक लाख रुपये प्रति एकड़ का मुआवजा मांगा है।

आर्थिक आंकड़े और ग्लोबल रुझानों से तय होगी बाजार की चाल

-सभी की निगाह 6 जून को आरबीआई की मौद्रिक नीति घोषणा पर

नई दिल्ली।

भारतीय शेयर बाजार की दिशा इस हफ्ते भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के ब्याज दर पर निर्णय, वृहद आर्थिक आंकड़े और ग्लोबल रुझानों से तय होगी। बाजार के विशेषज्ञों का कहना है कि इसके साथ ही विदेशी संस्थागत निवेशकों की खरीद-फरोख्त और शुल्क से जुड़े घटनाक्रम भी निवेशकों की धारणा पर असर डाल सकते हैं। एक विशेषज्ञ ने कहा कि आगे की ओर देखें, तो सभी की निगाह 6 जून को भारतीय रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति घोषणा पर रहेंगी। इसके अलावा नए माह की शुरुआत के साथ वाहन बिक्री और आर्थिक गतिविधियों का संकेत देने वाले अन्य आंकड़े आएंगे। साथ ही सभी की निगाह मॉनसून की प्रगति और विदेशी संस्थागत निवेशकों के फ्लो पर भी रहेगी। उन्होंने कहा कि वैश्विक स्तर पर अमेरिकी बॉन्ड बाजार के रुझान और जारी व्यापार वार्ताओं से जुड़े घटनाक्रम भी निवेशकों की धारणा को प्रभावित करेगा। भारतीय अर्थव्यवस्था वित्त वर्ष 2024-25 की अंतिम तिमाही में उम्मीद से ज्यादा तेजी से बढ़ी है, जिससे पूरे वित्त वर्ष के लिए जीडीपी की वृद्धि दर 6.5 फीसदी रही। इससे भारतीय अर्थव्यवस्था का आकार 3,900 अरब डॉलर हो गया। जनवरी-मार्च तिमाही में भारतीय अर्थव्यवस्था की वृद्धि दर 7.4 फीसदी रही। इस बीच सप्ताह के दौरान आने वाले विनिर्माण और सेवा क्षेत्रों के लिए क्रय प्रबंधक सूचकांक आंकड़े भी बाजार के लिए अहम होंगे।

एक शोध प्रमुख-संपदा प्रबंधन ने कहा कि इस सप्ताह केंद्रीय बैंक द्वारा रीपो रेट में कटौती की उम्मीद के बीच ब्याज दर की दृष्टि से संवेदनशील क्षेत्र, विशेष रूप से सरकारी बैंकों के शेयरों पर सभी की निगाह रहेगी। इसके अलावा वाहन बिक्री के मासिक आंकड़ों की वजह से भी बाजार में क्षेत्र विशेष गतिविधियां देखने को मिल सकती हैं।

बीते सप्ताह बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 270.07 अंक या 0.33 फीसदी के नुकसान में रहा। वहीं नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 102.45 अंक या 0.41 फीसदी रहा। एक अन्य शोध प्रमुख ने कहा कि बाजार रीपो रेट में चौथाई 0.25 फीसदी की कटौती की उम्मीद कर रहा है। ऐसे में ब्याज दर की दृष्टि से संवेदनशील क्षेत्रों पर सभी की निगाह रहेगी।

केनरा बैंक में अब न्यूनतम बैलेंस पर संचा लित कर सकते हैं अपना खाता

अकाउंट में बैलेंस जीरो होने पर भी नहीं लगेगा जुर्माना

नई दिल्ली। केनरा बैंक ने खाता धारकों के लिए बड़ा तोहफा दिया है, जो खातों में न्यूनतम बैलेंस बनाए रखने की जरूरत को खत्म करता है। अब सभी खाताधारक अपने खाते को शून्य बैलेंस पर भी संचालित कर सकते हैं, और कोई भी जुर्माना नहीं देना पड़ेगा। यह नियम सामान्य बचत खाता, वेतन खाता, और एनआरआई पर लागू होगा। इसके साथ ही कोटक महिंद्रा बैंक ने अपने क्रेडिट कार्ड्स पर भी रिवॉर्ड्स में कटौती और ब्याज दरों में बढ़ोतरी की घोषणा की है। यह कदम न केवल ग्राहकों के पैसे की सुरक्षा देगा, बल्कि इन्हें बिना किसी झिझक के डिजिटल बैंकिंग और सेवाओं से जुड़ने की प्रेरणा भी देगा। इस फैसले से विशेष रूप से छात्रों, वरिष्ठ नागरिकों, कम आय वर्ग के लोगों, ग्रामीण क्षेत्रों के खाताधारकों और पहली बार बैंकिंग से जुड़ने वालों को लाभ होगा। केनरा बैंक की इस भविष्यवाणी के साथ कोटक महिंद्रा बैंक ने भी क्रेडिट कार्ड्स पर रिवॉर्ड्स में कटौती और ब्याज दरों में बढ़ोतरी की है। इस बदलाव के साथ बैंकी अनुभव और ग्राहकों की सुविधा में सुधार की उम्मीद है।

अडाणी ग्रुप धारावी में आधुनिक परिवहन केंद्र बनाएगा

यातायात होगा आसान और तेज

मुंबई।

मुंबई के प्रमुख उद्योगी अडाणी ग्रुप ने मुंबई के धारावी में धारावी पुनर्विकास प्रोजेक्ट के तहत मुंबई में एक आधुनिक परिवहन केंद्र की योजना बनाई है। इस योजना के अनुसार एक मल्टी-मोडल ट्रांजिट हब बनाया जा रहा है, जिसमें रेल, सड़क और हवाई अड्डा होंगे। एक` रिपोर्ट के मुताबिक यह केंद्र मुंबई और नवी मुंबई के हवाई अड्डों के लिए विशेष ट्रेनें, चेक-इन और ट्रांजिट सुविधाएं भी प्रदान करेगा। इसके अलावा, यहां शहर की रेल, मेट्रो और बस सेवाएं भी शामिल होंगी। इस परियोजना का मुख्य उद्देश्य धारावी और आसपास के इलाकों के यातायात को आसान और तेज बनाना है। इस केंद्र से मुंबई और नवी मुंबई हवाई अड्डे भी जुड़े जाएंगे। इस परियोजना के अलावा सड़कों का विस्तार, रिवरफ्रंट प्रमेनेड, अस्पताल, हरे-भरे पार्क, औद्योगिक क्षेत्र और सामुदायिक मनोरंजन स्थल भी इसमें शामिल होंगे। नवभारत मेगा डेवलपर्स के अनुसार, यह परियोजना धारावी के निवासियों के जीवन को सुविधाजनक बनाने में मदद करेगा। पिछले साल, महाराष्ट्र सरकार ने धारावी के पुनर्विकास के लिए 256 एकड़ साल्ट-पैन लैंड के अधिग्रहण को मंजूरी दी थी, और इस सप्ताह धारावी के मास्टर प्लान को भी मंजूर किया गया है। इस परियोजना का लक्ष्य है धारावी को एशिया के सबसे बड़े स्लम से आधुनिक और सुविधाजनक क्षेत्र में तब्दील करना।

सेंसेक्स की शीर्ष 10 में से चार कंप नियों का मार्केट कैप एक लाख करोड़ बढ़ा

सबसे अधिक लाभ में भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) रही

मुंबई।

बीते सप्ताह सेंसेक्स की प्रमुख 10 में से चार कंपे नियों के बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) में सामूहिक रूप से 1,01,369.5 करोड़ रुपये की बढ़ोतरी हुई। शेयर बाजार में सुस्ती के रुख के बीच सबसे अधिक लाभ में भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) रही। समीक्षाधीन सप्ताह में एचडीएफसी बैंक, भारती एयरटेल, भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) और एलआईसी के बाजार मूल्यांकन में बढ़ोतरी हुई। वहीं दूसरी ओर रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस), आईसीआईसीआई बैंक, इन्फोसिस, बजाज फाइनेंस और हिंदुस्तान यूनिलीवर के बाजार पूंजीकरण में सामूहिक रूप से 34,852.35 करोड़ रुपये की गिरावट आई। समीक्षाधीन सप्ताह में एलआईसी का बाजार मूल्यांकन 59,233.61 करोड़ रुपये बढ़कर 6,03,120.16 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। सबसे अधिक लाभ में एलआईसी ही रही। भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) का बाजार पूंजीकरण 19,589.54 करोड़ रुपये बढ़कर 7,25,036.13 करोड़ रुपये रहा। भारती एयरटेल की बाजार हैसियत 14,084.2 करोड़ रुपये बढ़कर 10,58,766.92 करोड़ रुपये पर पहुंच गई। एचडीएफसी बैंक का बाजार पूंजीकरण 8,462.15 करोड़ रुपये बढ़कर 14,89,185.62 करोड़ रुपये हो गया। इस रुख के` विपरीत टीसीएस की बाजार हैसियत 17,909.53 करोड़ रुपये घटकर 12,53,486.42 करोड़ रुपये रह गई। रिलायंस इंडस्ट्रीज का मूल्यांकन 7,645.85 करोड़ रुपये

घटकर 19,22,693.71 करोड़ रुपये पर आ गया। बजाज फाइनेंस का मूल्यांकन 4,061.05 करोड़ रुपये घटकर 5,70,146.49 करोड़ रुपये पर और आईसीआईसीआई बैंक का 2,605.81 करोड़ रुपये के नुकसान के साथ 10,31,262.20 करोड़ रुपये पर आ गया। हिंदुस्तान यूनिलीवर लिमिटेड का बाजार पूंजीकरण 1,973.66 करोड़ रुपये घटकर 5,52,001.22 करोड़ रुपये रहा। इन्फोसिस की बाजार हैसियत में 656.45 करोड़ रुपये की गिरावट आई और यह 6,49,220.46 करोड़ रुपये पर आ गई। शीर्ष 10 कंपनियों की सूची में रिलायंस इंडस्ट्रीज पहले स्थान पर बरकरार रही। उसके बाद क्रमशः एचडीएफसी बैंक, टीसीएस, भारती एयरटेल, आईसीआईसीआई बैंक, भारतीय स्टेट बैंक, इन्फोसिस, एलआईसी, बजाज फाइनेंस और हिंदुस्तान यूनिलीवर लिमिटेड का स्थान रहा।

मुंबई में लग्जरी हाउसिंग स्टॉक में 36 फीसदी की सालाना बढ़ोतरी

8,420 लग्जरी यूनिट्स मुंबई में बिना बिके रह गए

मुंबई।

मुंबई में 2025 की पहली तिमाही में बिना बिके लग्जरी हाउसिंग स्टॉक में 36 फीसदी की सालाना बढ़ोतरी दर्ज की गई है। एक रिपोर्ट के अनुसार बढ़ोतरी का मुख्य कारण 2.5 करोड़ रुपए से अधिक कीमत वाले नए फ्लैट्स की अधिक सप्लाई, बढ़ती कीमतें और वैश्विक आर्थिक मंदी है। 2025 में 2.5 करोड़ से ऊपर की कीमत वाले 8,420 लग्जरी यूनिट्स मुंबई में बिना बिके रह गए हैं। मुंबई में जनवरी से मई 2025 के बीच 64,461 प्रॉपर्टी रजिस्ट्रेशन हुए हैं, जो 2024 की इसी अवधि में हुए 60,818 रजिस्ट्रेशन की तुलना में 6 फीसदी ज्यादा हैं। इस साल पहले पांच महीनों में राज्य सरकार ने करीब 5,695 करोड़ रुपए का राजस्व जुटाया, जो पिछले साल से 17 फीसदी अधिक है। 2022 के बाद लग्जरी हाउसिंग स्टॉक में यह पहली बार है जब इन्वेंट्री में वृद्धि दर्ज की गई है। 2023 और 2024 में इन्वेंट्री में गिरावट देखी गई थी। 2023 में मुंबई में लग्जरी सेगमेंट का स्टॉक 29 फीसदी घटकर लगभग 18,340 यूनिट्स पर आ गया था। इ2024 में यह स्टॉक और भी तेजी से 53 फीसदी घटकर लगभग 6,180 यूनिट्स पर आ गया था।

आईपीओ लॉन्च से पहले ओयो की पैरेंट कंपनी बदलेगी नाम, मांगे सुझाव मिलेगा इनाम

नई दिल्ली।

ओयो का आईपीओ कुछ महीनों में बाजार में आ जाएगा। इससे पहले पैरेंट कंपनी के नाम में बदलाव की तैयारी हो रही है। ओयो के संस्थापक रितेश अग्रवाल ने अपनी पैरेंट कंपनी ओरावेल स्टेज के लिए नाम के सुझाव मांगे हैं। मीडिया रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से बताया गया है कि नया नाम उस प्रीमियम होटल ऐप का हो सकता है जिसे ओयो निकट भविष्य में पेश करने की योजना बना रही है। ओयो के संस्थापक ने कहा कि हम मूल कंपनी का नाम बदल रहे हैं। होटल चेन नहीं, उपभोक्ता उत्पाद नहीं बल्कि शहरी इनोवेशन और आधुनिक जीवन के वैश्विक परिवेश को सशक्त बनाने वाली मूल कंपनी है। हमारा मानना है कि अब समय आ गया है कि दुनिया के पास एक नए तरह का वैश्विक ब्रांड हो जिसका गढ़ भारत में हो, लेकिन दुनिया के लिए बनाया गया हो। उन्होंने विजेता को तीन लाख रुपए का पुरस्कार और उनसे मिलने का मौका देने की घोषणा भी की। इस बीच, ओयो ने जून में पांच निवेश बैंकों की उसके प्रमुख शेयरधारक सॉफ्टबैंक से मिलने की व्यवस्था की है। इन बैंक में आईसीआईसीआई सिक्योरिटीज और एक्सिस कैपिटल के साथ-साथ भारतीय वित्तीय संस्थानों का प्रतिनिधित्व करने वाले वैश्विक बैंकिंग गठजोड़ से सिटी, गोल्डमैन सैक्स और जेफरीज शामिल हैं। जापानी समूह सॉफ्टबैंक, ओयो के सबसे बड़े शेयरधारकों में से एक है। इसलिए यह बैठक खास है।

यह बैठक सॉफ्टबैंक के लंदन स्थित ग्रोसवेनर स्ट्रीट कार्यालय में होने वाली है। पांच बैंक, सॉफ्टबैंक के सुमेर जुनेजा के समक्ष

अपने आईपीओ से जुड़ी रणनीति प्रस्तुत करेंगे। ओयो के संस्थापक और उसकी वरिष्ठ नेतृत्व टीम भी इसमें शामिल होगी। बता दें ओयो ने 2021 में सेबी के सामने अपने दस्तावेज दाखिल किए और फिर दोबारा दाखिल किए थे। इसमें सार्वजनिक पेशकश के जरिये 8,430 करोड़ जुटाने की बात कही थी। कंपनी ने हालांकि मई, 2024 में यह दस्तावेज वापस ले लिए थे।

जेप्टो के फूड सेंटर पर मिली फफूंद लगी सामग्री और गंदगी, लाइसेंस निलंबित

मुंबई।

महाराष्ट्र फूड एंड ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन ने क्विक-कॉमर्स प्लेटफॉर्म जेप्टो की पेरेंट कंपनी किरणकार्ट टेक्नोलॉजीज का फूड बिजनेस लाइसेंस निलंबित कर दिया है। यह कार्रवाई मुंबई के धारावी स्थित उसके सेंटर पर अचानक किए निरीक्षण के बाद की गई। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक इस निरीक्षण में फूड सेफ्टी एंड स्टैंडर्ड्स एक्ट और फूड सेफ्टी एंड स्टैंडर्ड्स रेगुलेशंस 2011 का उल्लंघन पाया गया। एफडीए ने कहा है कि जब तक कंपनी पूरी तरह से नियमों का पालन नहीं करेगी और लाइसेंसिंग अथॉरिटी द्वारा इसकी पुष्टि नहीं हो जाती, तब तक लाइसेंस निलंबित ही रहेगा।रिपोर्ट के मुताबिक अधिकारियों को कुछ खाद्य पदार्थों पर फंगल ग्रोथ दिखाई दी। साथ ही कई उत्पाद जमे हुए या रुके हुए पानी के पास रखे हुए पाए गए। वहीं, कोल्ड स्टोरेज का तापमान भी नियमानुसार नहीं था। निरीक्षकों ने बताया कि परिसर में जमीन गीली और गंदी थी। खाद्य सामग्री और कच्चे माल को सीधे फर्श पर अव्यवस्थित ढंग से रखा गया था। इसके अलावा, एक्सपायरी डेट वाले उत्पादों को ताजा स्टॉक से अलग नहीं रखा गया था, जिससे उपभोक्ताओं तक खराब सामान पहुंचने का खतरा बढ़ गया। रिपोर्ट के मुताबिक महाराष्ट्र एफडीए के एक अधिकारी ने बताया कि संस्थान कई लाइसेंसिंग शर्तों का पालन नहीं कर रहा था। अधिकारी ने यह भी कहा कि ऐसी लापरवाहियां जनता की सेहत के लिए गंभीर खतरा है। निरीक्षण के बाद, सहायक आयुक्त (खाद्य) ने फूड सेफ्टी एंड स्टैंडर्ड्स एक्ट के तहत लाइसेंस निलंबन का आदेश दिया। आदेश में साफ कहा गया है कि जब तक सभी कमियों को दूर नहीं किया जाता और नियामक संस्था द्वारा साइट को क्लीयरेंस नहीं मिल जाती, तब तक जेप्टो का धारावी स्थित फूड बिजनेस निलंबित रहेगा। इस रिपोर्ट के फाइल किए जाने तक कंपनी की ओर से कोई आधिकारिक बयान नहीं आया था।

विमान ईंधन की कीमत तीन प्रतिशत घटी

नई दिल्ली।

विमान ईंधन (एटीएफ) की कीमतों में तीन प्रतिशत की कटौती की गई है। रविवार को एटीएफ की कीमतों में कटौती की घोषणा की गई है। यह लगातार तीसरा महीना है जबकि विमान ईंधन के दाम घटे हैं। वै श्विक स्तर पर बेंचमार्क कच्चे तेल और गैस कीमतों में कमी के बाद घरेलू बाजार में कीमतें घटाई गई हैं। सार्वजनिक क्षेत्र की पेट्रोलियम कंपनियों के अनुसार, राष्ट्रीय राजधानी में एविएशन टर्बाइन फ्यूल (एटीएफ) की कीमत 2,414.25 रुपये प्रति किलोलीटर या 2.82 प्रतिशत घटकर 83,072.55 रुपये प्रति किलोलीटर रह गई है। इससे पहले एक मई को एटीएफ के दाम 4.4 प्रतिशत (3,954.38 रुपये प्रति किलोलीटर) और एक अप्रैल को 6.15 प्रतिशत (5,870.54 रुपये प्रति किलोलीटर) घटाए गए थे। रविवार की हुई इस कटौती के बाद इस साल की शुरुआत में एटीएफ कीमतों में जो वृद्धि हुई थी उसकी काफी हद तक भरपाई हो गई है। एटीएफ की कीमत में कमी से वाणिज्यिक एयरलाइन कंपनियों पर बोझ कम होगा। एयरलाइन कंपनियों की परिचालन लागत में 40 प्रतिशत हिस्सा विमान ईंधन का बैठता है। मूल्य कटौती पर एयरलाइन कंपनियों से तत्काल कोई प्रतिक्रिया नहीं मिल सकी। मुंबई में एटीएफ की कीमत 79,855.59 रुपये से घटाकर 77,602.73 रुपये प्रति किलोलीटर रह गई है, जबकि चेन्नई और कोलकाता में क्रमशः 86,103.25 रुपये और 86,052.57 रुपये प्रति किलोलीटर कर दी गई।

विदेशी लग्जरी कारों की कीमतों में आ सकती है भारी गिरावट

नई दिल्ली।

हाल ही में भारत सरकार ने कई ट्रेड एग्रीमेंट्स पर हस्ताक्षर किए हैं। इसके लागू होने पर विदेशी लग्जरी कारों पर इंपोर्ट टैक्स घटकर मात्र 10 प्रतिशत तक आ सकता है। इससे कार की कीमतों में भारी गिरावट आएगी। इस बीच, कई कार खरीदार कीमतों में कमी का इंतजार कर रहे हैं, लेकिन ब्रिटिश ऑटोमेकर मिनी इंडिया ने ऐसा ऑफर पेश किया है जो खरीदारी में देरी करने की जरूरत खत्म कर देगा। मिनी इंडिया ने एक नई प्राइस प्रोटेक्शन पॉलिसी लागू की है, जो विशेष रूप से मिनी कूपर एस 3-डोर मॉडल पर लागू होगी। इस योजना के तहत, जो ग्राहक अब कूपर एस खरीदेंगे, उन्हें अगले 180 दिनों में अगर कूपर एस की कीमत में कोई भी कटौती होती है तो उसे वापसी के रूप में मिलेगा। यानी, कीमत घटने पर खरीदार का पैसा सुरक्षित रहेगा। यह ऑफर सीमित समय के लिए है और मिनी के अधिकृत डीलरशिप से उपलब्ध है। कूपर एस की वर्तमान ऑन-रोड कीमत मुंबई में लगभग 53.62 लाख रुपये है। भारत-यूके फ्री ट्रेड एग्रीमेंट के तहत, भारत ब्रिटेन से आयातित हाई-एंड लग्जरी कारों पर 100 प्रतिशत से घटाकर 10 प्रतिशत तक टैक्स कम करेगा। इससे कई ब्रांड अपनी कीमतें कम कर सकते हैं, लेकिन अभी इस पर कुछ अनिश्चितताएं बनी हैं। ऐसे में मिनी का यह प्राइस प्रोटेक्शन प्रोग्राम ग्राहकों को खरीदारी में विश्वास और सुरक्षा देता है। इस योजना के चलते ग्राहकों को लंबा इंतजार किए बिना तुरंत मिनी कूपर एस खरीदने का मौका मिलेगा और अगर बाद में कीमतें कम हुईं तो उन्हें लाभ भी मिलेगा।

तेल कंप नियों ने कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर के भाव 24 रुपये घटाये

1 जून से लागू नई कीमतें, घरेलू रसोई गैस सिलेंडर स्थिर

नई दिल्ली।

तेल कंपनियों ने 19 किलोग्राम के कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर की कीमत 24 रुपये कम कर दी है। यह नई दर 1 जून से लागू हो गई है।

अब 19 किलोग्राम के कमर्शियल सिलेंडर 1,723.50 रुपये में मिलेगा। हालांकि घरेलू रसोई गैस सिलेंडर की कीमतों में कोई बदलाव नहीं किया गया है। तेल कंपनियां नियमित रूप से अंतरराष्ट्रीय कच्चे तेल की कीमतों और बाजार की स्थिति के आधार पर एलपीजी की दरें बदलती रहती हैं।

इस साल की शुरुआत में 1 अप्रैल को भी कमर्शियल सिलेंडर की कीमत में 41 रुपये की कमी की गई थी। दूसरी ओर, घरेलू एलपीजी सिलेंडर की कीमतें स्थिर रखी गई हैं।

देश के अलग-अलग राज्यों में एलपीजी की कीमतें स्थानीय करों और परिवहन लागत के कारण भिन्न होती हैं। भारत में एलपीजी का लगभग 90 प्रतिशत उपयोग घरेलू रसोई में होता है, जबकि शेष 10 प्रतिशत कमर्शियल, औद्योगिक और ऑटोमोटिव क्षेत्रों में खपत होता है।

इससे पहले मार्च में केंद्र सरकार ने घरेलू एलपीजी सिलेंडर की कीमत में 50 रुपये की बढ़ोतरी की थी। यह फैसला अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा लगाए गए टैरिफ के बाद वैश्विक कच्चे तेल की कीमतों में उछाल के कारण लिया गया था।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

भारतीय जूनियर महिला हॉकी टीम ने उरुग्वे को हराया

रोसारियो।

भारतीय जूनियर महिला हॉकी टीम ने चार देशों के टूर्नामेंट के अपने पांचवें मुकाबले को उरुग्वे से शूटआउट में 3-1 से जीत लिया। इस मैच में गीता, कनिका और लालथंतलुगी ने शूटआउट में भारतीय टीम की ओर से गोल किये। वहीं इससे पहले नियमिल समय तक ये मुकाबला 2-2 से बराबरी पर रहा। भारीय टीम की ओर से उप-कप्तान हिना ने 10वें और लालरिनपुई ने 24वें मिनट में गोल किये। मैच के 10वें मिनट हिना के गोल से भारतीय टीम ने बढ़त बनायी। इसके बाद लालरिनपुई ने 24वें मिनट में इसे दोगुना कर दिया। हाफटाइम तक भारतीय टीम की बढ़त 2-0 से ऊपर हो गयी। वहीं उरुग्वे की ओर से अंतिम क्वार्टर में इनेस डी पोसादास ने 54वें मिनट और इसके बाद मिलग्रोस सीगल ने 57वें मिनट बाद गोल दाग करके स्कोर 2-2 से बराबरी पर ला दिया। इसके बाद मुकाबला शुटआउट में पहुंच गया। इसमें गीता, कनिका और लालथंतलुगी ने लगातार तीन गोल दागे। वहीं उरुग्वे की टीम एक ही गोल कर सकी।

आईसीसी के नये नियम अगले माह से लागू होंगे

34 ओवरों तक दो नई गेंदों का उपयोग होगा

कन्कशन सब्स्टीट्यूट नियमों में भी बदलाव

दुबई।

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) अगले माह जुलाई 2025 से एकदिवसीय क्रिकेट में नये नियम लागू करने जा रही है। जिससे कि खेल का रोमांच बढ़ सके। एक रिपोर्ट के अनुसार नये नियम से खेल को और अधिक रोमांचक और रणनीतिक रूप से संतुलित बनाना है अभी ये बल्लेबाजों के पक्ष में झुका हुआ है। अब , एकदिवसीय में पिछले एक दशक से लागू दो गेंदों के नियम को हटाया जा रहा है। अब 34 ओवर के बाद गेंद बदल दी जाएगी जिससे कि रिवर्स स्विंग करन आसान होगा और गेंद और बल्ले के बीच संतुलन भी बैठेगा। एक रिपोर्ट के अनुसार, एकदिवसीय मैचों में पहले 34 ओवरों तक दो नई गेंदों का उपयोग होगा, लेकिन इसके बाद क्षेत्ररक्षण करने वाली टीम को 35वें से 50वें ओवर तक एक गेंद लेनी होगी। यदि मैच 25 ओवरों या उससे कम का हो, तो केवल एक नई गेंद का उपयोग होगा। यह नियम 2 जुलाई 2025 से श्रीलंका और बांग्लादेश के बीच कोलंबो में शुरू होने वाली एकदिवसीय सीरीज से लागू होगा।

इसके अलावा, आईसीसी ने कन्कशन सब्स्टीट्यूट नियमों में भी बदलाव की घोषणा की है। अब टीमें मैच शुरू होने से पहले रैफरी को 5 खिलाड़ियों की सूची सौंपेंगी, जिसमें एक विकेटकीपर, बल्लेबाज, तेज गेंदबाज, स्पिनर और ऑलराउंडर शामिल होंगे। यह नियम खिलाड़ियों की सुरक्षा और खेल की निष्पक्षता को बढ़ाने के लिए लाया गया है।

ये नियम टेस्ट क्रिकेट में 17 जून से श्रीलंका और बांग्लादेश के बीच गाले में शुरू होने वाले टेस्ट मैच से लागू होंगे, जबकि टी20आई में बदलाव 10 जुलाई से प्रभावी होंगे। हालांकि, 11 जून से लॉर्ड्स में ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका के बीच होने वाला विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) फाइनल वर्तमान नियमों के तहत ही खेला जाएगा। आईसीसी ने इन संशोधनों के बारे में अपने सदस्य बोर्डों को भी जानकारी दे दी है। ये बदलाव आईसीसी मुख्य कार्यकारी समिति द्वारा अनुमोदित किए गए हैं। इससे एकदिवसीय मैचों के लिए दर्शकों की रुचि बढ़ने की उम्मीद है।

आईपीएल फाइनल के लिए खचाखच भरी उड़ानें और होटल

अहमदाबाद।

3 जून को यहां होने वाले आईपीएल फाइनल के लिए प्रशंसकों में जबरदस्त उत्साह है। यहां के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में होने वाले फाइनल को देखते हुए होटल पूरी तरह से भर गये हैं। प्राप्त जानकारी के अनुसार होटल और उड़ान दरों में 7 से 10 फीसदी की बढ़त आई है। प्राप्त जानकार के अनुसार आईपीएल फाइनल के कारण कुल यात्रा बुकिंग में 30 से 35 फीसदी की बढ़त हुई है। ये पिछले सत्र की 20 से 25 फीसदी की बढ़त से कहीं ज्यादा है। बढ़ती मांग के बीच ही प्रीमियम होटल के कमरे की कीमतें भी 6,000 से 8,200 रुपए के बीच पहुंच गयी हैं। वहीं, अहमदाबाद के लिए घरेलू हवाई किराए में लगभग 10 फीसदी की तेजी दर्ज की गयी है। मैच के दिनों में बुकिंग में 1.5 गुना बढ़त के कारण कीमतें और अधिक बढ़ी हैं। फाइनल का स्थान कोलकाता से अहमदाबाद में बदलने के कारण भी उड़ानें और स्टेडियम के आसपास के होटलों की दोबारा-बुकिंग में बढ़त रही है। जानकारों के अनुसार इस साल के आईपीएल फाइनल के लिए यात्रा की मांग पिछले सीजन की तुलना में निश्चित रूप से बढ़ी है। होटल और यात्रा अधिकारियों ने बताया कि स्टेडियम के आसपास बुकिंग में उछाल आया है, और कई होटल पूरी तरह से बुक हो गये हैं। अहमदाबाद के

हवाई किराए में 1,000 रुपए की वृद्धि हुई है। मई के आखिरी सप्ताह से ही अहमदाबाद के लिए फ्लाइट बुकिंग में उछाल देखा गया है। अहमदाबाद में 148 फीसदी और चंडीगढ़ में 111 फीसदी की साल-दर-साल वृद्धि दर्ज की गई। इससे तय है कि प्रशंसक स्टेडियम के लाइव अनुभव का हिस्सा बनने के लिए उत्साहित हैं।

बुमराह और तेवतिया जब आमने-सामने आये

मुल्लांपुर।

मुम्बई इंडियंस के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह और गुजरात टाइटंस के राहुल तेवतिया की इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) एलिमिनेटर मुकाबले में एकदूसरे से झड़प हो गयी थी हालांकि मामला बढ़ नहीं पाया। ये भिड़ंत उस समय हुई जब दोनो ही टीमें मैच जीतने जोर लगा रहीं थीं। इस मुकाबले में मुम्बई को आंखिरकार जीत मिली। ये मामला गुजरात की बल्लेबाजी के दौरान हुआ। तेवतिया ने बुमराह की गेंद में छक्का लगाया और जब वह अगली बार ऐसा करने गये तो वह अगली दो गेंदों में शॉट लगाने में विफल रहे। इसके बाद तनाव के बीच ही तेवतिया ने कोई बात कही दी जिससे बुमराह भी बरस पड़े और उन्होंने कहा, मेरे से मत बोल। इसके बाद तेवतिया ने कहा कि वह अपने से बातें कर रहे थे जिससे दोनो के बीच गलतफहमी दूर हो गयी। इससे बुमराह के चेहरे पर मुस्कान आ गई, जिन्होंने खुशी से हाथ उठाया और अपने गेंदबाजी करने चले गये। तब तक मैच में बदलाव आ गया था। 214 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए गुजरात की टीम को तीन ओवर्स में 45 रनों की जरूरत थी पर बुमराह के ओवर के बाद टीम को 12 गेंदों पर 36 रन बनाने थे। अंतिम ओवर में गुजरात को जीत के लिए 24 रन चाहिए थे। मुंबई ने ये मुकाबला जीत कर गुजरात टाइटंस को खिताबी दौड़ से बाहर कर दिया

साई सुदर्शन का काउंटी कनेक्शन, आजमाया आईपीएल 2025 में

नई दिल्ली।

आईपीएल 2025 में सबसे अधिक रन बनाने वाले गुजरात टाइटंस के बल्लेबाज साई सुदर्शन ने अपनी बैटिंग के पीछे छिपे कई राज खोले हैं। सुदर्शन ने बताया कि उनकी बल्लेबाजी में इंग्लैंड में खेले गए काउंटी क्रिकेट का बड़ा योगदान है। काउंटी क्रिकेट के कुछ मैच खेलने के बाद उन्हें समझ आया कि बल्लेबाजी में बेसिक्स यानी बुनियादी तकनीक सबसे अहम होती है। इस अनुभव ने उन्हें इंग्लैंड के अपने पहले टेस्ट दौरे से पहले आत्मविश्वास भी दिया है।आईपीएल 2025 में साई सुदर्शन ने 15 मैचों में 54.21 की औसत से कुल 759 रन बनाए और वे ऑरेंज कैप की दौड़ में सबसे आगे हैं। हालांकि, उनकी इस बेहतरीन फार्म के बावजूद गुजरात टाइटंस एलिमिनेटर मैच में मुंबई इंडियंस से हार गई और टूर्नामेंट से बाहर हो गई। अब सुदर्शन का फोकस भारतीय रेड बॉल क्रिकेट पर है। उन्होंने पिछले सीजन में इंग्लिश काउंटी टीम सरे के लिए भी कुछ मैच खेले थे, जिससे उनकी तकनीक में सुधार हुआ। बाएं हाथ के इस बल्लेबाज को छह जून से नॉर्थम्पटन में भारत ए और इंग्लैंड लायंस के बीच दूसरे मैच में खेलने की उम्मीद थी, लेकिन शेड्यूल में बदलाव के कारण यह कम हो गया है। भारतीय टेस्ट टीम छह जून को इंग्लैंड के लिए रवाना होगी। सुदर्शन ने कहा, ÷काउंटी क्रिकेट में मैंने सात मैच खेले हैं, जिससे मेरी तकनीक और बुनियादी बातें बेहतर हुई हैं। मुझे एहसास हुआ कि बल्लेबाजी में बेसिक्स पर ध्यान देना कितना जरूरी है। अब मैं अपने अनुभवों से सीख लेकर और बेहतर बनना चाहता हूं। सुदर्शन ने स्वीकार किया कि वे लंबे समय से सीमित ओवरों की क्रिकेट खेल रहे हैं और टेस्ट क्रिकेट के लिए खुद को ढालना चुनौतीपूर्ण होगा। भारत और इंग्लैंड के बीच पहला टेस्ट 20 जून से शुरू होगा। उन्होंने

कहा, तीन महीने के सफेद गेंद के क्रिकेट के बाद मेरी बल्लेबाजी में बदलाव हो सकते हैं, लेकिन टेस्ट की तैयारी के लिए हमारे पास पर्याप्त समय है। अब मेरा ध्यान केवल बेसिक्स पर रहेगा। जब उनसे आईपीएल के बाद टी20 टीम में चुने जाने की उम्मीद के बारे में पूछा गया तो सुदर्शन ने कहा, देश के लिए खेलना हर खिलाड़ी का सपना होता है, मैं भी ऐसा चाहता हूं, लेकिन फिलहाल मैं इस बारे में नहीं सोच रहा। मुझे अपने खेल में सुधार करना है और जब भी मौका मिलेगा, मैं देश के लिए बेहतर प्रदर्शन करना चाहूंगा।

संक्षिप्त समाचार

करुण नायर के दोहरे शतक से इंडिया ए ने बनाये 557

इंग्लैंड लायंस ने बनाये 235/2

कैंटरबरी।

करुण नायर के शानदा दोहरे शतक से इंडिया ए ने इंग्लैंड लायंस के खिलाफ पहले अनौपचारिक टेस्ट के दूसरे दिन अपनी पहली पारी में 125.1 ओवर में ही 557 रनों का विशाल स्कोर बना दिया। करुण ने बल्लेबाजी के दौरान 281 गेंदों पर 204 रन बनाये। उन्होंने अपनी पारी में 281 गेंदों पर 26 चौके और एक छक्का लगाया। अपनी इस पारी से करुण ने अपनी वापसी को सही साबित किया। इंडिया ए ने इस मैच में अपनी पहली पारी में 125.1 ओवर में ही 557 रन बना दिये। वहीं पहले दिन इंडिया ए ने तीन विकेट पर 409 रन बनाये थे। पहले दिन करुण 186 जबकि ध्रुव जुरेल 82 रनों पर खेल रहे थे। वहीं सरफराज खान ने भी 92 रनों की अच्छी पारी खेली। दूसरे दिन करुण नेदोहरा शतक पूरा किया, जबकि जुरेल 94 रन बनाकर पेवेलियन लौटे। वहीं इंग्लैंड लायंस की ओर से जोश हल ने 2/51 और एडी जैक ने 51रन देखकर एक विकेट लिया। वहीं इंग्लैंड लायंस ने अपनी पहली पारी में दूसरे दिन का खेल समाप्त होने तक दो विकेट पर 235 रन बनाए थे। दिन का खेल समाप्त होने के समय टॉम 100 रन पर खेल रहे थे। भारतीय टीम की ओर से हर्ष दुबे और अंशुल कंबोज ने एक-एक विकेट लिया।

नासिर व एथरटन बोले, आरसीबी जीती तो कार्तिक को झेलना कठिन हो जाएगा

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में इस बार शानदार प्रदर्शन करते हुए रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) की टीम फाइनल में पहुंची है और उसके खिताब जीतने की काफी संभावनाएं हैं। इसी को लेकर इंग्लैंड के दो पूर्व क्रिकेटरों नासिर हुसैन और माइकल एथरटन ने टीम के मेंटोर दिनेश कार्तिक को लेकर मजाकिया अंदाज में काहा कि अगर आरसीबी जीती तो कार्तिक को झेलना कठिन हो जाएगा। आरसीबी करीब एक दशक के बाद खिताबी मुकाबले में पहुंची है। इसलिए टीम के क्रिकेट प्रशंसक भी चाहते हैं कि वह खिताब जीते। नासिर ने इसी को लेकर कहा कि अगर कार्तिक मेंटोर के तौर पर अपने पहले ही कार्यकाल में टीम को जीत दिला देते हैं तो कार्तिक का सामना करना कठिन हो जाएगा। पिछले सीजन में आईपीएल से संन्यास लेने वाले कार्तिक को इसी साल टीम का मेंटोर बनाया या था। आईपीएल 2025 की नीलामी के दौरान टीम को एकजुट करने में उन्होंने अहम भूमिका निभाई थी। इंग्लैंड के पूर्व कप्तान ने कहा आरसीबी फाइनल में पहुंच गई है। अगर वे इस बार जीत जाते हैं, तो कार्तिक से बात करना भी कठिन होगा। मेंटर के तौर पर वह पहले ही सत्र में अपनी टीम को जीत दिलाने वाले कोच बन जाएंगे। साथ ही कहा, ये और लोगों के लिए बेहद कठिन होगा। आईपीएल के दूसरे क्वालीफायर की विजेता से आरसीबी फाइनल खेलेगी।

एकदिवसीय क्रिकेट में आईसीसी के नये नियम अगले माह से लागू होंगे

34 ओवरों तक दो नई गेंदों का उपयोग होगा

कन्कशन सब्स्टीट्यूट नियमों में भी बदलाव

दुबई।

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) अगले माह जुलाई 2025 से एकदिवसीय क्रिकेट में नये नियम लागू करने जा रही है। जिससे कि खेल का रोमांच बढ़ सके। एक रिपोर्ट के अनुसार नये नियम से खेल को और अधिक रोमांचक और रणनीतिक रूप से संतुलित बनाना है अभी ये बल्लेबाजों के पक्ष में झुका हुआ है। अब , एकदिवसीय में पिछले एक दशक से लागू दो गेंदों के नियम को हटाया जा रहा है।

अब 34 ओवर के बाद गेंद बदल दी जाएगी जिससे कि रिवर्स स्विंग करन आसान होगा और गेंद और बल्ले के बीच संतुलन भी बैठेगा।

एक रिपोर्ट के अनुसार, एकदिवसीय मैचों में पहले 34 ओवरों तक दो नई गेंदों का उपयोग होगा, लेकिन इसके बाद क्षेत्ररक्षण करने वाली टीम को 35वें से 50वें ओवर तक एक गेंद लेनी होगी। यदि मैच 25 ओवरों या उससे कम का हो, तो केवल एक नई गेंद का उपयोग होगा। यह नियम 2 जुलाई 2025 से श्रीलंका और बांग्लादेश के बीच कोलंबो में शुरू होने वाली एकदिवसीय सीरीज से लागू होगा।

इसके अलावा, आईसीसी ने कन्कशन सब्स्टीट्यूट नियमों में भी बदलाव की घोषणा की है। अब टीमें मैच शुरू होने से पहले रैफरी को 5 खिलाड़ियों की सूची सौंपेंगी, जिसमें एक विकेटकीपर, बल्लेबाज, तेज गेंदबाज, स्पिनर और ऑलराउंडर शामिल होंगे। यह नियम खिलाड़ियों की सुरक्षा और खेल की निष्पक्षता को बढ़ाने के लिए लाया गया है।

ये नियम टेस्ट क्रिकेट में 17 जून से श्रीलंका और बांग्लादेश के बीच गाले में शुरू होने वाले टेस्ट मैच से लागू होंगे, जबकि टी20आई में बदलाव 10 जुलाई से प्रभावी होंगे।

महेला जयवर्धने ने किया साई सुदर्शन की तारीफ

मुल्लांपुर।

आईपीएल 2025 के एलिमिनेटर मुकाबले में साई सुदर्शन की शानदार अर्धशतकीय पारी भी गुजरात टाइटंस को हार से नहीं बचा सकी। मुंबई इंडियंस ने इस रोमांचक मुकाबले में गुजरात को 20 रन से हराकर टूर्नामेंट से बाहर कर दिया। साई सुदर्शन ने 49 गेंदों पर 10 चौकों और एक छक्के की मदद से 80 रनों की जोरदार पारी खेली और टीम को मुकाबले में बनाए रखा, लेकिन अन्य बल्लेबाजों से उन्हें अपेक्षित सहयोग नहीं मिला। सुदर्शन के इस प्रदर्शन ने कई क्रिकेट दिग्गजों का ध्यान अपनी ओर खींचा हैं, जिनमें मुंबई इंडियंस के मुख्य कोच और पूर्व श्रीलंकाई कप्तान महेला जयवर्धने भी शामिल हैं। जयवर्धने ने युवा बल्लेबाज की तकनीक और मानसिक दृढ़ता की खुलकर प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि सुदर्शन की बल्लेबाजी देखकर उन्हें काफी आनंद आया और उन्होंने बाएं हाथ के इस बल्लेबाज को 'शानदार' करार दिया। साथ ही, जयवर्धने ने इंग्लैंड दौरे को लेकर उम्मीद जताई कि सुदर्शन वहां भी अपनी बल्लेबाजी से प्रभावित करेंगे। जयवर्धने ने कहा कि इंग्लैंड की परिस्थितियां चुनौतीपूर्ण होंगी, लेकिन सुदर्शन में वहां भी सफल होने की काबिलियत है। उन्होंने भरोसा जताया कि यह युवा खिलाड़ी भारत के लिए टेस्ट क्रिकेट में बड़ा योगदान देगा। सुदर्शन ने इस आईपीएल सीजन में जबरदस्त प्रदर्शन करते हुए 15 मैचों में 54.21 की औसत से 759 रन बनाए। इस दौरान उन्होंने छह अर्धशतक और एक शानदार शतक भी जड़ा, जिससे वह टूर्नामेंट के टॉप स्कोररों में शामिल हो गए। गुजरात टाइटंस की बल्लेबाजी में सुदर्शन सबसे भरोसेमंद नाम बनकर उभरे। हालांकि टीम का सफर यहीं खत्म हो गया, लेकिन सुदर्शन ने अपने दमदार प्रदर्शन से भविष्य के लिए उम्मीदें जगा दी हैं। दूसरी ओर, मुंबई इंडियंस ने क्वालिफायर 2 में प्रवेश कर लिया है, जहां उनका मुकाबला फाइनल में जगह बनाने के लिए पंजाब किंग्स से होगा, जिसकी कप्तानी श्रेयस अय्यर कर रहे हैं।

रिंकू और सांसद प्रिया की सगाई 8 जून को होगी

मुम्बई।

क्रिकेटर रिंकू सिंह शीघ्र ही शादी के बंधन में बंधने जा रहे हैं। उनकी शादी उत्तरप्रदेश के मछलीशहर की सांसद प्रिया सरोज से इसी साल नवंबर में होगी। एक रिपोर्ट के अनुसार इन दोनो की सगाई इसी माह 8 जून को लखनऊ में होने वाली है। रिंकू भारतीय टी20 क्रिकेट टीम से खेलते हैं। वहीं प्रिया समाजवादी पार्टी की टिकट से सांसद हैं। ऐसे में शादी में क्रिकेटरों के साथ ही कई बड़े राजनेताओं ओर जानी मानी हस्तियों के शामिल होने की उम्मीद है। वहीं प्रिया पेशे से वकील हैं और 2024 के लोकसभा चुनाव में अपने पित की जगह पर उतरीं थीं। रिंकू और प्रिया दोनों एक दूसरे को पहले से ही जानते हैं। इन दोनो की शादी को लेकर इस साल की शुरुआत में सबसे पहले खबरें आयीं थीं पर तब इन दोनो ने ही उन्हें गलत बताया था।

क्या कप्तान बनते ही शुभमन गिल में आई अकड़?

नहीं मिलाया हार्दिक पंड्या से हाथ

नई दिल्ली।

आईपीएल 2025 के एलिमिनेटर मुकाबले में कड़ी टक्कर देने के बावजूद गुजरात टाइटंस मुंबई इंडियंस को हराने में सफल नहीं हो पाए। मुंबई ने मुल्लांपुर में खेले गए इस मैच में गुजरात को 20 रनों से मात दी। 229 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए गुजरात टाइटंस 6 विकेट खोकर 208 रन ही बना सकी। अब मुंबई का मुकाबला फाइनल में पंजाब किंग्स से होगा, जबकि गुजरात को अगली बार नई शुरुआत करनी होगी।

मगर इस मैच में टॉस के दौरान एक ऐसा घटनाक्रम हुआ, जिसने सोशल मीडिया पर खूब चर्चा बटोरी। गुजरात के कप्तान शुभमन गिल ने मुंबई इंडियंस के कप्तान हार्दिक पंड्या से बिना हाथ मिलाए आगे बढ़ना पसंद किया। हार्दिक पंड्या ने हाथ मिलाने की कोशिश की, लेकिन शुभमन गिल ने उससे बचते हुए यह मौका अनदेखा कर दिया। इस नजारे की वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गई और फैंस के बीच अलग-अलग प्रतिक्रियाएं आईं। इस घटना को लेकर कई यूजर्स ने गिल की आलोचना की, तो कुछ ने हार्दिक पंड्या के व्यवहार पर सवाल उठाए।

गौरतलब है कि दोनों खिलाड़ी पहले आईपीएल में गुजरात टाइटंस के लिए खेलते थे। हार्दिक पंड्या गुजरात के कप्तान थे, लेकिन बाद में मुंबई इंडियंस में शामिल होने के बाद शुभमन गिल को गुजरात की कप्तानी सौंपी गई। वहीं, भारतीय क्रिकेट टीम अगले महीने इंग्लैंड के चुनौतीपूर्ण दौरे पर जाएगी। रोहित शर्मा ने सीरीज से पहले टेस्ट क्रिकेट से संन्यास ले लिया है, जिसके बाद शुभमन गिल को टेस्ट टीम की कप्तानी मिली है। इंग्लैंड के खिलाफ पांच मैचों की टेस्ट सीरीज 20 जून से शुरू होगी, जो 4

अगस्त को समाप्त होगी। इस बीच शुभमन गिल पर नए कर्तव्यों और दबावों का दायरा भी बढ़ गया है।

शुभमन को कप्तान बनाये जाने का फैसला सही: धवन

नई दिल्ली।

पूर्व सलामी बल्लेबाज शिखर धवन ने इसी माह होने वाले इंग्लैंड दौरे के लिए युवा बल्लेबाज शुभमन गिल को टेस्ट कप्तान बनाने को सही फैसला बताया है। वहीं कुछ पूर्व क्रिकेटरों ने इसपर सवाल उठाये थे और कहा था कि शुभमन की तो टीम में जगह भी पक्की नहीं है। ऐसे में उन्हें कैसे कप्तान बनाया जा सकता है। इसके अलावा कहा था कि टेस्ट में अब तक उनकी बल्लेबाजी अच्छी नहीं रही है। चयन समिति ने रोहित शर्मा और विराट कोहली के टेस्ट से संन्यास के बाद यह शुभमन को टीम की कप्तान सौंपी थी और कहा था कि भविष्य को देखते हुए ये फैसला किया गया है। धवन ने कहा, मुझे लगता है कि यह एक अच्छा विकल्प है। शुभमन ने हाल ही में आईपीएल में अच्छा प्रदर्शन किया है। वह एक शानदार और परिपक्व खिलाड़ी हैं और कई साल से भारतीय टीम के लिए खेल रहे हैं। मुझे लगता है कि वह टेस्ट कप्तानी संभालने के लिए सही विकल्प हैं। मुझे भरोसा है कि वह अपनी जिम्मेदारी अच्छी तरह से संभालेगा और टीम का नेतृत्व करेगा। यह अब नई पीढ़ी है जिससे काफी उम्मीदें है। इसके साथ ही धवन ने कहा कि मुंबई इंडियंस एक संतुलिन टीम है जो खिताब जीत सकती है। । उन्होंने कहा, इस बार आईपीएल बहुत रोमांचक रहा है। फाइनल के लिए मेरा समर्थन मुंबई इंडियंस के साथ होगा। मुंबई इंडियंस की टीम काफी अच्छा खेल रही है। ये बहुत संतुलित हैं। जिस तरह से उसने शुरुआत झटकों के बाद गति प्राप्त की है वह शानदार है और इसी लिए मैंने उसका समर्थन किया है। एक बहुत मजबूत और संतुलित टीम हैं। इसलिए, मैं मुंबई इंडियंस के साथ हूं।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

राधा का अर्थ है ...मोक्ष की प्राप्ति। रा का अर्थ है मोक्ष और ध का अर्थ है प्राप्ति। कृष्ण जब वृन्दावन से मथुरा गए, तब से उनके जीवन में एक पल भी विश्राम नही था। उन्होंने आततायियों से प्रजा की रक्षा की, राजाओं को उनके लुटे हुए राज्य वापिस दिलवाए और सोलह हज़ार स्त्रियों को उनके स्त्रीत्व की गरिमा प्रदान की। उन्होंने अन्य कईं जनहित कार्यों में अपने जीवन का उत्सर्ग किया।

स्पंदन राधा कृष्ण का

राधा का अर्थ है ...मोक्ष की प्राप्ति। रा का अर्थ है मोक्ष और ध का अर्थ है प्राप्ति। कृष्ण जब वृन्दावन से मथुरा गए, तब से उनके जीवन में एक पल भी विश्राम नही था। उन्होंने आततायियों से प्रजा की रक्षा की, राजाओं को उनके लुटे हुए राज्य वापिस दिलवाए और सोलह हज़ार स्त्रियों को उनके स्त्रीत्व की गरिमा प्रदान की। उन्होंने अन्य कईं जनहित कार्यों में अपने जीवन का उत्सर्ग किया। श्रीकृष्ण ने किसी चमत्कार से लड़ाइयाँ नहीं जीती। बल्कि अपनी बुद्धि योग और ज्ञान के आधार पर जीवन को सार्थक किया। मनुष्य का जन्म लेकर , मानवता की...उसके अधिकारों की सदैव रक्षा की। वे जीवन भर चलते रहे , कभी भी स्थिर नही रहे । जहाँ उनकी पुकार हुई,वे सहायता जुटाते रहे। उधर जब से कृष्ण वृन्दावन से गए, गोपियाँ और राधा तो मानो अपना अस्तित्व ही खो चुकी थी। राधा ने कृष्ण के वियोग में अपनी सुधबुध ही खो दी। मानो उनके प्राण ही न हो केवल काया मात्र रह गई थी। राधा को वियोगिनी देख कर ,कितने ही महान कवियों- लेखकों ने राधा के पक्ष में कान्हा को निर्मोही जैसी उपाधि दी। दे भी क्यूँ न ?

राधा का प्रेम ही ऐसा अलौकिक था...उसकी साक्षी थी यमुना जी की लहरें, वृन्दावन की वे कुंजन गलियाँ , वो कदम्ब का पेड़, वो गोधुली बेला जब श्याम गायें चरा कर वापिस आते थे , वो मुरली की स्वर लहरी जो सदैव वहाँ की हवाओं में विद्यमान रहती थी। राधा जो वनों में भटकती ,कृष्ण कृष्ण पुकारती,अपने प्रेम को अमर बनाती,उसकी पुकार सुन कर भी ,कृष्ण ने एक बार भी पलट कर पीछे नही देखा। ...तो क्यूँ न वो निर्मोही एवं कठोर हृदय कहलाए। राधा का प्रेम ही ऐसा अलौकिक था...उसकी साक्षी थी यमुना जी की लहरें , वृन्दावन की वे कुंजन गलियाँ , वो कदम्ब का पेड़, वो गोधुली बेला जब श्याम गायें चरा कर वापिस आते थे , वो मुरली की स्वर लहरी जो सदैव वहाँ की हवाओं में विद्यमान रहती थी ... किन्तु कृष्ण के हृदय का स्पंदन किसी ने नहीं सुना। स्वयं कृष्ण को कहाँ कभी समय मिला कि वो अपने हृदय की बात..मन की बात सुन सकें। या फिर क्या यह उनका अभिनय था? जब अपने ही कुटुंब से व्यथित हो कर वे प्रभास -क्षेत्र में लेट कर चिंतन कर रहे थे तब जरा के छोडे तीर की चुभन महसूस हुई। तभी उन्होंने देहोत्सर्ग करते हुए, राधा शब्द का उच्चारण किया। जिसे जरा ने सुना और उद्धव को जो उसी समय वह पहुँचे..उन्हें सुनाया। उद्धव की आँखों से आँसू लगतार बहने लगे। सभी लोगों को कृष्ण का संदेश देने के बाद ,जब उद्धव ,राधा के पास पहुँचे ,तो वे केवल इतना कह सके -

राधा, कान्हा तो सारे संसार के थे,
किन्तु राधा तो केवल कृष्ण के हृदय में थी

कष्टहरता जय हनुमान...

हनुमान बजरंगबली और महावीर के नामों से जाने जाने वाले पवनसुत सप्त चिरंजीवियों में से एक हैं। पद्म-पुराण के 56-6-7 वें श्लोक में उनका अन्य छः चिरंजीवियों के साथ नाम इस प्रकार आता है-

अश्वत्थामा बलिव्यासो हनुमानन्च विभीषण।
कृप परशुरामश्च सप्तैत चिरंजीविन ।

वस्तुतः रामभक्त, संकटमोचन, रामसेवक, रामदूत, केशरीनंदन, आंजनेय, अंजनीसुत, कपीश, कपिराज, पवनसुत और संकटमोचक के रूप में विख्यात हनुमान अपने भक्तों को व्याधियों व संकटों, वेदनाओं तथा परेशानियों से मुक्ति दिलाते हैं।

हनुमान भक्ति व पूजा का लाभ

हर व्यक्ति को जीवन में अनेक समस्याओं से गुजरना पड़ता है, ऐसे में हनुमानजी का स्मरण उसकी कष्टों से रक्षा करता है। जहाँ हनुमानजी का नाम मुश्किलों से बचाव करता है, वहीं वह मन से अनजाने भय को निकालकर शुभ व मंगल का पथ प्रशस्त करता है, विपत्तियों से मुक्ति दिलाता है।

वास्तव में, हनुमानजी रामभक्ति, सत्य मर्यादा, ब्रह्मचर्य, सदाचार व त्याग की चरम सीमा हैं। इसका सविस्तार वर्णन हमें सुंदरकांड में मिलता है। इसीलिए सुंदरकांड का पाठ करने से अनिष्ट, अमंगल तथा संकट की समाप्ति होती है, और नेष्ट का रास्ता खुलता है। सुंदरकांड का पाठ करने से हनुमानजी प्रसन्न होते हैं, तथा भक्त को सुपरिणाम प्रदान करते हैं।

कार्यसिद्धि के लिए भी सुंदरकांड का पाठ किया जाता है। परंतु इस हेतु पाठ अमावस्या की रात्रि से शुरू करके नियमित रूप से 45 दिन करना चाहिए। इसके अतिरिक्त नवरात्रि के समय भी सुंदरकांड का पाठ करना उचित माना जाता है। एक ऐसी भी मान्यता है कि नौ ग्रहों को रावण की कैद से केशरीनंदन ने ही मुक्त कराया था। उस समय शनि ने हनुमानजी को वचन दिया था कि- हे हनुमान! जो कोई भी आपकी पूजा-अर्चना करेगा, मैं उसे नहीं सताऊँगा। साधक को मंगलवार व शनिवार की पूजा करने से विशेष लाभ प्राप्त होता है। यथार्थ तो यह है कि कलियुग में महावीर हनुमान का नाम सही अर्थों में संकटमोचन है।

माँ गंगा का प्राकट्य

शिव का हिमालय और गंगा से घनिष्ठ संबंध है और गंगा से उनके संबंध की कथा से लोकप्रिय चित्रांकन बड़ा समृद्ध हुआ है। हिंदुओं के लिए समस्त जल, चाहे वह सागर हो या नदी, झील या वर्षाजल, जीवन का प्रतीक है और उसकी प्रकृति दैवी मानी जाती है। इस संदर्भ में प्रमुख हैं तीन पवित्र नदियाँ- गंगा, यमुना और काल्पनिक सरस्वती। इनमें से पहली नदी सर्वाधिक महत्वपूर्ण है।

चूँकि गंगा स्त्रीलिंग हैं, इसलिए उसे लंबे केशों वाली महिला के रूप में अंकित किया जाता है। देवी के रूप में गंगा उन सबके पाप धो देती है जो इतने भाग्यशाली हों कि उनकी भस्म उसके पवित्र जल में प्रवाहित की जाए। ब्रह्मवैवर्त पुराण में गंगा को संबोधित करने वाले एक पद में स्वयं शिव कहते हैं- पृथ्वी पर लाखों जन्म-जन्मान्तर के दौरान एक पापी जो पाप के पहाड़ जुटा लेता है, गंगा के एक पवित्र स्पर्श मात्र से लुप्त हो जाता है। जो भी व्यक्ति इस पवित्र जल से आर्द्र हवा में साँस भी ले लेगा, वह निष्कलंक हो जाएगा। विश्वास किया जाता है कि गंगा के दिव्य शरीर के स्पर्श मात्र से हर व्यक्ति पवित्र हो जाता है। भारतीय देवकथा में सर्वाधिक रंगीन कहानियाँ हैं उन परिस्थितियों के बारे में जिनमें गंगा स्वर्गलोक से उतरकर पृथ्वी पर आई थीं।

एक समय कुछ राक्षस थे जो ब्राह्मण ऋषि-मुनियों को तंग करते थे और उनके भजन-पूजा में बाधा डाला करते थे। जब उनका पीछा किया जाता था तो वे समुद्र में छिप जाते थे, मगर रात में फिर आकर सताया करते थे। एक बार ऋषियों ने ऋषि अगस्त्य से प्रार्थना की कि वे उनको राक्षसी प्रलोभन की यातना से मुक्त करें। उनकी सहायता के उद्देश्य से अगस्त्य ऋषि राक्षसों समेत समुद्र को पी गए। इस प्रकार उन राक्षसों का अंत हो गया किंतु पृथ्वी जल से शून्य हो गई। तब मनुष्यों ने एक और ऋषि भगीरथ से प्रार्थना की कि वे सूखे की विपदा से उन्हें छुटकारा दिलाएँ। इतना बड़ा वरदान पाने के योग्य बनने के लिए भगीरथ ने तपस्या करने में एक हजार वर्ष बिता दिए और फिर ब्रह्मा के पास गए और उनसे प्रार्थना की कि वे स्वर्गलोक की नदी गंगा को- जो आकाश की नक्षत्र धाराओं में से एक थी- पृथ्वी पर उतार दें। भगीरथ की तपस्या से प्रसन्न होकर ब्रह्मा ने यथाशक्ति प्रयत्न करने का वचन दिया और कहा कि वे इस मामले में शिव से सहायता माँगेंगे। उन्होंने समझाया कि अगर स्वर्गलोक की वह महान नदी अपने पूरे वेग और समस्त जल के भार के साथ पृथ्वी पर गिरी तो भूकंप आ जाएँगे और उसके फलस्वरूप बहुत विध्वंस होगा। अतः किसी को उसके गिरने का आघात सहकर उसका धक्का कम करना होगा और यह काम शिव के अतिरिक्त और कोई नहीं कर सकता। भगीरथ उपवास और प्रार्थनाएँ करते रहे। समय आने पर शिव पसीजे। उन्होंने गंगा को अपनी धारा पृथ्वी पर गिराने दी और उसके आघात को कम करने के लिए उन्होंने पृथ्वी और आकाश के बीच अपना सिर रख दिया। स्वर्गलोक का जल तब उनके केशों से होकर हिमालय में बड़े सुचारु रूप से बहने लगा और वहाँ से भारतीय मैदानों में पहुँचा जहाँ वह समृद्धि, स्वर्गलोक के आशीर्वाद और पापों से मुक्ति लेकर आया।

कौन थीं कृष्ण की 16108 रानियां?

श्रीकृष्ण का नाम आते ही हमारे मन असीम प्रेम उमड़ता है। सभी जानते हैं कि असंख्य गोपियां थी जो श्रीकृष्ण से अनन्य प्रेम करती थीं। परंतु उनकी शादी श्रीकृष्ण से नहीं हो सकी। श्रीकृष्ण की प्रमुख पटरानी रुकमणी पटरानी रुकमणी सहित उनकी 8 पटरानियां एवं 16100 रानियां थीं। कुछ विद्वानों का यह मत है कि कृष्ण की प्रमुख रानियां तो आठ ही थीं, शेष 16,100 रानियां प्रतीकात्मक थीं। इन्हें वेदों की ऋचाएं माना गया है। ऐसा माना जाता है चारों वेदों में कुल एक लाख श्लोक हैं। इनमें से 80 हजार श्लोक यज्ञ के हैं, चार हजार श्लोक पराशक्तियों के हैं। शेष 16 हजार श्लोक ही गृहस्थों या आम लोगों के उपयोग के अर्थात भक्ति के हैं। इन श्लोकों को ऋचाएं कहा गया है, ये ऋचाएं ही भगवान कृष्ण की पत्नियां थीं। श्रीकृष्ण की प्रत्येक रानी से 10-10 पुत्र एवं प्रत्येक रानी से 1-1 पुत्री का जन्म हुआ।

क्या है कृष्ण की रासलीला का सच ?

कुछ लोग अपने आपको कृष्ण भक्त या कृष्ण के अनुयाई बताकर चेहरे पर बड़े गर्व के भाव व्यक्त करते हुए घूमते हैं। यदि उनसे पूछा जाए कि क्या है कृष्ण का मतलब? क्या था कृष्ण का व्यक्तित्व, और क्या क हते हैं कृष्ण अपनी गीता में क्या रसिया कृष्ण की गीता में रासलीला का बड़ा ही सुन्दर वर्णन आया है इतना पूछने पर, अपने आप को कृष्ण का अनुयाई कहने वाले ये तथाकथित कृष्ण भक्त खिसियाकर बगलें झांकने लगते हैं।

वास्तविकता यह है कि रास शब्द रस से ही बना है। जबकि रस शब्द का अर्थ है आनंद। आगे चलकर हम देखते हैं कि संगीत के साथ किये जाने वाले नृत्य को ही काव्य अथवा साहित्य में रास संज्ञा से सूचित किया जाने लगा। पता नहीं रासलीला को लेकर समाज में यह गलत मान्यता कैसे प्रचलित हो गई। संस्कृत कवि जयदेव ने अपने काव्य में कृष्ण को नायक बनाकर कई श्रृंगारिक गीतों की रचना की जो कि पूरी तरह काल्पनिक एवं मनगढ़ंत हैं। जयदेव की परंपरा को ही बाद में विद्यापति....से लेकर सूरदास ने आगे बढ़ाया।

नौ वर्ष के कृष्ण- एक अति महत्वपूर्ण बात और भी है जिससे बहुत कम ही लोग परिचित हैं। वह यह है कि जब कृष्ण ने हमेशा-हमेशा के लिये गोकुल-वृंदावन छोड़ा तब उनकी उम्र मात्र नौ वर्ष की थी। इससे यह तो स्पष्ट ही है कि कृष्ण जब गोप-गोपिकाओं के साथ गौकुल-वृंदावन में थे तब नौ वर्ष से भी छोटे रहे होगें। अति मनोहर रूप, बांसुरी बजाने में अत्यंत निपुण, अवतारी आत्मा होने के कारण जन्मजात प्रतिभाशाली आदि तमाम बातों के कारण वे आसपास के पूरे क्षेत्र में अत्यंत् लोकप्रिय थे। नौ वर्ष के बालक का गोपियों के साथ नृत्य करना एक विशुद्ध प्रेम और आनंद का ही विषय हो सकता है। अत कृष्ण रास को शारीरिक धरातल पर लाकर उसमें मोजमस्ती या भोग विलास जेसा कुछ ढूंढना इंसान की स्यवं की फितरत पर निर्भर करता है। कृष्ण के प्रति कोई राय बनाने से पूर्व इंसान को गीता को समझना होगा क्योंकि उसके बिना कोई कृष्ण को वास्तविक रूप में समझ ही नहीं पाएगा।

कुछ आसान और
अचूक टोटके

समय की कमी और भागदोड़ से भरी जिंदगी ने आज इंसान को हेरान परेशान कर रखा है। यहां हम जिन टोटकों यानि कि युक्तियों को दे रहें हैं वे ऐसी ही अद्भुत और कारगर युक्तियां हैं। ये तुलसी रामायण के प्रामाणिक और शक्ति सम्पन्न अंस हैं। जिनको सूर्योदय से पूर्व पूर्ण शांत एवं पूर्ण एकांत स्थान पर मात्र 15 मिनिट मंत्र की तरह जपने से इच्छित मनोकामना अवश्य पूर्ण होती है।

- धन-समृद्धि की वृद्धि के लिये - जे सकाम नर सुनहिं जे गावहिं, सुख सम्पति नाना विधि पावहिं ।
- मुकद्दमा जीतने के लिये - पवन तनय बल पवन समाना, बुद्धि विवेक विज्ञान निधाना ।
- पुत्र प्राप्ति के लिये - प्रेम मगन कोशल्या निशिदिनि जात न जान, पुत्र सनेह बस माता बालचरित कर गान ।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

भारत में कोरोना के नए सब-वैरिएंट्स ने बढ़ाई चिंता, 24 घंटे में 4 की मौत 685 आए नए मामले

नई दिल्ली।

भारत में कोरोना के नए सब-वैरिएंट्स ने चिंता बढ़ा दी है। पिछले 24 घंटे में 4 लोगों की मौत हुई है और 685 नए मामले आए हैं। सबसे ज्यादा सक्रिय मामले केरल (1,336), महाराष्ट्र (467), दिल्ली (375), गुजरात (265), कर्नाटक (234), पश्चिम बंगाल (205), तमिलनाडु (185) और उत्तर प्रदेश (117) में हैं। स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय के ताजा आंकड़ों के अनुसार, शनिवार, 31 मई तक देश में 3,395 सक्रिय मामले दर्ज किए गए हैं। पिछले 24 घंटों में 685 नए मामले सामने आए हैं, जबकि चार लोगों की मौत हुई है। इनमें से एक-एक मौत दिल्ली, केरल, कर्नाटक और उत्तर प्रदेश में हुई है।

दिल्ली में 375 सक्रिय मामले हैं, जो पिछले दिन की तुलना में 81 ज्यादा हैं। यहां एक 71 वर्षीय व्यक्ति की निमोनिया, सेप्टिक शॉक और तीव्र किडनी की समस्या के कारण मृत्यु हुई। वहीं, महाराष्ट्र में 43 नए मामले दर्ज किए गए। कर्नाटक में बेंगलुरु के एक निजी अस्पताल में 63 वर्षीय व्यक्ति की कोविड-19 और अन्य बीमारियों के कारण मृत्यु हो गई। कर्नाटक सरकार ने स्कूलों के जल्द खुलने को देखते हुए अभिभावकों से अपील की है कि बुखार, खांसी या सर्दी के लक्षण दिखने पर बच्चों को स्कूल न भेजें। स्वास्थ्य अधिकारियों ने लोगों से घबराने की बजाय सावधानी बरतने की सलाह दी है। ज्यादातर मामले हल्के हैं, और पिछले 24 घंटों में 265 मरीज अस्पतालों से डिस्चार्ज हुए हैं। टीकाकरण को सबसे प्रभावी सुरक्षा माना जा रहा है। भीड़भाड़ वाली जगहों पर मास्क पहनने की सलाह दी गई है, खासकर बुजुर्गों और गंभीर बीमारियों से पीड़ित लोगों के लिए। कई राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों ने अस्पतालों में बेड, ऑक्सीजन, एंटीबायोटिक्स और अन्य दवाओं की तैयारी बढ़ाने के निर्देश दिए हैं। हाल के मामलों में उछाल का कारण दो नए सब-वैरिएंट्स एनबी.1.8.1 और एलएफ.7 को माना जा रहा है। ये वैरिएंट्स पुराने स्ट्रेन से जेनेटिक रूप से अलग हैं और इम्यून सिस्टम को चकमा देने की क्षमता रखते हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने इन्हें 'वैरिएंट्स अंडर मॉनिटरिंग' की श्रेणी में रखा है, क्योंकि ये चीन, ताइवान, हांगकांग और ऑस्ट्रेलिया जैसे देशों में तेजी से फैल रहे हैं। हालांकि, इनसे बीमारी की गंभीरता बढ़ने के सबूत नहीं मिले हैं, लेकिन इनकी तेजी से फैलने की क्षमता ने स्वास्थ्य अधिकारियों को सतर्क कर दिया है।

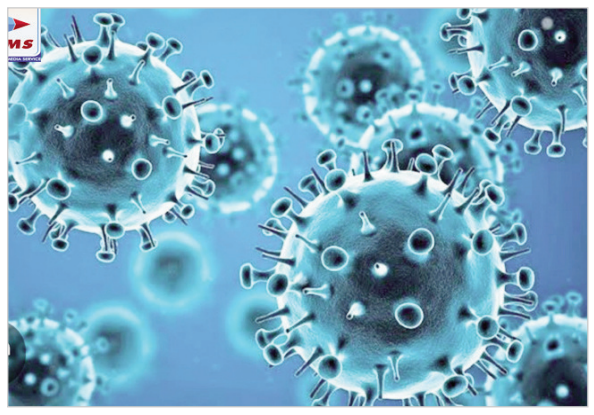

सीडीएस ने भी माना विमान गिराए गए फिर भी हमें देशद्रोही कहा जा रहा

पवन खेड़ा ने कहा- किन परिस्थितियों में सीजफायर हुआ सरकार को देना होगा जवाब

नई दिल्ली।

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पवन खेड़ा ने ऑपरेशन सिंदूर पर सीडीएस जनरल अनिल चौहान के एक बयान को आधार बनाकर केंद्र सरकार पर रविवार को निशाना साधा। पवन खेड़ा ने कहा कि देश की जनता को यह जानने का हक है कि किन परिस्थितियों में भारत-पाक के बीच सीजफायर हुआ। उन्होंने कहा कि हम लगातार जो सवाल उठा रहे हैं, उसके कारण हमें देशद्रोही कहा जा रहा है। अब तो सीडीएस ने भी विदेश जाकर स्वीकार कर लिया है कि हमारे विमान गिराए गए। पवन खेड़ा ने कहा कि देश को यह जानने का अधिकार है कि किन परिस्थितियों में ऐसा हुआ। इसके क्या कारण थे और इसका समाधान क्या है। भारत-पाक के बीच इतनी जल्दी सीजफायर क्यों किया गया, जबकि हमारी सेनाओं ने पाकिस्तान को घुटने पर लाने के लिए कोई कसर नहीं छोड़ी थी। सवाल यह है कि केंद्र सरकार अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से इतना क्यों डरती है। केंद्र सरकार से सारे सवाल पूछे जाएंगे और उन्हें जवाब देना होगा। इसलिए, कांग्रेस पार्टी संसद का विशेष सत्र बुलाने की मांग कर रही है। ऑपरेशन सिंदूर पर क्रेडिट लेने के एक सवाल पर पवन खेड़ा ने कहा कि पीएम मोदी ट्रंप के आंखों में आंख मिलाकर क्यों नहीं कहते हैं कि सीजफायर को लेकर मध्यस्थता की बात झूठी है। पूरा देश पीएम मोदी के साथ खड़ा हो जाएगा। केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान के बिहार विधानसभा चुनाव लड़ने के बयान पर पवन खेड़ा ने कहा कि आने वाले दिनों, हफ्तों और महीनों में बहुत कुछ होने वाला है। पीएम मोदी को तैयार रहना चाहिए और सीट बेल्ट बांधकर बैठ जाना चाहिए। खेड़ा का दावा है कि बिहार में विधानसभा चुनाव से पहले कई समीकरण बदलेंगे। वहीं, चिराग पासवान के चुनाव लड़ने पर आरएलडी नेता मलूक नागर ने कहा कि यह अच्छी बात है वह बड़े नेता हैं। वह चुनाव लड़ते हैं तो एनडीए की सरकार बिहार में बनेगी। चिराग बिहार में चुनाव लड़ेंगे तो उनकी पार्टी को ही मजबूती मिलेगी।

वेतन आयोग के अध्यक्ष और अन्य सदस्यों की नियुक्ति के बचे सिर्फ 7 माह

नई दिल्ली।

केंद्र की मोदी सरकार ने इस साल जनवरी में 8वें वेतन आयोग को मंजूरी दे दी थी और उसके बाद संबंधित अधिकारियों के साथ विचार-विमर्श शुरू हुआ था। ताकि संदर्भ की शर्तों (टीओआर) को अंतिम रूप दे सके और संभावित आयोग के सदस्यों के काम शुरू करने के तौर-तरीकों को अंतिम रूप दिया जा सके।

हालांकि, केंद्र ने अभी तक आयोग के अध्यक्ष और अन्य सदस्यों की नियुक्ति की आधिकारिक घोषणा नहीं की है। पिछले महीने सर्कुलर जारी था जिसमें प्रतिनियुक्ति के आधार पर लगभग 35 पदों को भरने के केंद्र सरकार के प्रस्ताव के बारे में जानकारी दी गई थी।

इन पदों को भरने के लिए योग्य सरकारी कर्मचारियों से आवेदन मांगे गए थे। तब से, मीडिया में टीओआर को अंतिम रूप देने और सदस्यों की नियुक्तियों के बारे में अटकलें लगाने वाली कई रिपोर्टें आई हैं।

दरअसल मई का महीना खत्म हो गया है और इसके बाद 1 जनवरी 2026 की डेडलाइन पर इस लागू होने में सिर्फ 7 महीने शेष हैं।

मौजूदा 7वें वेतन आयोग का कार्यकाल 31 दिसंबर 2025 को खत्म हो रहा है। अब तक की प्रगति को देखकर कहना मुश्किल है कि सरकार 8वें वेतन आयोग को समय पर लागू कर पाएगी।

इसके बाद 1 जनवरी 2026 से लागू होने की संभावना काफी कम है। अब सवाल उठता है कि अगर कोई कर्मचारी 1 जनवरी 2026 या उसके बाद रिटायर होता है, लेकिन तब तक 8वें वेतन आयोग की सिफारिशें लागू नहीं हुई हैं, तब क्या उन्हें इसका लाभ मिलेगा? इसका जवाब है हां। इसतरह के सभी कर्मचारियों को एरियर के रूप में वेतन संशोधन का लाभ भी मिलेगा। ऐसा पहले भी हो चुका है। 7वें वेतन आयोग के समय करीब एक साल की देरी हुई थी, लेकिन सभी कर्मचारियों और पेंशनरों को बकाया दिया गया था।

देश के गद्दारों को कोने-कोने में ढूंढ रही एनआईए, 8 राज्यों में 15 ठिकानों पर दी दबिश

नई दिल्ली।

देश को गद्दारों को कोने कोने से एनआईए निकालने में जुटी है। शनिवार को एनआईए ने पाकिस्तान से जुड़े एक जासूसी रैकेट की जांच के तहत देशभर के 8 राज्यों में 15 ठिकानों पर छापेमारी की।

जिन राज्यों में ये छापे पड़े, उनमें दिल्ली, महाराष्ट्र (मुंबई), हरियाणा, उत्तर प्रदेश, राजस्थान, छत्तीसगढ़, असम और पश्चिम बंगाल शामिल हैं। ये छापेमारी उन लोगों के घरों और ठिकानों पर की गई जो पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी से जुड़े होने के शक में हैं। सीआरपीएफ के जवान को जासूसी के आरोप में पकड़े जाने के बाद अब इस मामले में राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने कमान संभाल ली है। एनआईए के मुताबिक, छापों के दौरान एजेंसी को कई इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस, गोपनीय दस्तावेज और संदिग्ध आर्थिक लेन-देन के रिकॉर्ड मिले हैं। अब इन सभी सामग्रियों की बारीकी से जांच की जा रही है ताकि इस जासूसी नेटवर्क की जड़ तक पहुंचा जा सके।

मामला उस वक्त सामने आया जब सीआरपीएफ के एक असिस्टेंट सब इंस्पेक्टर मोती राम जाट को गोपनीय जानकारी लीक करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया। एनआईए की जांच में पता चला कि मोती राम साल 2023 से पाकिस्तान के एजेंटों को संवेदनशील जानकारी दे रहा था और इसके बदले में उसे भारत के अलग-अलग माध्यमों से पैसे भी मिलते थे।

सीआरपीएफ ने उसे नौकरी से बर्खास्त कर दिया है। इस पूरे मामले की जांच एनआईए कर रही है और केस भारतीय न्याय संहिता, ऑफिशियल सीक्रेट्स एक्ट और यूएपीए के तहत दर्ज किया गया है।

सिक्किम में लगातार बारिश और भूस्खलन से रास्ते बंद करीब 1,500 पर्यटक फंसे

मंगन।

सिक्किम में लगातार बारिश और भूस्खलन के कारण मुख्य मार्ग के बाधित होने से उत्तर सिक्किम के विभिन्न हिस्सों में करीब 1,500 पर्यटक फंस गए। अधिकारियों ने इसकी जानकारी दी।

अधिकारियों ने बताया कि दूसरी ओर भारी बारिश के कारण लापता आठ पर्यटकों की तलाश में बाधा आई और तीस्ता नदी में जलस्तर बढ़ने के बाद अंततः तलाशी अभियान रोकना पड़ा है। मंगन जिले में तीस्ता नदी में एक वाहन के गिर जाने से एक व्यक्ति की मौत हो गई और दो अन्य घायल हो गए, जबकि आठ अन्य लापता हैं। लाचेन-लाचुंग राजमार्ग पर मुन्सिथांग के पास यह वाहन 1,000 फुट से अधिक गहराई में नदी में गिर गया था।

मंगन के पुलिस अधीक्षक (एसपी) सोनम देचू भूटिया ने बताया कि लाचेन में 115 पर्यटक और लाचुंग में 1,350 पर्यटक फंसे हुए हैं। उन्होंने कहा, ''कई स्थानों पर भूस्खलन के कारण दोनों ओर से निकलने के रास्ते बंद है, इसलिए पर्यटकों को अपने होटलों में ही ठहरने की सलाह दी गई है और सड़कें पूरी तरह खुल जाने के बाद उन्हें स्थानांतरित कर दिया जाएगा।''

अधिकारियों ने बताया कि रविवार तक पेयजल आपूर्ति बहाल करने के प्रयास जारी हैं। उन्होंने बताया कि करीब 24 घंटे बाद अपराह्न लगभग तीन बजे मोबाइल नेटवर्क सेवाएं बहाल हो सकी।

पुलिस अधिकारी ने बताया कि क्षेत्र में बादल फटने से हुई भारी वर्षा के कारण तीस्ता नदी का जलस्तर बढ़ गया है। उन्होंने कहा, ''आज कोई पर्यटक परमिट जारी नहीं किया गया है और कल भी उत्तर सिक्किम जाने के लिए परमिट जारी नहीं किया जाएगा।''

एक ही मंच पर इतनी सुंदरता, गरिमा और खूबसूरत दिल दिखे

अभिनेत्री नम्रता शिरोडकर ने की मिस वर्ल्ड प्रतियोगियों की तारीफ

मुंबई।

1993 में फेमिना मिस इंडिया बनी अभिनेत्री नम्रता शिरोडकर ने मिस वर्ल्ड 2025 की सभी प्रतियोगियों के लिए खुशी जाहिर की है। उन्होंने कहा कि एक ही मंच पर इतनी सुंदरता, गरिमा और खूबसूरत दिल दिखाई दिए। इसके साथ ही उन्होंने मिस थाईलैंड ओपल सुचाता चुआंगसरी को 72वीं मिस वर्ल्ड प्रतियोगिता जीतने पर बधाई दी।

नम्रता ने मिस वर्ल्ड ऑर्गेनाइजेशन की अध्यक्ष और सीईओ जूलिया मोर्ले से मुलाकात की और कहा कि उनसे मिलकर बहुत अच्छा लगा। नम्रता ने अपने इंस्टाग्राम पर इवेंट की कई तस्वीरें शेयर कीं हैं, जिनमें वह जूलिया मोर्ले, सोनू सूद और मानुषी छिल्लर के साथ दिख रही हैं। उन्होंने कैप्शन में लिखा- एक ही मंच पर इतनी सुंदरता, गरिमा और खूबसूरत दिल दिखाई दिए। सभी अद्भुत प्रतियोगियों को बधाई। आप सब बहुत ही शानदार थे।

उन्होंने अपने पोस्ट में लिखा- वाह, क्या जादुई शाम थी! जूलिया मोर्ले से मिलकर बहुत अच्छा लगा। मिस वर्ल्ड 2025 की जीत के लिए मिस थाईलैंड ओपल सुचाता चुआंगसरी को बहुत-बहुत शुभकामनाएं!

इस साल मिस वर्ल्ड 2025 का आयोजन हैदराबाद में किया गया। इसमें दुनियाभर से करीब 108 प्रतियोगियों ने हिस्सा लिया। भारत की ओर से मॉडल नंदिनी गुप्ता ने इसमें हिस्सा लिया। हालांकि, वे मिस वर्ल्ड 2025 के खिताब की दौड़ में टॉप-20 तक ही जगह बना पाई।

चेक गणराज्य की मौजूदा मिस वर्ल्ड क्रिस्टीना पिस्जकोवा ने अपना ताज नई मिस वर्ल्ड चुआंगसरी को सौंपा। चुआंगसरी ने कहा कि यह मेरे लिए बहुत बड़ी सफलता है। थाईलैंड को मिस वर्ल्ड के मंच पर पहचान मिलने पर मुझे गर्व है। यह हमारा पहला मिस वर्ल्ड का ताज है और हमने इसे पाने के लिए 70 साल से ज्यादा इंतजार किया है।

जासूसी मामले में एनआईए ने राजस्थान समेत 8 राज्यों में मारे छापे

सीआरपीएफ एएसआई मोतीराम जाट मामले में छापेमारी

पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी पीआईओस से कनेक्शन, अहम दस्तावेज जब्त

जयपुर।

पाकिस्तान से जुड़े जासूसी मामले में एनआईए ने बड़ा एक्शन लिया है। एनआईए ने देश के आठ राज्यों में फैले 15 ठिकानों पर एक साथ छापे मारे। ये छापेमारी दिल्ली, मुंबई, हरियाणा, उत्तर प्रदेश, राजस्थान, छत्तीसगढ़, असम और पश्चिम बंगाल में की गई, जिन लोगों के यहां छापे मारे गए उनका संबंध पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी पाक इंटेलिजेंस ऑपरेटिव्स (पीआईओस) से बताया जा रहा है।

सीआरपीएफ के एएसआई मोतीराम जाट जिसे हाल में एनआईए ने गिरफ्तार किया था जासूसी मामले में उसी मामले में छापा मारा है। मोतीराम जाट को 20 मई को एनआईए ने गिरफ्तार किया था। मोतीराम जाट पहलगाम हमले से पहले वहीं पोस्टेड था। हमले से पांच दिन पहले एएसआई मोतीराम जाट का पहलगाम से ट्रांसफर किया गया था। मोतीराम की पहलगाम हमले में भूमिका का अभी पता नहीं चल सका है। एनआईए के डीजी ने बताया है कि अभी तक की जांच में इसका पहलगाम हमले से कोई कनेक्शन सामने नहीं आया है।

छापेमारी में एनआईए की टीमों ने कई इलेक्ट्रॉनिक डिवाइसेज़, संदिग्ध दस्तावेज़ और कुछ अहम फाइनेंशियल कागजात बरामद किए हैं। ये सब जांच के लिए एनालाइज किए जा रहे हैं, ताकि इस पूरे जासूसी नेटवर्क का पता लगाया जा सके। एनआईए की जांच में सामने आया है कि जिन लोगों के यहां छापे मारे गए हैं, उनका सीधा कनेक्शन पाकिस्तान में बैठे ऑपरेटिव्स से था। ये लोग जासूसी के लिए फाइनेंशियल चैनल के तौर पर काम कर रहे थे।

इस मामले में एनआईए ने 20 मई को मामला दर्ज किया था। इससे पहले एक आरोपी को गिरफ्तार भी किया था जो 2023 से पाकिस्तान को संवेदनशील जानकारी भेज रहा था। इसके बदले उसे भारत में कई सोर्सेस से पैसे मिल रहा था। अब इस मामले में एनआईए ने और कड़ियां जोड़ते हुए ये छापेमारी की। मामले में कई धाराओं के तहत जांच चल रही है।

मीडिया रिपोर्ट में एनआईए सूत्रों के मुताबिक जासूसी के शक में राजस्थान के तीन जगहों पर छापेमारी की गई है।

हालांकि, ये साफ नहीं है कि टीमें किन शहरों में पहुंची हैं। राजस्थान के अलावा दिल्ली, महाराष्ट्र, हरियाणा, उत्तर प्रदेश, राजस्थान, छत्तीसगढ़, असम और पश्चिम बंगाल राज्यों में 15 ठिकानों पर छापेमारी की गई है। संदिग्धों के घरों, कार्यालयों में दबिश दी गई है। तलाशी के दौरान एनआईए की टीम को कई इलेक्ट्रॉनिक गैजेट, पैसों का ट्रांजैक्शन, मोबाइल कॉल डिटेल, मोबाइल से फोटो और मैसेज रिकवर हुए हैं। इस दौरान गिरफ्तार किए गए लोगों से पूछताछ जारी है।

पहले ईडी अब आयकर विभाग के वरिष्ठ अधिकारी को रिश्वत लेते पकड़ा, सीबीआई की करप्शन के खिलाफ जीरो टॉलरेंस नीति

नई दिल्ली।

भ्रष्टाचार के खिलाफ केंद्रीय जांच एजेंसी सीबीआई का शिकंजा लगातार कस रहा है। पहले प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के एक अधिकारी को गिरफ्तार किया और अब आयकर विभाग के एक वरिष्ठ आईआरएस अधिकारी को रंगे हाथों रिश्वत लेते हुए गिरफ्तार किया है। सीबीआई ने जिस अधिकारी को गिरफ्तार किया है, उनका नाम अमित कुमार सिंघल है। वे 2007 बैच के आईआरएस अधिकारी हैं। वर्तमान में वे नई दिल्ली स्थित आयकर सेवा निदेशालय में सीनियर एडिशनल डायरेक्टर जनरल के पद पर तैनात थे। सीबीआई के अनुसार, सिंघल ने एक शिकायतकर्ता से 25 लाख रुपये की रिश्वत की मांगी थी। यह रकम कथित तौर पर एक कारोबारी के टैक्स मामलों में मदद करने के लिए मांगी गई थी। सीबीआई ने योजना बनाकर सिंघल को रिश्वत लेकर रंगे हाथों पकड़ा। मामले में केवल अधिकारी ही नहीं, बल्कि निजी व्यक्ति हर्ष कोटक को भी गिरफ्तार किया है। हर्ष कोटक इस घूसखोरी में बिचौलिए की भूमिका में था। यह गिरफ्तारी तब हुई है, जब हाल ही में सीबीआई ने ईडी के एक अधिकारी को भी भ्रष्टाचार के आरोप में गिरफ्तार किया था। इसमें सीबीआई की ये लगातार कार्रवाई करप्शन के खिलाफ जीरो टॉलरेंस नीति का संकेत देती है। घटनाक्रम न केवल प्रशासनिक जवाबदेही को बल देता है, बल्कि यह भी दर्शाता है कि सरकारी सिस्टम में खुद-सुधार की प्रक्रिया सक्रिय है।

संक्षिप्त समाचार

भारतीय तटरक्षक बल ने अस्वस्थ कैप्टन को सुरक्षित रूप से निकाला

नई दिल्ली। भारतीय तटरक्षक बल ने मध्य रात्रि में मानवीय सहायता प्रदान करते हुए समुद्र में बहामास के ध्वज वाले एक जहाज से अस्वस्थ कैप्टन को सुरक्षित रूप से निकाला। भारतीय तटरक्षक बल (आईसीजी) ने पोस्ट में कुछ तस्वीरें साझा कर यह जानकारी दी। इसमें बताया गया कि आधी रात को बचाव अभियान में भारतीय तटरक्षक बल स्टेशन (काकीनाडा) ने एक जीवन रक्षक चिकित्सा निकासी अभियान का समन्वय किया। आईसीजीएस 430 ने 1 बजकर 10 मिनट पर बहामास के ध्वज वाले जहाज से अस्वस्थ कैप्टन को सुरक्षित रूप से निकाला, जिन्हें दिल का दौरा पड़ा था। मरीज को अस्पताल में भर्ती करा दिया गया है।

बरेली में मामूली विवाद में युवक की चाकू घोंपकर हत्या

बरेली। यूपी के बरेली जिले के बारादरी थाना क्षेत्र के काकरटोला इलाके में मामूली कहासुनी ने हिंसक झड़प में बदल गई। जिसमें 30 वर्षीय एक व्यक्ति की चाकू घोंपकर हत्या कर दी गई। पुलिस ने बताया कि मृतक की पहचान अरशद उर्फ गुड्डू के रूप में हुई है। यह विवाद कुछ दिन पहले बारावफात जुलूस के दौरान पुरस्कार वितरण को लेकर हुआ है। यह विवाद बढ़ गया और दोनों पक्षों के बीच हाथापाई की नौबत आ गई। झगड़े के दौरान एक गुट के आमिर नामक व्यक्ति ने कथित तौर पर चाकू निकाला और अरशद पर कई वार किए, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। पुलिस अधिकारी ने कहा, मामले की जांच शुरू कर दी गई है। फरार आरोपी आमिर की तलाश में पुलिस की टीमें संभावित ठिकानों पर छापेमारी कर रही हैं। आमिर को जल्द ही गिरफ्तार कर लिया जाएगा। स्थानीय लोगों ने घायल अरशद को तुरंत पास के निजी अस्पताल पहुंचाया। हालांकि, डॉक्टरों की तमाम कोशिशों के बावजूद, गंभीर चोटों के कारण उसकी मौत हो गई। अरशद की मौत की खबर फैलते ही अस्पताल के बाहर बड़ी संख्या में भीड़ जमा हो गई।

चार राज्यों के 380 बीएड कॉलेजों की मान्यता रद्द

मध्य प्रदेश के 11 बीएड कॉलेज

भोपाल। राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद द्वारा चार राज्यों के 380 बीएड कॉलेज की मान्यता समाप्त की गई है। इसमें सबसे अधिक 296 बीएड कॉलेज महाराष्ट्र के हैं। मध्य प्रदेश के 11 राजस्थान और छत्तीसगढ़ के 74 बीएड कॉलेज शामिल हैं। मध्य प्रदेश के जिन बीएड कॉलेज की मान्यता समाप्त की गई है। उनमें मध्य प्रदेश सरकार का राजा भोज ओपन विश्वविद्यालय भी शामिल है। विश्वविद्यालय डिस्टेंस लर्निंग बीएड प्रोग्राम के तहत हर साल 1000 सीटों पर छात्रों को प्रवेश देता था। इसके अलावा सांई नाथ महाविद्यालय, ग्वालियर का ऋषि कुल ग्रुप आफ बीएड कॉलेज, फरीदा एजुकेशन सोसाइटी, रीवा का अवधेश प्रताप सिंह विश्वविद्यालय, नीराचलम शिक्षा महाविद्यालय सतना, स्वामी नारायणदास शिक्षा कॉलेज सागर के पंडित बीडी मेमोरियल बीएड कॉलेज तथा द्रोणाचार्य अकैडमी की मान्यता भी समाप्त हो गई है।

10 रूटों पर चलाई जाएगी वंदे भारत स्लीपर ट्रेन

ट्रेनों का निर्माण बीईएमएल कंपनी को सौंपा गया

नई दिल्ली। भारतीय रेल के यात्रियों को न केवल दिन के समय, बल्कि रात के समय में भी वंदे भारत स्लीपर ट्रेन का आनंद लेने का मौका मिलेगा। रेलवे मंत्रालय ने घोषणा की है कि 2025-26 वित्तीय वर्ष में देशभर में 10 नई वंदे भारत स्लीपर ट्रेनें शुरू की जाएंगी। इन ट्रेनों का निर्माण बीईएमएल कंपनी को सौंपा गया है, और इन्हें इस वर्ष के अंत तक पटरियों पर उतारने की योजना बनाई गई है। इन ट्रेनों की तकनीकी और सुविधाएँ वर्ल्ड क्लास होगी, जिससे यात्रियों को किसी भी तरह की कमी न महसूस हो। इन ट्रेनों के रूट का औपचारिक एलान अभी तक नहीं किया गया है, लेकिन अनुमान लगाया जा रहा है कि ये ट्रेनें देश के व्यस्त और लंबी दूरी वाले मार्गों पर चलाई जा सकती हैं। इन आधुनिक ट्रेनों का निर्माण तीन बड़ी कंपनियों ने किया है, जिसमें बीईएमएल, काइनेट रेलवे सॉल्यूशंस लिमिटेड और टिटागढ़ रेल सिस्टम्स लिमिटेड-बीएचईएल कंसोर्टियम शामिल हैं। इन नई वंदे भारत स्लीपर ट्रेनों का इंटीरियर भी यात्रियों को प्रीमियम फील देगा, और ये ट्रेनें ऑस्टेनिटिक स्टेनलेस स्टील से बनी होंगी।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संक्षिप्त समाचार

सूडान के तीन शहरों पर अर्धसैनिक बलों के हमलों में 26 नागरिकों की मौत

खार्तूम , एजेंसी। सूडान सरकार ने घोषणा की है कि सूडान के पश्चिमी कोर्डोफान क्षेत्र के तीन शहरों पर अर्धसैनिक रैपिड सपोर्ट फोर्सेज (आरएसएफ) के हमलों में कम से कम 26 नागरिक मारे गए। सूडान के विदेश मंत्रालय ने एक बयान में कहा, हाल के कुछ घंटों में, आरएसएफ मिलिशिया ने जानबूझकर नागरिक क्षेत्रों को निशाना बनाया है और निर्दोष लोगों की जान ली है। मंत्रालय ने कहा, शुक्रवार को मिलिशिया ने अल-ओबेद शहर में अल-दमन अस्पताल को निशाना बनाया, जिसमें उपचार करा रहे 16 मरीजों की मौत हो गई और कई अन्य घायल हो गए। मंत्रालय ने आगे कहा, बुधवार को मिलिशिया ने अल-खिवाई शहर में एक सार्वजनिक बाजार पर भी ड्रोन से हमला किया, जिसमें आठ नागरिक मारे गए। बयान में कहा गया कि आरएसएफ ने दक्षिण कोर्डोफान के अल-दीबाईबात कस्बे में एक आवासीय क्षेत्र को भी निशाना बनाया, जिसमें दो नागरिकों की मौत हो गई। समाचार एजेंसी सिन्हुआ के अनुसार, मंत्रालय ने आरएसएफ के हमलों की निंदा करते हुए कहा कि इन हमलों का एकमात्र उद्देश्य अधिकतम नागरिकों को क्षति पहुंचाना था। इन हमलों में नागरिकों, मानवीय संगठनों, महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे और आवश्यक सेवाओं को टारगेट किया गया। बयान में आगे आरएसएफ पर गुरुवार को उत्तरी दारफुर राज्य की राजधानी एल-फशर में विश्व खाद्य कार्यक्रम के गोदामों पर बमबारी करने और उनमें आग लगाने का आरोप लगाया, जिससे बड़ी मात्रा में खाद्य आपूर्ति नष्ट हो गई। सूडानी सशस्त्र बलों (एसएएफ) और आरएसएफ के बीच सशस्त्र संघर्ष कोर्डोफान क्षेत्र में तेज हो गया है, जिसमें उत्तर, पश्चिम और दक्षिण कोर्डोफान राज्य शामिल हैं। गुरुवार को आरएसएफ ने दक्षिण कोर्डोफान में अल-दीबात और पश्चिम कोर्डोफन में अल-खिवाई कस्बों पर नियंत्रण का दावा किया। सूडानी सेना ने अभी तक इस दावे पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है। अप्रैल 2023 से सूडान एसएएफ और आरएसएफ के बीच संघर्ष में उलझा हुआ है। इस युद्ध में हजारों लोग मारे गए हैं और लाखों लोगों को सूडान के भीतर और उसकी सीमाओं के पार अपने घरों से भागने पर मजबूर होना पड़ा है।

अपने पूर्व के बयान से पलटा सीडीसी, बच्चों-गर्भवती महिलाओं को कोरोना वैक्सीन लेने की अनिवार्यता खत्म की

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी सरकार ने बच्चों और गर्भवती महिलाओं को कोरोना वैक्सीन लेने की सलाह फिर से जारी की है। हालांकि बीते हफ्ते जो सलाह जारी की गई थी, उसके मुताबिक बच्चों और गर्भवती महिलाओं को अनिवार्य रूप से कोरोना वैक्सीन लेने की सलाह दी गई थी, लेकिन अब जो एडवाइजरी जारी हुई है, उसके मुताबिक अनिवार्यता की शर्त हटा ली गई है और लोगों के विवेक पर वैक्सीन लेने का फैसला छोड़ा गया है। यह बदलाव अमेरिका के स्वास्थ्य मंत्री रॉबर्ट एफ केनेडी जूनियर के हालिया एलान के बाद हुआ है, जिसमें केनेडी ने कहा कि कोरोना वैक्सीन लेने की सलाह महिलाओं और 18 साल से कम उम्र के बच्चों को नहीं दी जाती है। केनेडी के एलान के बाद सेंटर्स फॉर डिजीज कंट्रोल एंड प्रिवेंशन की वेबसाइट पर भी सख्त भाषा को थोड़ा लचीला किया गया है और वैक्सीन लेनी है की बजाय वैक्सीन ले सकते हैं किया गया है। गर्भवती महिलाओं को कोरोना से खतरा ज्यादा है। बच्चों के लिए भी कोरोना संक्रमण को खतरनाक माना जाता है क्योंकि बच्चों की रोग प्रतिरोधक क्षमता कमजोर होती है। हालांकि पिछली महामारी के दौरान बच्चों में कोरोना के मामले औसतन कम देखे गए थे। सीडीसी की सलाह में कहा गया है कि माता-पिता डॉक्टरों की सलाह के बाद बच्चों को कोरोना वैक्सीन दिला सकते हैं। गर्भवती महिलाओं को भी वैक्सीन देने से पहले विशेषज्ञ की सलाह लेने की अपील की गई है। सीडीसी की सलाह अमेरिकन एकेडमी ऑफ फैमिली फिजिशियन्स और अमेरिकन एकेडमी ऑफ पीडियाट्रिक्स की सलाह के विपरीत है, जिन्होंने बच्चों और गर्भवती महिलाओं को कोरोना वैक्सीन देने की सलाह दी है और उनका कहना है कि यह पूरी तरह से सुरक्षित है।

चीन ने दर्जनों देशों के साथ मिलकर नया वैश्विक मध्यस्थता समूह बनाया

हांगकांग , एजेंसी। मध्यस्थता-आधारित अंतरराष्ट्रीय विवाद समाधान समूह की स्थापना की चीन की कवायद में शुक्रवार को 30 से अधिक देश शामिल हुए। चीन के विदेश मंत्री वांग यी के बाद, पाकिस्तान और इंडोनेशिया से लेकर बेलारूस और क्यूबा तक के 30 से अधिक देशों के प्रतिनिधियों ने हांगकांग में 'अंतरराष्ट्रीय मध्यस्थता संगठन की स्थापना संधि' पर हस्ताक्षर किए, जिससे वे इस वैश्विक संगठन के संस्थापक सदस्य बन गए। विकासशील देशों का यह समर्थन उस वक्त 'ग्लोबल साउथ' में चीन के बढ़ते प्रभाव का संकेत देता है, जब भू-राजनीतिक तनाव अपने चरम पर हैं और इनमें आंशिक रूप से अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा लगाए गए व्यापार शुल्क ने भी अहम भूमिका निभाई है। 'ग्लोबल साउथ' शब्द का इस्तेमाल आमतौर पर आर्थिक रूप से कम विकसित देशों को संदर्भित करने के लिए किया जाता है। वांग ने एक समारोह में कहा कि चीन लंबे समय से आपसी समझ की भावना से मतभेदों को निपटाने और बातचीत के माध्यम से आम सहमति बनाने की वकालत करता रहा है, साथ ही उसका लक्ष्य राष्ट्रों के बीच संघर्षों को सुलझाने के लिए 'चीनी प्रज्ञता' प्रदान करना है। उन्होंने कहा कि हांगकांग में मुख्यालय वाले इस निकाय का उद्देश्य अंतरराष्ट्रीय विवादों के सौहार्दपूर्ण समाधान को बढ़ावा देना तथा अधिक सामंजस्यपूर्ण वैश्विक संबंध बनाना है। बीजिंग ने इस संगठन को मध्यस्थता के माध्यम से विवादों को सुलझाने वाला दुनिया का पहला अंतर-सरकारी कानूनी संगठन बताया है।

13 साल के भारतीय-अमेरिकी फैजान ने जीती स्पेल बी प्रतियोगिता

भारतीय मूल का दबदबा बरकरार, लगातार चौथी बार बने चैम्पियन

न्यूयॉर्क, एजेंसी। अमेरिका की सबसे कठिन मानी जाने वाली प्रतियोगिता 'स्क्रिप्स नेशनल स्पेलिंग बी' का खिताब 13 साल के भारतीय-अमेरिकी छात्र फैजान जकी ने जीत लिया है। फ्रेंच शब्द एक्लेयरसिसमेंट का सही उच्चारण करके उन्होंने खिताब अपने नाम किया। एक्लेयरसिसमेंट एक फ्रांसीसी शब्द है जिसका मतलब है, किसी चीज को स्पष्ट करना या समझ में लाना। पिछले साल फैजान इस प्रतियोगिता में दूसरे नंबर पर रहे थे। तब वह टाईब्रेकर में ब्रुहत सोमा से हार गए थे। फैजान 5वें ऐसे प्रतिभागी हैं,जिन्होंने रनर-अप रहने के अगले साल खिताब जीता। 2001 में सीन कॉनले के बाद ऐसा पहली बार हुआ है। स्पेलिंग बी में प्राइमरी और सेंकेंडरी स्कूलों के छात्र हिस्सा लेते हैं। यह शब्दों के सही स्पेलिंग बताने से जुड़ी प्रतियोगिता है। जीत के बाद मिले 45 लाख रुपए फैजान को इनाम के तौर पर 52,500 डॉलर (करीब 45 लाख रु.) मिले हैं। पिछले साल उन्होंने 25,000 डॉलर (21.29 लाख रुपए) जीते थे, जिससे अब उनकी कुल इनामी राशि 77,500 डॉलर (66.31 लाख रुपए) हो गई है। आखिर में मुकाबला तीन लोगों के बीच था- फैजान, 11 साल के सर्व धरावने और 14 साल की सर्वदन्या कदम। एक और राउंड के बाद सिर्फ फैजान और सर्वदन्या बचे। इसके बाद फैजान ने 'एक्लेयरसिसमेंट' शब्द की सही स्पेलिंग बताई और जीत गए। उन्होंने जैसे ही सही

स्पेलिंग बोली, खुशी से अपनी मुट्ठियां पीटीं और मंच पर गिर पड़े। फैजान ने इस बार 21 राउंड तक लगातार सही स्पेल किया और जीत हासिल की। जीत के बाद फैजान ने कहा- मैं जब नर्वस होता हूं, तो खुद से कहता हूं, मैं यह शब्द जानता हूं, कुछ भी कर सकता हूं। खुद से बातचीत मुझमें जोश भर देती है...प्रदर्शन बेहतर हो पाता है। चौथी कक्षा तक, जीतने का कोई इरादा नहीं था। सोचा था... बस मौज-मस्ती के लिए जाऊंगा, पर स्पेलिंग के जुनून में मुझे इस ऊंचाई तक पहुंचा दिया। रोजाना 6 घंटे प्रैक्टिस फैजान ने पहली बार 7 साल की उम्र में स्पेल बी में हिस्सा लिया था। 2023 में वह वोकैब राउंड में बाहर हो गया था। इस बार तैयारी में बदलाव किया। 30 शब्दों की साझा सूची से ज्यादा से ज्यादा शब्द याद ?किए और 90 सेकंड में ज्यादा शब्द स्पेल करने की प्रैक्टिस की। स्पीड प्रैक्टिस को भी दिनचर्या में शामिल किया। सालभर में अपनी दिनचर्या पूरी तरह से स्पेलिंग बी के लिए समर्पित कर दी थी। वह रोजाना 6 घंटे प्रैक्टिस करता था। हर दिन नए शब्द पढ़ना, उनकी स्पेलिंग व अर्थ समझना और उन्हें बार-बार दोहराना उसकी आदत बन गई थी। इस जोरदार प्रैक्टिस का नतीजा यह रहा कि फाइनल में बिना हिचकिचाहट के विजयी शब्द को सही स्पेल कर सका।

डिक्शनरी का हर कोना पता : फैजान को गाइड करने वाले स्कॉट रेमर, सैम इवांस और सोहम सुखांतंकर हैरान थे कि मंच पर वह रोबोटिक नहीं बना। सहजता व मजे के साथ प्रतियोगिता में हिस्सा लिया। कोच सैम इवांस ने कहा,'स्पेलिंग्स को लेकर उसकी दीवानगी देखते बनती है।' पिता अनवर कहते हैं, उसे डिक्शनरी का हर कोना पता है। मां अर्शिया कहती हैं, फैजान ने 2 साल की उम्र में पढ़ना शुरू कर दिया था। 3 साल की उम्र में दुनिया के देश और उनकी राजधानियों के नाम याद कर लिए थे। अर्शिया कहती हैं, वह कभी-कभी जल्दबाजी करता है, इसलिए डर था। पर इस बार दबाव अच्छी तरह हैंडल किया। दोस्त बोले- उसे अवार्ड की कोई चिंता नहीं थी फैजान के दोस्त और पिछली बार उसे हराने वाले सोमा ने कहा- मुझे नहीं लगता कि उसे खिताब की उतनी परवाह है, जितनी भाषा व शब्दों के लिए दीवानगी है। खाली वक्त में भी, जब वह तैयारी नहीं कर रहा होता... तो पुराने, अप्रचलित शब्दों को खोजता है, जिनके पूछे जाने की कोई संभावना नहीं है। यही बात उसे बाकी लोगों से अलग करती है। 2022 में हरिनी लोगन ने प्रतियोगिता जीती थी। 2023 में देव शाह और 2024 में ब्रुहत सोमा विजयी रहे। 2025 में फैजान ने यह परंपरा जारी रखी। पहले रनरअप सर्वदन्य कदम और दूसरे सर्व धरावने रहे। इस मुश्किल प्रतियोगिता में पिछली 36 में से 30 बार भारतीय मूल के बच्चे ही विजयी रहे हैं। यह जीत इसलिए भी खास है क्योंकि स्पेल बी का यह 100वां संस्करण था। नेशनल स्पेलिंग बी प्रतियोगिता की शुरुआत 1925 में की गई थी। स्क्रिप्स के मुताबिक, पहली प्रतियोगिता 1925 में वाशिंगटन, डीसी में आयोजित की गई थी और इसमें सिर्फ नौ बच्चों ने भाग लिया था। ग्यारह साल के फ्रैंक न्यूहॉसर को जीते के तौर पर 500 डॉलर के सोने के सिक्के दिए गए। बालू नटराजन नाम के पहले भारतवंशी छात्र ने 1985 में इस खिताब को जीता था। इसके बाद रागेश्री रामचंद्रन ने 1988 में जीत हासिल की। अबतक भारतीय मूल के 29 बच्चों ने प्रतियोगिता में जीत हासिल की है। 1999 में नुपूर लाला के जीतने के बाद से सिर्फ पांच बार (2001, 2004, 2006, 2007, 2014, 2019, 2021) ऐसा हुआ जब भारतीय मूल के छात्र यह ट्रॉफी नहीं जीत पाए हैं।

पूर्व जापानी पीएम की पत्नी से मिल कैमरे पर इमोशनल हुए राष्ट्रपति पुतिन

टोक्यो, एजेंसी। जापान के पूर्व प्रधानमंत्री शिंजो आबे की पत्नी अकी आबे के साथ मुलाकात के दौरान रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन का एक अलग ही चेहरा सामने आया है जिसमें वो बेहद भावुक नजर आ रहे हैं. राष्ट्रपति पुतिन के अच्छे दोस्त शिंजो आबे की जुलाई 2022 में चुनावी भाषण के दौरान गोली मारकर हत्या कर दी गई थी. पति की हत्या के बाद अकी आबे पहली बार रूस अकेले पहुंची जहां अपने पति को याद कर रूसी राष्ट्रपति पुतिन के सामने उनके आंसू नहीं रुक रहे थे. पुतिन और अकी आबे की मुलाकात का एक वीडियो सामने आया है जिसमें रूसी राष्ट्रपति गुलाबी फूलों का बुके देकर उनका स्वागत कर रहे हैं. आबे से मुलाकात के दौरान पुतिन कह रहे हैं, मिस आबे, आपको यहां देखकर खुशी हुई. मुझे याद है, आपके पति जब भी रूस के आधिकारिक दौरे पर आते थे, आप उनके साथ होती थीं. 2019 में हुई हमारी मुलाकात मुझे याद है. शिंजो आबे को याद करते हुए पुतिन ने आगे कहा, रूस और जापान के रिश्तों को आगे ले जाने में आपके पति ने बहुत योगदान दिया. और मेरे उनके साथ बेहद अच्छे व्यक्तिगत रिश्ते थे. उनके बुलावे पर जापान यात्रा की मेरी यादें भी हैं. मैंने देखा कि वो रूस-जापान सहयोग को पूरी तरह बहाल करने के लिए तत्पर थे और उन्होंने इसके लिए बहुत कुछ किया भी. उनके कुछ हद तक अपने परिवार के रिवाज को आगे बढ़ाया क्योंकि उनके पिता भी जब 1980 के दशक में विदेश मंत्री थे तब रूस-जापान रिश्तों से वो यही चाहते थे. पुतिन ने रुंधे गले से आगे कहा कि एक आतंकवादी कृत्य ने उनके जीवन को छोटा कर दिया लेकिन उनकी याद, उनके काम रूस में संरक्षित हैं और मैं आपको यहां देखकर खुश हूं. जब राष्ट्रपति पुतिन बोल रहे थे तब अकी आबे अपने पति की याद में लगातार रोती दिखीं. शिंजो आबे जापान के सबसे लंबे समय तक पद पर रहने वाले प्रधानमंत्री थे. 8 जुलाई 2022 को वो जापान के नारा शहर में चुनावी भाषण दे रहे थे. तभी एक शख्स ने उन्हें गोली मार दी. आबे को दो गोलियां लगीं और अस्पताल में उन्होंने दम तोड़ दिया था. रूस के सरकारी ब्रॉडकास्टर आरटी ने एक और वीडियो जारी किया है।

इजरायल ने हमास को चेतावनी दी, अमेरिका के गाजा युद्ध विराम समझौते को स्वीकार करे

यरूशलम, एजेंसी। इजरायल के रक्षा मंत्री इजरायल कैट्ज़ ने हमास को चेतावनी दी है कि वह गाजा युद्ध रोकने के लिए अमेरिका के विशेष दूत स्टीव विटकॉफ द्वारा पेश किए गए समझौते को स्वीकार कर ले, नहीं तो उसे पूरी तरह से खत्म कर दिया जाएगा। सिन्हुआ समाचार एजेंसी ने मीडिया रिपोर्टों के हवाले से बताया कि स्टीव विटकॉफ के प्रस्ताव में गाजा में 60 दिनों के युद्धविराम के बदले दो चरणों में सौदा शामिल है। इसके तहत 10 जिंदा इजरायली बंधकों और 18 शवों को सौंपा जाएगा, जबकि इजरायल 1,236 फिलिस्तीनी कैदियों और 180 फिलिस्तीनियों के शव लौटाएगा। अपने कार्यालय से जारी एक बयान में रक्षा मंत्री कैट्ज ने कहा कि इजरायली सेना गाजा में पूरी ताकत से अभियान चला रही है। उन्होंने बताया कि हर इलाके में सैनिकों के प्रवेश की तैयारी के तहत, उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए जमीन, हवा और समुद्र से बड़े पैमाने पर हमले किए गए हैं। शुक्रवार को जारी एक बयान में इजरायली सेना ने कहा कि गुरुवार से उसकी वायु सेना ने जमीनी बलों के साथ मिलकर गाज़ा पट्टी में कई ठिकानों पर हमला किया है। इन हमलों में आतंकवादियों को मार गिराया गया और उनके हथियारों, ठिकानों और भूमिगत ढांचे को नष्ट कर दिया गया है।

थरूर की सख्त आपत्ति से कोलंबिया को हुआ गलती का एहसास; वापस लिया पाकिस्तान को भेजा शोक संदेश

बोगोटा, एजेंसी। भारत के वैश्विक स्तर पर आतंकवाद के खिलाफ सख्त रुख और पाकिस्तान को बेनकाब करने के प्रयासों को एक महत्वपूर्ण सफलता मिली है। कांग्रेस नेता शशि थरूर के नेतृत्व में सर्वदलीय संसदीय प्रतिनिधिमंडल ने कोलंबिया में पाकिस्तान की पोल खोलकर रख दी। कोलंबिया ने पहले अपने बयान में पाकिस्तान में जानमाल के नुकसान पर सहानुभूति जताई थी, लेकिन शशि थरूर की ओर से आपत्ति जताए जाने के बाद उसने अपना बयान वापस ले लिया है। कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने बोगोटा में गुरुवार को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान कोलंबिया की स्थिति पर असंतोष व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि भारत को इस बात से निराशा हुई कि कोलंबिया सरकार ने पाकिस्तान में हुए नुकसान पर संवेदना जताई, जबकि उन्हें पहलगाम आतंकवादी हमले के पीड़ितों के प्रति सहानुभूति व्यक्त करनी चाहिए थी। शशि थरूर ने कहा कि हमें कोलंबिया सरकार की प्रतिक्रिया से थोड़ी निराशा हुई, जिन्होंने भारतीय हमलों के बाद पाकिस्तान में जानमाल के नुकसान पर हार्दिक संवेदना व्यक्त की, बजाय इसके कि वे आतंकवाद के पीड़ितों के प्रति सहानुभूति दिखाते। उन्होंने आगे कहा कि हम अपने कोलंबियाई मित्रों से कहना चाहते हैं कि आतंकवाद फैलाने वालों और उनसे लड़ने वालों के बीच कोई समानता नहीं हो सकती। हम सिर्फ आत्मरक्षा के अधिकार प्रयोग कर रहे

हैं और अगर इस मुद्दे पर कोई गलतफहमी है, तो हम उसे दूर करने के लिए यहां हैं। भारतीय प्रतिनिधिमंडल ने कोलंबिया के उप विदेश मंत्री रोजा योलांडा विलाविसेनियो को भारत की स्थिति के बारे में बताया। इसके बाद कोलंबिया ने अपना पाकिस्तान के समर्थन में दिया गया बयान वापस ले लिया। भारत की स्थिति समझने के लिए कोलंबिया के रुख की सराहना करते हुए थरूर ने कहा कि उप विदेश मंत्री ने बहुत गरिमापूर्वक कहा कि उन्होंने वह बयान वापस ले लिया है, जिसे लेकर हमें चिंता थी, और अब वे हमारे रुख को पूरी तरह समझते हैं, जिसे हम बहुत महत्व देते हैं। थरूर ने ट्वीट कर कहा, आज का दिन उप विदेश मंत्री रोजा योलेन्डा विलाविसेन्सियो और एशिया-प्रशांत मामलों से जुड़े उनके वरिष्ठ सहयोगियों के साथ एक उत्कृष्ट बैठक से शुरू हुआ। मैंने हालिया घटनाओं पर भारत का दृष्टिकोण स्पष्ट किया और 8 मई को पाकिस्तान के प्रति संवेदना व्यक्त करने वाले बयान पर निराशा जताई। मंत्री ने आश्वस्त किया कि वह बयान वापस ले लिया गया है और अब भारत की स्थिति को ठीक से समझा और मजबूती से समर्थन किया गया है। शशि थरूर ने कहा कि हम ब्रिक्स के साथ अपने संबंधों को बहुत महत्व देते हैं, जिसके हम संस्थापक सदस्य हैं।

अमेरिका बोला-एशिया का संतुलन बिगाड़ने की तैयारी कर रहा चीन, ताइवान पर 2027 तक हमला कर सकता है

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने कहा कि अगर चीन ने जबरदस्ती ताइवान पर कब्जा करने की कोशिश की, तो इसका असर इंडो-पैसेफिक क्षेत्र और पूरी दुनिया पर पर बहुत बुरा होगा। रॉयटर्स की रिपोर्ट के मुताबिक हेगसेथ ने सिंगापुर में चल रही शांगरी-ला डायलॉग में कहा कि चीन एशिया में ताकत का संतुलन बिगाड़ने की तैयारी कर रहा है। रक्षा मंत्री ने चीन पर साइबर हमलों, अपने पड़ोसियों को डराने और दक्षिण चीन सागर में अवैध कब्जा करने जैसे गंभीर आरोप लगाए। हेगसेथ ने ये भी कहा कि चीन लगातार ताइवान के आसपास सैन्य अभ्यास कर रहा है, जो किसी बड़े हमले की तैयारी लगती है। हेगसेथ ने कहा कि चीन का खतरा असली है और ये कभी भी सामने आ सकता है। उन्होंने दावा किया कि चीन का मकसद 2027 तक ताइवान पर कब्जा करने का है। अमेरिका और उसके सहयोगी देश चीन की आक्रामकता का मिलकर मुकाबला करेंगे। अमेरिकी विदेश मंत्री बोले- हम यहां लंबे समय के लिए आए हैं अमेरिकी रक्षा मंत्री ने कहा कि ट्रम्प प्रशासन चीन को रोकने के

लिए व्यापार और रक्षा दोनों मोर्चों पर काम कर रहा है। हेगसेथ ने कहा- हम इस क्षेत्र में शांति, स्थिरता और सुरक्षा चाहते हैं और हम यहां लंबे समय तक बने रहने के लिए आए हैं। हेगसेथ ने कहा कि अमेरिका अपने इंडो-पैसिफिक सहयोगियों के साथ मिलकर काम कर रहा है और उनकी मदद से अमेरिका इस क्षेत्र पर ज्यादा ध्यान दे सकता है। उन्होंने कहा कि अमेरिका और उसके सहयोगियों की सुरक्षा और खुशहाली एक-दूसरे से जुड़ी हुई है। अमेरिकी रक्षा मंत्री ने कहा कि ट्रम्प यूरोप के देशों को अपनी सुरक्षा के लिए ज्यादा जिम्मेदारी लेने को कह रहे हैं, जिससे अमेरिका इंडो-पैसिफिक पर ज्यादा संसाधन लगा सके। इससे अमेरिका की मजबूत मौजूदगी से सभी को फायदा मिलेगा, लेकिन ये तभी होगा जब सभी सहयोगी देश भी मजबूत होंगे। उन्होंने ये भी याद दिलाया कि राष्ट्रपति ट्रम्प के कार्यकाल में चीन ने ताइवान पर हमला नहीं किया, और ट्रम्प का मकसद भी यही है कि युद्ध न हो। शांगरी-लॉ डायलॉग का उद्घाटन पर अपने भाषण में फ्रांसीसी राष्ट्रपति मैक्रों ने यूरोप और एशिया के देशों से अपील की कि वे उन ताकतों के खिलाफ एकजुट हों जो जबरदस्ती और दबाव के जरिये अपने प्रभाव का विस्तार करना चाहती हैं। उन्होंने चीन और रूस का नाम तो नहीं लिया, लेकिन उनका इशारा साफ था। मैक्रों ने कहा कि कुछ देश दुनिया में ऐसे इलाके बनाना चाहते हैं जहां सिर्फ उन्हीं का दबदबा हो। वे समुद्र, द्वीपों और संसाधनों पर कब्जा करना चाहते हैं और दूसरों को बाहर कर देना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि ये देश यूरोप के आस-पास से लेकर दक्षिण चीन सागर तक अपना प्रभाव फैलाना चाहते हैं। मैक्रों ने चेतावनी दी कि अगर रूस को यूक्रेन पर हमला करके उसका हिस्सा हथियाने दिया गया।

न्यूयॉर्क ने स्कूल के शुभंकर पर लगाया प्रतिबंध, ट्रंप के शिक्षा सचिव ने दी फंडिंग वापस लेने की धमकी

वॉशिंगटन, एजेंसी। न्यूयॉर्क ने एक स्कूल के मूल अमेरिकी शुभंकर (मैस्कॉट) पर प्रतिबंध लगा दिया है। इसे लेकर राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के शीर्ष शिक्षा अधिकारी ने न्यूयॉर्क को फंडिंग रोकने की धमकी दी है। अमेरिकी शिक्षा सचिव लिंडा मैकमोहन ने कहा कि न्यूयॉर्क उस स्कूल से भेदभाव कर रहा है जिसने अपने मूल अमेरिकी मुख्य शुभंकर से छुटकारा पाने से इनकार कर दिया है। इससे उसे न्याय विभाग की जांच का सामना करना पड़ सकता है या फंडिंग खोने का जोखिम उठाना पड़ सकता है। लॉन्ग आइलैंड के मैसेपेक्वा हाईस्कूल के दौरे पर गए अमेरिकी शिक्षा सचिव लिंडा मैकमोहन ने कहा कि हमारी एजेंसी की जांच से पता चला है कि राज्य के शिक्षा अधिकारियों ने राज्यव्यापी स्तर पर मूल अमेरिकी शुभंकर और लोगो के उपयोग पर प्रतिबंध लगाकर संघीय नागरिक अधिकार कानून का उल्लंघन किया है। विभाग के नागरिक अधिकार कार्यालय ने राज्य के प्रतिबंध को भेदभावपूर्ण बताया। क्योंकि हाल ही में अन्य नस्लीय या जातीय समूह जैसे डचमैन और ह्यूगनॉट्स से प्राप्त नाम और शुभंकर को अभी भी अनुमति दी गई है। मैकमोहन ने मैसेपेक्वा के प्रमुख शुभंकर को मूल अमेरिकी नेतृत्व का एक अविश्वसनीय प्रतिनिधित्व बताया। वर्ल्ड रेसलिंग एंटरटेनमेंट (डब्ल्यूडब्ल्यूई) के पूर्व सीईओ ने कहा कि जब राज्य के नेता मूल अमेरिकी जनजातियों के इतिहास और संस्कृति को खत्म करने का प्रयास कर रहे हैं, तो ट्रंप प्रशासन चुप नहीं बैठेगा। मैकमोहन ने कहा कि उनका

विभाग राज्य को मूल अमेरिकी शुभंकर पर प्रतिबंध हटाने तथा मूल अमेरिकियों के साथ भेदभाव करने और उनके इतिहास को मिटाने का प्रयास करने के लिए उनसे माफी मांगने के समझौते पर हस्ताक्षर करने के लिए 10 दिन का समय देगा। शिक्षा सचिव का दौरा राजनीतिक नाटक न्यूयॉर्क शिक्षा विभाग के प्रवक्ता जेपी ओ हारे ने शिक्षा सचिव के दौरे को राजनीतिक नाटक करार दिया। उन्होंने कहा कि स्कूल जिला अपने छात्रों की चिंताओं के बारे में स्थानीय जनजातियों से परामर्श करने से इनकार करके उनके साथ गंभीर अन्याय कर रहा है। ये प्रतिनिधि उन्हें बताएंगे कि कुछ मूल अमेरिकी नाम और चित्र नकारात्मक रूढ़िवादिता को बढ़ावा देते हैं और बच्चों के लिए स्पष्ट रूप से हानिकारक हैं। मैसेपेक्वा निवासी और चिकासॉ राष्ट्र के सदस्य एडम ड्रेक्सलर ने कहा कि मूल अमेरिकी संरक्षक संघ के प्रतिनिधि, जिन्होंने शुभंकर को बनाए रखने के लिए समर्थन व्यक्त किया था।

पाकिस्तान-तालिबान में सीमा विवाद को लेकर भिड़ंत-ढाई लाख लोगों को घर छोड़ने का आदेश

काबुल/इस्लामाबाद, एजेंसी। अफगानिस्तान के हेलमंद प्रांत में स्थित बहराम चह, जो पाकिस्तान के चगई जिले से सटा एक सीमावर्ती कस्बा है, फिर सशस्त्र संघर्ष का केंद्र बन गया है। पाकिस्तानी सुरक्षा बलों और तालिबान के बीच 3 फरवरी से शुरू हुई झड़पें अब तेज हो चुकी हैं। हालिया विवाद तब शुरू हुआ, जब तालिबान ने अपनी सीमा को सुरक्षित करने के लिए नई चौकी बनाने की कोशिश की। इसे पाकिस्तानी बलों ने समझौते का उल्लंघन बताते हुए गोलीबारी शुरू कर दी। जवाब में, तालिबान ने पाकिस्तान के चेकपोस्ट पर हमला बोला। मोर्टार दागने से चेकपोस्ट ध्वस्त हो गया।

इस बढ़ते संघर्ष के चलते चगई जिले के ढाई लाख से ज्यादा लोगों को पाक की शहबाज सरकार ने तत्काल घर छोड़ने का आदेश ?दिया है। तालिबान ने भी अपने नागरिकों को क्षेत्र खाली करने को कहा है। इस स्थिति ने पहले से ही बिगड़े पाक-अफगान रिश्तों को और अधिक तनावपूर्ण बना दिया है। बहराम चह चेकपोस्ट डूरंड लाइन पर स्थित है। यह नशीले पदार्थों की तस्करी, हथियारों की आवाजाही और विद्रोही गतिविधियों के लिए एक अहम गलियारा माना जाता है। इसके अलावा यह चगई और हेलमंद के बीच सैन्य गतिविधियों को भी नियंत्रित करता है। पाकिस्तानी सेना के लिए इसका नष्ट होना संकट पैदा कर सकता है।

तालिबान ने आत्मघाती दस्ता और पाक ने फ्रंटियर कोर तैनात की : अफगानिस्तान और तालिबान दोनों ने अब सैन्य तैयारियों को तेज कर दिया है। तालिबान ने कंधार की 205वीं कोर को तैनात किया है, जिसमें 50 आत्मघाती हमलावरों का दस्ता भी शामिल है। ये दस्ते पाकिस्तानी बलों पर हमले के लिए तैयार हैं,

जिससे स्थिति और खतरनाक हो गई है। पाकिस्तान ने भी तालिबान के टक्कर देने के लिए अपनी सीमा पर फ्रंटियर कोर बलूचिस्तान को मजबूत किया और टैंक तैनात किए हैं। आम लोग डर के साए में जी रहे हैं। इसकी बड़ी वजह पाकिस्तानी सेना का सीमा छोड़कर पीछे हटना है। पाकिस्तान प्रशासन ने स्कूल, कॉलेज और अन्य सार्वजनिक स्थानों को बंद कर दिया है और अस्पतालों को हाई अलर्ट पर रखा है। स्थानीय अपनी सुरक्षा के लिए बम शेल्टर की तलाश कर रहे हैं। यह स्थिति 2023 के डेरा इस्माइल खान आत्मघाती हमले की पुनरावृत्ति जैसी लग रही है, जब तहरीक-ए-जिहाद पाकिस्तान ने सेना को निशाना बनाया था। पाक सेना चार से ज्यादा चौकियां छोड़कर भाग खड़ी हुई तालिबान से भिड़ंत के बाद पाक सेना अपनी चार चौकियां छोड़कर भाग खड़ी हुई है। इनमें तीन चौकियां बहराम चह के आसपास स्थित हैं। यहां मोर्टार हमलों के बाद पाक सेना पीछे हटी है। वहीं गोंशोरो पास चेकपोस्ट को भी पाक सेना छोड़कर कर पीछे हट गई है। बता दें कि भिड़ंत वाला जिला चगई, पाक के सबसे बड़े प्रांत बलूचिस्तान में स्थित है। बलूचिस्तान का यह सबसे बड़ा जिला जिला अफगानिस्तान के अलावा ईरान की सीमा से सटा होने से काफी अहम है। विशेषज्ञों के अनुसार, यदि जल्द ही कोई राजनयिक समाधान नहीं निकाला गया।

स्वामी,मुद्रक व् प्रकाशकः सुरेश मौर्या द्वारा अष्ठ विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास ,भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक : सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

क्रांति समय

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सफाई कर्मचारी ने लोन लेने के लिए 52 हजार की फर्जी वेतन पर्ची बनाई।

SBI ने 19.40 लाख का लोन मंजूर बैंक के ऑडिट में NOC और वेतन पर्ची फर्जी पाए जाने पर शिकायत दर्ज

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत नगर निगम की एक महिला सफाईकर्मी ने बैंक को फर्जी NOC और वेतन पर्ची प्रस्तुत कर कुल 19.40 लाख का लोन लेकर धोखाधड़ी की। यह घोटाला शहर के अठवा पुलिस स्टेशन में दर्ज एक मामले की जांच के दौरान सामने आया।

हंसा मनहरभाई सोलंकी, जो फिलहाल डिंडोली क्षेत्र स्थित मानसी रेसिडेंसी में रहती हैं और सूरत महानगरपालिका (SMC) में सफाई कर्मचारी के रूप में कार्यरत हैं, के खिलाफ अठवा पुलिस स्टेशन में फर्जी दस्तावेजों के जरिए लोन लेने के आरोप में मामला दर्ज किया गया है।

हंसाबेन ने वर्ष 2022 में स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (SBI) में लोन के लिए आवेदन किया था। लोन पास करवाने के लिए उन्होंने "S.Com" नाम की फाइनेंस कंपनी से ली गई पिछली लोन का फर्जी क्लियरेंस NOC और SMC के नाम पर फर्जी वेतन पर्ची बैंक में जमा करवाई थी। इस पर्ची में उन्होंने अपना मासिक वेतन 26,000 के बजाय 52,000 दर्शाया था।

इन्हीं फर्जी दस्तावेजों के आधार पर SBI शाखा ने पहले चरण में 3 सितंबर 2022 को 6 लाख का लोन स्वीकृत किया था और दूसरे चरण में 9 जनवरी 2024 को 13.40 लाख का और लोन पास किया गया। इस तरह कुल 19.40 लाख का लोन मंजूर हुआ।

सितंबर 2024 में बैंक के आंतरिक ऑडिट के दौरान हंसाबेन द्वारा प्रस्तुत किए गए NOC पर शक हुआ। जांच में यह NOC और वेतन पर्ची दोनों फर्जी पाई गईं।

इस पूरे मामले में स्टेट बैंक ऑफ इंडिया की तरफ से शाखा प्रबंधक सुलताबेन कुमारी ने अठवा पुलिस स्टेशन में अधिकृत शिकायत दर्ज करवाई। इसके बाद पुलिस ने हंसा सोलंकी के खिलाफ IPC की धारा 420 (धोखाधड़ी), 465, 467, 468, 471 (जाली दस्तावेज बनाना और उसका उपयोग करना) के तहत केस दर्ज कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है।

फिलहाल अठवा पुलिस आरोपी महिला की गिरफ्तारी की कानूनी प्रक्रिया में जुटी है और इस घोटाले में और कौन-कौन शामिल है, उसकी भी जांच की जा रही है।

डमी ग्राहक भेजा और पकड़ा गया।

प्रगति मेडिकल स्टोर में बिना प्रिस्क्रिप्शन नशीली दवाओं की बिक्री, SOG और फूड एंड ड्रग्स विभाग ने छापेमारी कर नशीली दवाएं जब्त की।

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत के पाल क्षेत्र में प्रगति मेडिकल स्टोर में बिना प्रिस्क्रिप्शन नशीली दवाओं की बिक्री की जानकारी मिलने पर स्ह्लत्र और फूड एंड ड्रग्स विभाग की संयुक्त रेड की गई। इस दौरान 7,679 रुपये मूल्य की नशीली दवाएं जब्त कर कानूनी कार्रवाई की गई। पुलिस ने मेडिकल स्टोर पर रेड करने से पहले दवाइयां खरीदने के लिए डमी ग्राहक भी भेजा था।

दवाओं को बिना प्रिस्क्रिप्शन के बेचना गंभीर अपराध माना जाता है। शहर के पाल क्षेत्र में स्ह्लत्र द्वारा एक महत्वपूर्ण कार्रवाई की गई है, जिसमें फूड एंड ड्रग्स विभाग के साथ समन्वय कर प्रगति मेडिकल नामक मेडिकल स्टोर पर छापा मारकर कानूनी दस्तावेजों के बिना बेची जा रही नशीली दवाओं का बड़ा जखीरा जब्त किया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार ये दवाएं कोडीन फॉस्फेट जैसी दवाओं पर आधारित हैं, जिनका दुरुपयोग नशे के लिए किया जाता है और बिना प्रिस्क्रिप्शन इनके विक्रय को गंभीर अपराध माना जाता है।

इस पूरे ऑपरेशन के तहत SOG के अधिकारियों और फूड एंड ड्रग्स इंस्पेक्टर्स ने पिछले सप्ताह प्राप्त जानकारी के आधार पर दुकान नंबर 19, साइमिलन रेजिडेंसी, राज वर्ल्ड शॉपिंग सेंटर के पास पालनपुरगाम, पाल, सूरत में स्थित प्रगति मेडिकल नामक दुकान पर डमी ग्राहक भेजा था। ग्राहक को किसी भी डॉक्टर के प्रिस्क्रिप्शन के बिना सीधे नशीली दवाएं बेची गईं, जिससे उनके खिलाफ गंभीर दंडनीय अपराध साबित हुआ।

इस मेडिकल स्टोर के संचालक जय रोहितभाई पपैया (आयु 33), निवासी घर नंबर 18 2/8, मेहरनगर सोसाइटी, बार्म हॉस्पिटल के पास, अडाजण, सूरत, का नाम शामिल है। जांच में यह सामने आया है कि वे बिना किसी डॉक्टर की पर्ची के नशायुक्त दवाओं की बिक्री करते थे।

गुजरात में एक ही सप्ताह में पाँच पुलिसकर्मियों पर नशा, दुर्घटना और बलात्कार जैसे गंभीर आरोप

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

गुजरात में लगातार बढ़ता अपराध का ग्राफ राज्य में सुरक्षा के दावों को खोखला साबित कर रहा है। हत्या, लूट, बलात्कार, छेड़छाड़, हिट एंड रन और नशे की हालत में वाहन चलाकर हादसे करने की घटनाएं गुजरात की जनता के लिए अब आम बन गई हैं। खासकर अहमदाबाद, राजकोट, वडोदरा और सूरत जैसे बड़े शहरों में तो ऐसे अपराध जैसे रोज की बात हो गई है।

लेकिन सबसे चौंकाने वाली और शर्मनाक बात यह है कि पिछले एक हफ्ते में गुजरात पुलिस के ही कुछ कर्मचारियों ने खाकी वर्दी को कलंकित किया है। जनता के रक्षक कहे जाने वाले कुछ पुलिसकर्मी ही भक्षक बनते नजर आए हैं।

अहमदाबाद में एक पुलिसकर्मी ने तेज रफ्तार में कार चलाते हुए तीन लोगों को घायल कर दिया। वहीं, अमरेली में दो पुलिसकर्मियों के खिलाफ बलात्कार की शिकायत दर्ज हुई है। इनमें से एक पुलिसकर्मी पर 14 साल की नाबालिग लड़की के साथ और दूसरे पर 30 वर्षीय महिला के साथ बलात्कार का गंभीर आरोप है।

दूसरी ओर, वडोदरा में कुछ दिन पहले एक PSI ने नशे की हालत में गाड़ी चलाकर तीन वाहनों को टक्कर मारी थी। इस घटना के दो दिन बाद आरोपी PSI वाय.एच. पढ़ियार को तत्काल प्रभाव से सस्पेंड कर दिया गया था।

इन घटनाओं से साफ है कि सरकार के सुरक्षा संबंधी सभी दावे झूठे साबित हो रहे हैं। भाजपा के शासन में कानून-व्यवस्था जैसे चरमरा गई हो, ऐसा चित्र सामने आया है। इसके बावजूद सरकार की ओर से कोई ठोस कार्रवाई या जवाबदेही नहीं देखी जा रही है। पुलिसकर्मी ही तोड़ रहे हैं कानून

अहमदाबाद के राणीप इलाके में माधवपुरा पुलिस स्टेशन में तैनात पुलिसकर्मी युवराज सिंह ने तेज रफ्तार से कार चलाते हुए एक से अधिक वाहनों को टक्कर मार दी, जिसमें तीन लोगों को गंभीर चोटें आईं। इस घटना के दृश्य भी सामने आए हैं, जिनमें देखा जा सकता है कि लोगों ने हादसा करने वाले पुलिसकर्मी की जमकर पिटाई की। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और मामला दर्ज कर आगे की जांच शुरू की गई है।

अहमदाबाद में पुलिस की दादागिरी

अहमदाबाद में पुलिसकर्मी ने तेज रफ्तार से कार चलाकर एक से अधिक वाहनों को टक्कर मारने की घटना के बाद अब अहमदाबाद पुलिस की दादागिरी का एक और मामला सामने आया है। जिसमें दो पुलिसकर्मी निर्दयता से एक युवक को लकड़ी से पीटते हुए नजर आए हैं। इस वीडियो ने सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। बताया जा रहा है कि यह घटना दीवान बल्लुभाई रोड की है। युवक गलत साइड से आ रहा था, जिसके कारण पुलिस ने उसे लात-घूसों और लकड़ी से पीटा। वीडियो में साफ देखा जा सकता है कि पुलिसकर्मी सत्ता के दुरुपयोग करते हुए अपनी ताकत दिखा रहे हैं। मामूली बात पर युवक को बुरी तरह से पीटने से पूरे शहर में लोगों में गुस्सा व्याप्त है।

अमरेली में पुलिसकर्मी के खिलाफ दुष्कर्म की शिकायत

एक ही दिन में अमरेली क्षेत्र में दूसरी दुष्कर्म की शिकायत अमरेली सिटी पुलिस स्टेशन में दर्ज हुई है। मुख्यालय में तैनात महेश सोलंकी नामक पुलिसकर्मी के खिलाफ 30 वर्षीय महिला ने दुष्कर्म की शिकायत दर्ज कराई है। महेश सोलंकी शादी का झांसा देकर महिला के साथ जबरदस्ती बार-बार शारीरिक संबंध बनाता था। महिला की शिकायत के आधार पर बलात्कार का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है। फिलहाल महेश सोलंकी भी फरार है। पुलिस ने खाकी वर्दी को कलंकित करने वाले

इन दोनों पुलिसकर्मियों को गिरफ्तार करने के लिए कड़ी कार्रवाई शुरू कर दी है। इन घटनाओं ने कानून के रखवाले पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं और समाज में भारी आक्रोश देखने को मिल रहा है।

वडोदरा में नशे में धुत PSI ने किया हादसा

वडोदरा के छाणी ब्रिज के पास 24 मई की रात कारेलीबाग क्षेत्र में हुई घटना जैसी ही एक और घटना सामने आई। एक कार चालक ने तस्ज्ञ अतिरिक्त आयुक्त की कार, दो महिला पुलिसकर्मियों की एक्टिवा और एक अन्य युवक की एक्टिवा को टक्कर मार दी। सौभाग्य से सभी सुरक्षित रहे। इस घटना के बाद, नर्मदा जिले के स्क्र ने शराब पीकर दुर्घटना करने वाले PSI V.H. पढियार को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया।

दारूबंदी के उल्लंघन और कानून व्यवस्था पर सवाल

गुजरात में जिस तरह से खाकी वर्दीधारक कानून का उल्लंघन करते हुए हादसे और दुष्कर्म जैसे अपराध कर रहे हैं, उसे देखकर ऐसा लगता है कि आम जनता कहीं भी सुरक्षित नहीं है। जिन लोगों को जनता की सुरक्षा की जिम्मेदारी सौंपी गई है, वे दारूबंदी वाले गुजरात में शराब पीकर हादसे करते हैं, जिससे दारूबंदी की धज्जियां उड़ रही हैं। ऐसा लगता है कि खाकी वर्दी पहनने वाले जनता के सेवकों को कानून तोड़ने और अपराध करने का लाइसेंस मिल गया हो। कई बार निर्दोष जनता को वर्दी के पावर दिखाकर गलत तरीके से परेशान करने के मामले भी सामने आते हैं। पुलिस विभाग की ओर से भी ऐसे मामलों में अक्सर केवल कुछ समय के लिए निलंबन किया जाता है और मामला शांत करा दिया जाता है।

कानून व्यवस्था बनाए रखने वाले ही कानून का उल्लंघन कर रहे हैं

सरकार के सुरक्षा के सभी दावे खोखले साबित हो रहे हैं। भाजपा के शासन में कानून व्यवस्था ऐसा नज़र आ रहा है जैसे पूरी तरह ध्वस्त हो गई हो, फिर भी सरकार की चिंता का कोई आलम नहीं है। ऐसे में सबसे बड़ा सवाल यह है कि जब पुलिसकर्मी ही नशे की हालत में हादसे कर रहे हैं और दुष्कर्म जैसे घृणित अपराध कर रहे हैं, तो गृह मंत्री ऐसे कर्मचारियों के खिलाफ कड़ा कदम उठाएंगे या नहीं? ऐसे पुलिसकर्मियों ने दारूबंदी को मजाक बना दिया है, तो उनके खिलाफ क्या कार्रवाई की जाएगी, यह तो आने वाला समय ही बताएगा।

सूरत में मॉडल की कार जलाने के मामले में मुख्य आरोपी की गिरफ्तारी

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत में मॉडल की कार जलाने के मामले में मुख्य आरोपी को पकड़ लिया गया है। सूरत में महंगी कार में आग लगाने वाले तनिष जैन और सच्चु को गिरफ्तार किए जाने के बाद मितेश को भी दबोच लिया गया है।

मॉडल आंचल सिंह ने जब मितेश जैन से बातचीत बंद कर दी, तो आरोपी ने मर्सिडीज कार में आग लगवा दी थी। शहर के वेसु इलाके में रहने वाली मॉडल आंचल सिंह की मर्सिडीज कार को आग लगा दी गई थी। पुलिस ने मितेश जैन के दोस्तों नितेश और सच्चु राय को गिरफ्तार किया था। इस घटना को लेकर मॉडल आंचल सिंह ने गंभीर आरोप लगाए हैं। मितेश जैन आंचल सिंह को अपने साथ रिश्ता रखने के लिए धमकियाँ देता था। वह कहता था, "अगर तू मेरी नहीं हुई तो किसी और की भी नहीं होने दूँगा," और उसने आंचल को एसिड अटैक करके जला देने की धमकी भी दी थी। आंचल सिंह कहाँ जाती है और किससे मिलती है, यह सब जानने के लिए उसने कार में GPS सिस्टम लगवाया था। आरोपियों ने मॉडल के करीबी रिश्तेदारों की कारों को भी नुकसान पहुँचाया था।

सूरत में मॉडल की कार जलाने के मामले में 2 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। यह काम मितेश जैन के कहने पर किया गया था।

सूरत में मॉडल की कार जलाने के मामले में वेसु पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने कार जलाने के मामले में सचु रामावतार राय और तनिष सुशांत जैन नाम के व्यक्तियों को गिरफ्तार किया है। जानकारी के अनुसार, दोनों आरोपी मॉडल के पूर्व प्रेमी मितेश जैन के सहयोगी बताए जा रहे हैं। मिली जानकारी के अनुसार, मितेश जैन के कहने पर कार में आग लगाई गई थी। मितेश जैन ने मॉडल और उसके परिवार की चार कारों में से GPS सिस्टम निकाल दिया था। मितेश जैन बार-बार उनका पीछा करता था और उन्हें लगातार परेशान करता था। मितेश जैन के खिलाफ अलग-अलग तीन पुलिस थानों में शिकायत दर्ज की गई है।

श्रीनारायण पेड़ीवाल अध्यक्ष एवं गौतम प्रजापति सचिव बने >> वनबंधु परिषद सूरत की वार्षिक बैठक

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत,वनबंधु परिषद, सूरत चैप्टर द्वारा वार्षिक बैठक का आयोजन रविवार को साइंस सेंटर स्थित टीओबी हॉल में किया गया। बैठक में पश्चिम क्षेत्र के अध्यक्ष श्याम गर्ग की उपस्थिति में नई कार्यकारिणी की घोषणा की गई। कार्यकारिणी में सर्वसहमति से श्रीनारायण पेड़ीवाल को अध्यक्ष, गौतम प्रजापति को सचिव, नकुल राठी को कोषाध्यक्ष, राजकुमार अग्रवाल एवं अरुण काबरा को उपाध्यक्ष, वीणा बंसल को संगठन सचिव, जय स्वर्णकार को सह सचिव बनाया गया। तत्कालीन अध्यक्ष के रूप में श्री विनोद अग्रवाल को दायित्व सौंपा गया।

सभा में नवनिर्वाचित अध्यक्ष श्रीनारायण पेड़ीवाल ने आगामी दो वर्षों के लिए संगठन का विजन प्रस्तुत किया। सचिव गौतम प्रजापति ने वर्षभर की गतिविधियों की जानकारी दी। कोषाध्यक्ष नकुल राठी ने गत वर्ष के आय व्यय का विवरण प्रस्तुत किया।

बैठक में संस्था के वरिष्ठ संरक्षक प्रमोद चौधरी, जयप्रकाश अग्रवाल एवं विद्याकार बंसल विशेष रूप से उपस्थित रहे। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एवं प्रमुख वक्ता के रूप में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सुरत महानगर कार्यवाहक केतनभाई लापसीवाला उपस्थित रहे। उन्होंने च्परिवार, समाज एवं राष्ट्र निर्माणज्ज विषय पर प्रभावशाली विचार रखे और बताया कि वनबंधु परिषद शहर एवं ग्रामीण भारत के बीच प्रेम सेतु का निर्माण कर रहा है। इस अवसर पर एकल अभियान की विभिन्न इकाइयों के अनेकों सदस्य उपस्थित रहे।

अनोखे तरीके से बच्चों ने मनाया पर्यावरण दिवस

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत, असाधारण फाउंडेशन एवं अर्थस 911 ग्रुप द्वारा वंचित बच्चों के लिए ज़ीरो-वेस्ट और प्रकृति से जुड़ा विशेष कार्यक्रम का आयोजन रविवार को नेचर क्लब के इको-फार्म में किया गया।

कार्यक्रम में बच्चों को टिकाऊ जीवनशैली के महत्व को व्यवहार में लाकर सिखाया गया। आयोजन में उधना स्थित असाधारण फाउंडेशन की संडे पाठशाला के 50 बच्चे और दोनों संगठनों के 25 से अधिक कार्यकर्ताओं ने भाग लिया।

इस कार्यक्रम की सबसे खास बात थी कि यह 100% कचरा-मुक्त था। सभी के लिए खाना एवं पानी भी बर्तनों में दिया गया।

आयोजन में बच्चों ने प्रकृति के बीच खेल-खेल में कई गतिविधियों में भाग लिया और पर्यावरण से जुड़ी बातें सीखी। इससे बच्चों के मन में प्रकृति से जुड़ाव और ज़िम्मेदारी की भावना को मजबूत किया।

असाधारण फाउंडेशन और अर्थस 911 द्वारा इनिशिएटेड, GPCB सूरत के एसोसिएशन से आयोजित यह पहल न सिर्फ पर्यावरण दिवस को अर्थपूर्ण रूप से मनाने का एक बेहतरीन तरीका था, बल्कि इसने यह भी दिखाया कि छोटे-छोटे, सोच-समझकर लिए गए कदम एक ग्रीनर भविष्य की ओर ले जा सकते हैं खासकर जब ये बातें बच्चों को शुरू से सिखाई जाएं।